

Daily सच के हक में...

Disha Patani Goes Out on Lunch...

Ranchi ● Saturday, 04 January 2025 ● Year : 02 ● Issue : 342 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

E-Paper : epaper.thephotonnews.com

<mark>फोटोन एक्सक्लूसिव...</mark> महिलाओं के खिलाफ अपराध के आंकड़े भयावह, रोकने के लिए उटाने होंगे नए कदम[े]

झारखंड : दहेज के लिए हर तीसरे दिन मार डाली गई एक विवाहिता

समाज में महिलाओं के खिलाफ बढ़ रहीं हिंसा और अपराध की घटनाएं चिंताजनक हैं। महिलाओं के साथ दहेज के लिए हत्या और प्रताड़ना के मामले दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं। दहेज के लिए लगभग हर तीसरे दिन एक विवाहिता को मौत के घाट उतार दिया जाता है। महिलाओं की सेफ्टी के लिए कई तकनीकों का भी पुलिस इस्तेमाल कर रही है। लेकिन, सुरक्षा के सारे दावे फेल नजर आ रहे। झारखंड में पिछले 10 महीनों में दहेज के लिए 142 महिलाओं को मार डाला गया। मतलब हर 61 घंटे में दहेज के लिए एक महिला मारी जा रही है। जनवरी से लेकर अक्टूबर 2024 तक दजेह के लिए १४२ महिलाओं को लोभियों ने अपना शिकार बनाया। ये आंकड़े स्टेट क्राइम रिकॉर्ड (एससीआरबी) ब्यूरों ने जारी किए हैं। सबसे ज्यादा घटनाएँ अप्रैल 2024 में हुई। इस महीने 25 महिलाओं को मार डाला गया। अगस्त और अक्टबर में सबसे कम घटना हुई। इस महीने एक-एक महिला को लोभियों ने अपना निशाना बनाया। वहीं जनवरी से अक्टूबर तक दहेज

जनवरी-अक्टूबर 2024 तक 142 महिलाओं को लोभियों ने बनाया अपना शिकार स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो ने जारी किए आंकड़े, पुलिस के सारे दावे व तकनीक फेल



• सबसे ज्यादा घटनाएं अप्रैल २०२४ में हुई, इस महीने मार डाली गई 25 महिलाएं

• सबसे कम वारदात अगस्त और अक्टूबर में इस माह एक-एक की ली गर्ड जान

| कितनी हत्याएं | | दहेज प्रताइन | दहेज प्रताड़ना के मामले | |
|---------------|-----|--------------|-------------------------|--|
| जनवरी | 19 | जनवरी | 124 | |
| फरवरी | 22 | फरवरी | 95 | |
| मार्च | 17 | मार्च | 77 | |
| अप्रैल | 25 | अप्रैल | 78 | |
| | 24 | मई | 95 | |
| जून | 17 | जून | 206 | |
| जुलाई | 13 | जुलाई | 41 | |
| अगस्त | 01 | अगस्त | 47 | |
| सितंबर | 03 | सितंबर | 87 | |
| अक्टूबर | 01 | अक्टूबर | 54 | |
| कुल | 142 | कुल | 904 | |

2024 में दहेज के लिए हुई प्रमुख हत्याएं

ससुराल में जलाई गई बेटी की चिता

04 सितंबर 2024 को हजारीबाग के बरही थाना क्षेत्र के चतरो गांव में शादी के चार महीने के बाद ही 22 साल की प्रीति कुमारी की उसके ससुराल वालों ने हत्या कर दी थी। मृतका के शरीर पर जलने के निशान मिले थे। उसकी एक आंख भी फूटी हुई थी। घटना के बाद आक्रोशित मृतका के मायका वालों ने शव को ससुराल के आंगन में चिता बनाकर जला दिया था।

पेज ०३ पर पढें झारखंड में दहेज के लिए हर दिन प्रताड़ित की जा

झारखंड की बेटी की मुंबई में हत्या 22 सितंबर 2024 को हजारीबाग की 24 साल की

चतरा में दहेज के विवाहिता का मर्डर 13 जून 2024 को चतरा के इटखोरी थाना क्षेत्र में दहेज के लिए विवाहिता को मार डाला गया। मृतक का नाम खुशबू था। परिजनों ने एफआईआर में कहा था कि खुशबू का पति सोने की चेन और बाइक के लिए हमेशा मारपीट करता था। ससुराल वालों की डिमांड पूरी नहीं करने पर बेटी को मौत के घाट उतार दिया

नवविवाहिता वर्षा कुमारी की दहेज हत्या का मामला सामने आया था। वह अपने पति के

साथ मुंबई में रहती थी। परिजनों ने बताया था कि वर्षा ने लव मैरेज की थी। कुछ दिनों तक सब टीक था। बाद में 10 लाख नकद और चार चक्का गाडी की मांग की जाने लगी। उसका पति दहेज के लिए मारपीट करने लगा। अचानक मायका में बेटी की मौत की खबर मिली। जिस दिन हत्या हुई, उस दिन मर्डर से एक घंटा पहले वर्षा ने फोन कर बताया था कि उसके पति ने बुरी तरह से मारपीट की है।

: 79,223.11 निफ्टी : 24,004.75

प्रताड़ना के 904 मामले दर्जे किए गए हैं।

7,440 100.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

चंदन गुप्ता मर्डर मामले में 28 दोषियों को उम्रकैद

LUKHNOW: उत्तर प्रदेश के कासगंज में 2018 में एबीवीपी (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद) कार्यकर्ता चंदन गुप्ता की हत्या के मामले में 28 दोषियों को उम्र कैद की सजा सुनाई गई। लखनऊ एनआईए कोर्ट के जस्टिस विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने शुक्रवार को यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने गुरुवार को 28 आरोपियों को दोषीं करार दिया था। इस फैसले के खिलाफ दोषियों की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी, जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया। गुरुवार को मामले में दोषी सलीम कोर्ट में पेश नहीं हुआ था। उसन शुक्रवार का काट पहुंचकर सरेंडर किया। कासगंज में 26 जनवरी, 2018 को चंदन गुप्ता की हत्या कर दी गई थी। उसकी मौत के बाद कासगंज में दंगे हुए थे। हालात इतने खराब हो गए थे कि प्रशासन को इंटरनेट बंद करना पड़ा था।

छत्तीसगढ-ओडिशा बॉर्डर पर मुठभेड़, 3 नक्सली ढेर

GARIYABAND: छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के नक्सल प्रभावित सोरनामाल जंगल में सरक्षाबलों ने 3 नक्सलियों को मार गिराया है। बताया जा रहा है कि डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) और एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) की टीम ने नक्सलियों को घेरा है। छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों राज्यों के करीब 300 जवान मौके पर मौजूद हैं। ओडिशा के नवरंगपुर की ओर से भी जवानों ने घेराबंदी की थी, जिससे नक्सलियों को भागने का मौका नहीं मिला। सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई मुंटभेड़ के बाद तीन नक्सलियों के शंव बरामद किए गए हैं।

गंभीर चिंता

विधानसभा चुनाव के पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अरविंद केजरीवाल पर कसा तंज, कहा-

एक बड़ी 'आप-दा' से घिरी है दिल्ली

मैं भी 'शीश महल' बनवा सकता था, लेकिन पूरे किए 4 करोड़ लोगों के सपने

शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक केजरीवाल पर भ्रष्टाचार को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आआपा सरकार को 'आप-दा' की संज्ञा देते हुए कहा कि पिछले 10 सालों से राष्ट्रीय राजधानी आपदा से घिरी हुई है। उन्होंने दिल्लीवालों से इसे बदलने का आह्वान किया। प्रधानमंत्री अशोक विहार में झग्गी-झोपड़ी वालों के लिए बनवाए गए स्वाभिमान अपार्टमेंट में 1675 फ्लैट की चाबी लाभार्थियों को सौंपने के बाद रामलीला मैदान में

• 1675 फ्लैटों की चाबी • राष्ट्रीय राजधानी को ४५०० • कहा- देश अच्छी तरह लाभार्थियों को सौंपने के बाद करोड़ रुपये की विभिन्न जानता है कि मोदी ने कभी पीएम कर रहे थे संबोधित परियोजनाओं का दिया तोहफा अपने लिए घर नहीं बनाया अरविंद निवासियों को 4500 करोड़ रुपये फ्लैट, स्कूल और कॉलेजों से जुड़े बनाया। प्रधानमंत्री ने झुग्गी के स्वाभिमान को बढ़ाने वाला है। वे सभी मोदी का परिवार हैं।

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में रिमोट का तोहफा दिया। इसमें जेजे क्लस्टर

देश अच्छी तरह जानता है कि बातचीत का जिक्र करते हुए कहा

बटन दबाकर राष्ट्रीय राजधानी के के निवासियों के लिए 1,675 मोदी ने कभी अपने लिए घर नहीं कि स्वाभिमान अपार्टमेंट गरीबों के

विभिन्न परियोजनाओं का प्रोजेक्ट हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि बदले फ्लैट पाने वालों से अपनी उनका कहा कि झग्गी के बदले फ्लैट पाने वाले भले ही दिल्ली के अलग-अलग स्थानों के हैं लेकिन

रूप से कटाक्ष करते हुए प्रधानमंत्री ने

कहा कि अन्ना हजारे को आगे रखकर

कुछ 'कट्टर बेईमान' लोगों ने राष्ट्रीय

राजधानी को 'आपदा' की ओर धकेल

दिया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी

भ्रष्टाचार करते हैं और इसका जश्न भी

इसलिए दिल्ली के लोगों ने इस आपदा

पार्टी दिल्ली पर एक 'आप-दा' की

तरह आई है। ये लोग खुलेआम

मनाते हैं। ये और कुछ नहीं, 'चोरी,

ऊपर से सीनाजोरी' है। दिल्ली पर

'आपदा' का संकट आ गया है।

राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता का प्रतीक बन चुका है।

सुर में कह रही है, 'आपदा को नहीं

कहा कि दिल्ली के मतदाताओं ने

दिल्ली को इस आपदा से मुक्त करने

शराब के ठेकों में घोटाला, बच्चों के

का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि

स्कूल में घोटाला, गरीबों के इलाज में

घोटाला, भर्तियों के नाम पर घोटाला ये

लोग दिल्ली के विकास की बात करते

दिल्ली पर टूट पड़े हैं। उन्होंने कहा कि

दिल्ली वालों ने आप-दा के विरुद्ध जंग

थे, लेकिन ये लोग आप–दा बनकर

सहेंगे, बदल कर रहेंगे'। प्रधानमंत्री ने

केजरीवाल ने कहा-आपदा दिल्ली में नहीं, भाजपा में आई



दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आपदा दिल्ली में नहीं, भाजपा में आई हुई है। भाजपा के पास न तो सीएम फेस है और न ही एजेंडा। पूर्व सीएम ने कहा- हमने दिल्ली में इतने काम किए हैं कि घंटों तक गिना सकते हैं। अपने 43 मिनट के भाषण में वे (पीएम) कोई काम नहीं पलटवार पीएम मोदी की रैली के डेढ घंटे बाद किया।

सुबह में छाया रहा कोहरा, कनकनी ने बढ़ाई लोगों की परेशानी

शीतलहर का कहर, 3.3 डिग्री पहुंचा कांके का पारा आज के बाद न्यनतम और अधिकतम

तापमान में हो सकती है कुछ वृद्धि

PHOTON NEWS RANCHI:

झारखंड की राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में शीतलहर कहर बरपा रही है। शक्रवार को सबह के कोहरे और कनकर्नी ने लोगों की परेशानी बढा दी। मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 24 घंटे तक ठंड से किसी भी तरह की राहत मिलने की संभावना नहीं है। शुक्रवार को राजधानी रांची के कांके कपड़ा फिसल कर 3.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। खूंटी का न्यूनतम तापमान ५.३ डिग्री सेल्सियस रहा। शनिवार को भी जमशेदपर और डालटनगंज में भी सुबह कोहरा छाया रहेगा। बादल भी छाए रहने की संभावना है।

पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी के कारण अचानक झारखंड में बढ़ी ठंड



अगले २४ घंटों का तापमान

अगले 24 घंटों में रांची का अधिकतम तापमान २४ डिग्री और न्यूनतम तापमान ९ डिग्री सेंटीग्रेड रहेने का अनुमान है। जमशेदपुर का उच्चतम तापमान २६ और

ग्राउंड वाटर में नाइट्रेट की मात्रा का बढ़ना सेहत के लिए खतरनाक

सेल्सियस अनुमान है। डालटनगंज का अधिकतम तापमान २५ डिग्री और न्यूनतम तापमान ८ डिग्री सेंटीग्रेड रहने का अनुमान है।

रांची में अभी नहीं मिलेगी राहत मौसम विभाग के है कि 24 घंटे तक लोगों अनुसार, पहाडों पर को कनकनी वाली ठंड लगातार हो रही से राहत नहीं मिलेगी। इसके बाद 3 दिन के बर्फबारी का असर

झारखंड में भी दिख रहा है। हवाओं ने झारखंड में ठंड बढ़ा दी है। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार से अगले दो दिन तक न्यूनतम तापमान में दो से चार डिग्री सेंटीग्रेड तक वृद्धि हो सकती है। मौसमें केंद्र रांची ने कहा

दौरान न्यूनतम तापमान धीरे-धीरें 2 से 4 डिग्री तक बढ़ सकता है। मौसम विभाग का कहना है कि 4 जनवरी को सुबह में हल्के से मध्यम दर्जे का कोहरा या धुंध रहने की संभावना है। इसके बाद आसमान साफ हो जाएगा।

कोयला चोरी मामले में र्डडी को प्रतिवादी बनाने के आदेश के खिलाफ याचिका खारिज

RANCHI: धनबाद में कोयला चोरी और इसमें पुलिस संलिप्तता की सीबीआई जांच के झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को

सुनवाई हुई।

सुनवाई के दौरान

जांच के झारखंड सरकार एसएलपी पर सुप्रीम कोर्ट में ਫ਼ੁਙੀ

शीर्ष अदालत ने राज्य सरकार की ओर से ईडी को प्रतिवादी बनाए जाने के आदेश को बदलने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। सुनवाई राज्य सरकार की

ओर से वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल और सुप्रीम कोर्ट की एडवोकेट आन रिकॉर्ड प्रज्ञा सिंह बघेल ने बहस की। इस मामले में सीबीआई की ओर से जवाब दाखिल किया जा चुका है। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संदीप मेहता की बेंच में यह मामला सूचीबद्ध था। सुप्रीम कोर्ट में इस केस की पहली सुनवाई 18 अक्टूबर को हुई थी। उस दिन शीर्ष अदालत ने झारखंड हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी थी, जिसमें धनबाद में कोयला चोरी और इसमें पुलिस संलिप्तता की सीबीआई जांच का आदेश झारखंड हाईकोर्ट ने दिया था।

ईडी के जवाब का 4 सप्ताह में हेमंत सोरेन को देना है प्रतिउत्तर



🕳 समन की अवहेलना के मामले में झारखंड हाई कोर्ट में हुई सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट

में चल रहे केस को निरस्त करने का किया है आग्रह

• बताया- ईडी ने दुर्भावना से प्रेरित होकर बार-बार जारी किया था समन

झारखंड हाई कोर्ट में हुई। पीएमएलए कोर्ट के संज्ञान आदेश को सीएम हेमंत सोरेन की ओर से हाई कोर्ट में चुनौती दी गई है। मामले में सीएम हेमंत सोरेन की ओर से ईडी के जवाब (प्रतिशपथ पत्र) पर प्रतिउत्तर दाखिल करने के लिए कोर्ट से समय देने का आग्रह किया। कोर्ट ने आग्रह स्वीकार करते हुए चार सप्ताह का समय हेमंत सोरेन को प्रदान किया। सीएम हेमंत सोरेन की ओर से ईडी द्वारा दर्ज शिकायतवाद को निरस्त करने का आग्रह हाई कोर्ट से किया गया है, जिसमें हेमंत सोरेन की ओर से कहा गया है कि ईडी के जिस समन पर नहीं गए थे, उसका

PHOTON NEWS RANCHI:

सीएम हेमंत सोरेन द्वारा समन की

अवहेलना के मामले में एमपी-

एमएलए कोर्ट में चल रहे मामले

को निरस्त करने का आग्रह करने

वाली याचिका की सुनवाई

उन्होंने जवाब दे दिया था। इसके

बाद वह समन लैप्स कर गया था।

नए समन पर हेमंत सोरेन के ईडी के समक्ष उपस्थित हुए थे और समन का अनुपालन किया था। ईडी ने दुर्भावना से प्रेरित होकर उन्हें बार- बार समन जारी किया था। दरअसल, ईडी की ओर से संबंध की अवहेलना मामले में शिकायतवाद सीजेएम कोर्ट में दाखिल की गई थी।

अब बीमारियां पैदा करने लगा धरती के भीतर का पानी

PHOTON NEWS RESEARCH DESK: हमारे पीने के पानी का मुख्य स्रोत धरती के अंदर का जल है। अगर इस पानी का नेचर बदलता है और इसमें प्रदूषकोन की मात्रा बढ़ती है, तो यह सेहत के लिए खतरनाक है। ऐसी ही स्थिति पैदा हो रही है और इससे निपटने का कारगर साधन हमारे पास नहीं है। हाल के विशेष अध्ययन में यह पाया गया है कि ग्राउंड वाटर में नाइट्रेट की मात्रा सीमा से अधिक होने की वजह से यह कई प्रकार की बीमारियां पैदा करने लगा है। भारत के 440 जिलों के भुजल में नाइट्रेट का स्तर सुरक्षित सीमा से अधिक पाया गया है। नाइट्रेट का उच्च स्तर गंभीर स्वास्थ्य समस्या पैदा कर रहा है।

सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड (सीजीडब्ल्यूबी) की वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट-2024 में इसका खुलासा किया है। रिपोर्ट बताती है कि पानी में नाइट्रेट प्रदूषण मुख्य रूप से नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों और पशु अपशिष्ट के अनुचित निपटान के कारण होता है। यह प्रदूषण पर्यावरण और

सार्वजनिक स्वास्थ्य दोनों के लिए हानिकारक है।

देश के ४४० पानी के जिलों के भू-९.०४ फीसद जल में नमूनों में पलोराइड नाइट्रेट का स्तर सुरक्षित का स्तर भी सीमा से पाया गया है

की वार्षिक भू-जल गुणवत्ता संबंधी रिपोर्ट में सच्चाई का हुआ

प्रदृषित पानी के कारण बढ़ रहे कैंसर और किडनी की खराबी के मामले, हड्डी और त्वचा से

जुड़े रोगों के मामलों

में भी हो रहा इजाफा

तमिलनाडू, कर्नाटक और राजस्थान में 40 फीसद से अधिक पानी के नमूने सुरक्षित सीमा

से अधिक पाए गए। महाराष्ट्र में पानी में नाइट्रेट के प्रदूषण की यह दर 35.74 फीसदी, तेलंगाना में २७ .४८ फीसदी, आंध्र प्रदेश में २३ .५ फीसदी और मध्य प्रदेश में 22.58 में भी उच्च स्तर तक दर्ज की गई। इसके उलट उत्तर प्रदेश, केरल, झारखंड और बिहार में पानी में नाइट्रेट प्रदूषण के कम मामले पाए गए। पूर्वोत्तर राज्यों जैसे अरुणाचल प्रदेश, असम, गोवा, मेघालय, मिजोरम और नगालैंड में सभी पानी के नमूने सुरक्षित सीमा के भीतर पाए गए। राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे राज्यों में नाइट्रेट का स्तर २०१५ से स्थिर बना हुआ है।

तुलनात्मक रूप से झारखंड और बिहार के जल में कम पाया गया नाइट्रेट प्रदूषण

नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों के अधिक प्रयोग की वजह से बढ़ रही समस्या

25% कुओं का अध्ययन

रिपोर्ट से यह जानकारी मिली है कि पानी के 9.04 फीसद नमूनों में फ्लोराइड का स्तर सुरक्षित सीमा से ज्यादा था, जबकि 3.55 फीसद में आर्सेनिक प्रदूषण पाया गया। सीजीडब्ल्यूबी ने मई 2023 में भारत भर के 15,259 जगहों पर भूजल की गुणवत्ता की निगरानी की। इनमें पानी के सबसे अधिक दूषित होने के खतरे वाले 25 फीसद कुओं का विस्तार से अध्ययन किया गया। यह कुएं भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) की तय सीमा 10,500 के अनुसार सबसे अधिक खतरे वाले स्थानों के तौर पर देखे गए।

तमिलनाडु, राजस्थान और कर्नाटक में ज्यादा प्रभाव

कोहरे के कारण एनएच पर बस और ट्रक में टक्कर, दो की मौत

बकोरिया के किसयाडीह मोड़ पर सुबह में हुई दुर्घटना, दोनों वाहनों के उड़े परखच्चे

जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र के बकोरिया के कसियाडीह मोड़ पर शक्रवार सबह 7.15 बजे घने कोहरे के कारण दर्दनाक घटना हो गई। जेपीएस यात्री बस और एक ट्रक में आमने-सामने की टक्कर हो गयी, जिससे टुक ड्राइवर और बस में सवार एक यात्री की मौत हो गई। गंभीर रूप से घायलों को नवजीवन हॉस्पिटल तुंबागड़ा में भर्ती कराया गया। बाद में वहां से छह यात्रियों की गंभीर स्थिति को देखते हुए रांची रिम्स बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया। 12 अन्य जख्मी

यात्रियों का इलाज स्थानीय स्तर पर

करने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया।

दुर्घटना की सूचना मिलने पर

बीडीओ सह सीओ कृष्ण मुरारी

तिर्की, प्रभारी थाना प्रभारी एसआई



घटनास्थल पर जुटी लोगों की भीड़

टुक ड्राइवर की पहचान उतर प्रदेश

के एटा जिले के कलुवा थाना

• फोटोन न्यूज विश्वनाथ कुमार राणा, सुधीर सिंह, अंतर्गत टोलो गांव निवासी पुष्पेंद्र कुमार (35) और सतबरवा थाना एसआई रामकुमार उपाध्याय, एएसआई राजीव रंजन, योगेश चंद्र क्षेत्र के मुक्ता गांव के रियायत मियां वोपाई, एएसआई गणेश मुंडा, बसंत (52) के रूप में हुई है। पुलिस ने महतो पुलिस जवानों के साथ दोनों शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौंप दिया है। घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से सभी यात्रियों बकोरिया के मो. अकबर, सबोध कुमार, विपिन रवि ने बताया कि को इलाज के लिए भेजा गया। मृत

साथ दुर्घटना स्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों के साथ मिलकर बस चालक को बाहर निकाला। चालक स्टेयरिंग में बुरी तरह फंसा हुआ था, उसे सबल के सहयोग से निकाला गया। ट्रक खलासी अंकित कुमार का पैर कटकर अलग हो गया था। रियासत मियां अपनी पत्नी के साथ ताबर गांव से सवार होकर रांची इलाज कराने जा रहे थे। पुलिस ने

प्रभारी थाना प्रभारी विश्वनाथ कुमार

के कारण बस और ट्रक मे जोरदार

के परखच्चे उड़ गये। दोनों ड्राइवर

राणा ने बताया कि अधिक कोहरा होने

टक्कर हुई। दुर्घटना के बाद दोनों वाहनों

वाहन में फंस गए थे, जिन्हें मुश्किल से

मौके पर मौत हुई। एक बस यात्री ने भी

बाहर निकाला गया। ट्रक ड्राइवर की

इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

बताया कि बस मेदिनीनगर से रांची की ओर जा रही थी। एक वाहन से ओवरटेक करने के दौरान सामने से आ रहे ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरातफरी का माहौल उत्पन्न हो गया। सवारियों में चीख पुकार मचने पर ग्रामीण दौड़कर घटनास्थल पर पहुंचे। एंबुलेंस के अभाव में टेंपो पर लादकर सभी घायलों को पुलिस की मदद से इलाज के लिए हॉस्पिटल भेजा गया। इस क्रम में दोनों ओर से करीब ढाई घंटे तक सड़क जाम रहा। सीओ सह बीडीओ कृष्ण मुरारी तिर्की ने हॉस्पिटल पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और गंभीर रूप से घायलों को सरकारी एंबुलेंस से रांची तथा डालटनगंज इलाज के



पीएलएफआई के ३ उग्रवादी गिरफ्तार

कर्रा. तोरपा. कमडारा जरियागढ आदि थानों में पुलिस के लिए परेशानी का सबब बन चुके उग्रवादी संगठन पीएलएफआई के तीन सक्रिय उग्रवादियों को पुलिस ने गुरुवार को जरियागढ़ थाना के बकसपुर जंगल से गिरफ्तार कर लिया। है। गिरफ्तार उग्रवादियों में कुख्यात प्रशांत कुमार उर्फ डब्लू, कमलेश गोप उर्फ लंबू और राम दयाल सिंह शामिल है। पकड़े गये उग्रवादियों के पास से एक देसी कट्टा, दो कारतूस, पीएलएफाआई के 14 पर्चे और चार मोबाइल बरामद किये गये हैं। यह जानकारी तोरपा के अनुमंडल पुलिस

पदाधिकारी खिस्टोफर केरकेट्टा ने अंजाम देने की फिराक में हैं और शुक्रवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। बताया गया कि प्रशांत कामडारा थाना क्षेत्र के कुली गांव का रहनेवाला है, जबिक कमलेश गोप बकसपुर किनुटोली और राम दयाल सिंह बड़का रेगरे गांव का रहने वाला है। उन्होंने बताया कि प्रशांत एक साल तक जेल में रहने के बाद हाल में जमानत पर बाहर है और उग्रवादी गतिविधियों में संलिप्त हो गया। एसडीपीओ ने बताया कि पलिस अधीक्षक अमन कुमार को गुप्त सचना मिली थी कि पीएलएफआई के कुछ उग्रवादी किसी घटना को

बकसपर जंगल में जमा हैं। सचना के आलोक में एसडीपीओ के नेतृत्व में पुलिस टीम का गठन कर जंगल में छापेमारी की गई और तीनों उग्रवादियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस टीम में एसडीपीओ के अलावा पुलिस निरीक्षक अशोक कुमार सिंह, जरियागढ़ के थाना प्रभारी राज् कुमार, रनिया के थाना प्रभारी विकास कुमार जयसवाल, कमडारा के थाना प्रभारी शशि कमार, कमडारा थाना के एसआई नीरज कुमार, जरियागढ़ थाना के एसआई मनीष कमार के अलावा

BRIEF NEWS

सीआरपीएफ ने शहीद वाल्टर गुड़िया को दी श्रद्धांजलि



KHUNTI: देश के लिए अपने प्राण देने वाले वाल्टर गुड़िया के शहादत दिवस के मौके पर सीआरपीएफ 94 बटालियन की ओर से उन्हें शुक्रवार को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बटालियन के उप कमांडेंट संतोष कुमार के ने तोरपा स्थित शहीद वाल्टर गुड़िया की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित किये। मौके पर उप कमांडेंट ने वीर नारी राहिल गुड़िया को शॉल और साड़ी देकर सम्मानित किया और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। मौके पर शहीद की पत्नी राहिल गुड़िया, उनके पुत्र विश गुड़िया, तोरपा के मुखिया जोन टोपनो, मार्शल मुंडू, सिंहत कई लोगों ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इसके पूर्व जीईएल चर्च दियांकेल के पादरी अमृत भेंगरा ने ईसाई रीति के अनुसार प्रार्थना की। इस संबंध में उप कमांडेंट ने बताया कि लोगों में देश भक्ति की भावना को बढ़ावा देने और देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देनेवाले शहीद नायकों की वीरता और बलिदान का सम्मान करने के लिए सीआरपीएफ इस तरह कार्यक्रमों का आयोजन करती है। उन्होंने बताया कि आज ही के दिन तीन जनवरी 1988 को पंजाब में तैनाती के दौरान नक्सिलयों से लोहा लेते हुए वाल्टर गुड़िया ने अपने प्राणों की आहुति दे दी थी।

जयपाल सिंह मुंडा की मनाई गई जयंती



LOHARDAGA: झारखंड आंदोलनकारी महासभा लोहरदगा जिला समिति के तत्वावधान में शुक्रवार को समाहरणालय के सामने युकेलिप्टस मैदान में जिलाध्यक्ष अश्विनी कुजूर की अध्यक्षता में जयपाल सिंह मुंडा की जयंती को आंदोलनकारी दिवस के रूप में मनाया गया। मुख्य अतिथि केन्द्रीय अध्यक्ष राजु महतो ने जयपाल सिंह मुंडा एवं शिक्षा क्रांति ज्योति सावित्री बाई फुले को नमन करते हुए कहा कि माता सावित्री बाई फुले एवं मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा राष्ट्रीय स्तर के समाजिक परिवर्तन के बुनियाद रखने वाले व्यक्तित्व का नाम है। उन्होंने कहा कि झारखंड आंदोलनकारियों के संघर्ष और कुर्बानियों से बना है। लेकिन आज आंदोलनकारियों को अपनी पहचान और हक की लडाई लडनी पड रही है। मौके पर अन्य लोगों ने भी अपने विचार व्यक्त किए इस अवसर पर बडी संख्या में लोग मौजुद थे।

लातेहार के १६,७८३ छात्र छात्राओं की छात्रवृत्ति स्वीकृत

घटना की जानकारी के बाद

एएसआई राजीव रंजन दल बल के



की अध्यक्षता में प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 में छात्रवृत्ति की स्वीकृति एवं अनुश्रवण के लिए जिला स्तरीय छात्रवृत्ति अनुमोदन व अनुश्रवण समिति की बैंठक हुई। इसमें समिति द्वारा प्री– मैट्रिक, प्राथमिक, मध्य एवं उच्च (वर्ग 1 से 10) के कुल 16,783 छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में उपायुक्त ने जिले के सभी सरकारी विद्यालय में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछडा वर्ग के छात्र-छात्राओं को शत प्रतिशत छात्रवृति योजना से लाभान्वित करने को लेकर दिशा– निर्देश दिया। बैठक में आइटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गागराई, जिला कल्याण पदाधिकारी अनिल कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक गौत्म साहू, जिला कोषागार पदाधिकारी निहारिका वर्मा, विशेष कार्य पदाधिकारी गोपनीय

भारता श्रेराभा आदि भी उपस्थित थे।

नकाबपोश अपराधियों ने की व्यवसायी के घर में डकैती बिरनी में शुक्रवार को सुबह में हुई घटना

जिले के बिरनी थाना क्षेत्र में शुक्रवार की अहले सुबह करीब तीन बजे हथियार बंद अपराधियों ने व्यवसायी सुरेश मोदी के घर धावा बोलकर डकैती की घटना को अंजाम दिया। घटना बिरनी के बिराजपुर चौक के समीप रहने वाले सुरेश मोदी और राजेश मोदी के घर पर हुई। मोदी बंधुओं के अनुसार सात की संख्या में आए नकाबपोश अपराधियों ने घर में घुसते ही गृह स्वामी सुरेश और उनके दोनों बेटे राजेश समेत घर की महिलाओं को पिस्तौल और धारदार हथियार का भय दिखाकर सबों को अपने कब्जे में किया। इस दौरान अपराधियों ने घर के एक एक कमरे को खंगाला, अलग अलग स्टील अलमारियों में रखे करीब आठ लाख के जेवर के



साथ दो लाख नगद रुपए लूट के बाद गृहस्वामी ने घर में हुए लिए। घटना को अंजाम देने के डकैती की जानकारी पड़ोसियों को क्रम में अपराधियों ने सुरेश, राजेश दिया। सुरेश के छोटे बेटे के और घर की महिलाओं के मोबाइल मोबाइल से घटना की जानकारी भी जब्त कर लिया। हालांकि सुरेश बिरनी थाना पुलिस और मोदी का छोटा बेटा अपने मोबाइल एसडीपीओ धनंजय राम को दिया बचाने में सफल रहा। अपराधी इस गया। मामले की जानकारी मिलते दौरान करीब 20 मिनट तक सुरेश ही एसडीपीओ धनंजय राम और मोदी और राजेश मोदी के घर पर अधिकारी बिराजपुर चौक पहुंचे तांडव मचाते रहे। और घटना को और पिता पुत्र से घटना की पूरी अंजाम देकर फरार हो गये । घटना

सहित लाखों के जेवरात की चोरी GIRIDIH : मफ्फिसिल थाना क्षेत्र के सिहाड़ीह में स्थित कमल ज्वेलर्स में बाते रात

गिरिडीह के कमल ज्वेलर्स से नकद

अपराधियों ने दुकान का शटर तोड़कर करीब दो लाख नकद सहित 15 लाख के सोने–चांदी के जेवरातों की चोरी की घटना को अंजाम दिया । शुक्रवार दोपहर जब कमल ज्वेलर्स दुकान के मालिक मनोज स्वर्णकार के बेटे सतीश स्वर्णकार दुकान खोलने पहुंचे तो देखा दुकान का शटर पूरी तरह से डेमेज है। नीचे के हिस्से को तोडकर अपराधी दुकान के भीतर घुसे और दुकान में रखा हुआ भारी भरकम आयरन चेस्ट गिराँ दिया। दुकानदार मनोज स्वर्णकार और सतीश स्वर्णकार के अनुसार तिजोरी तोड़कर उसमें रखे करीब १३ –१४ लाख रुपये की बेशकीमती सोने और चांदी के जेवरों की चोरी की है। जेवरों से भारी भरकम तिजोरी जमीन में गिराना एक दो लोगों के लिए संभव नहीं है। कई अपराधियों के जरिये घटना को अंजाम दिए जाने की बात दुकानदार के जरिये कही गयी । इसके अलावा दुकान के गल्ले में रखा करीब दो लाख नकद राशि भी चोर ले गये । घटना की जानकारी मिलने के बाद एसडीपीओ जीत वाहन और मुफ्फिसल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो घटनास्थल पहुंचकर मामले की जांच शुरू की है। पुलिस ने बताया कि अपराधियों तक पहुंचने के लिए फिंगर प्रिंट एक्सपर्ट का भी सहारा लिया जा रहा है



रणधीर का बलिदान देश का इतिहास है, भूला नहीं जा सकता : राज्यपाल



बलिदान दिवस के दौरान दाएं से झरिया विधायक रागिनी सिंह, प्रो. रीता वर्मा, राज्यपाल संतोष गंगवार, सांसद दीपक प्रकाश, सांसद ढुल्लू महतो और विधायक राज सिन्हा

DHANBAD : जब रीता वर्मा लोकसभा में चुन कर आई थीं तो रणधीर वर्मा की शहादत की कहानियां सुनी थी। उनका यह बलिदान याद करने लायक है और यह देश का इतिहास है। यह बातें राज्यपाल संतोष गंगवार ने शुक्रवार को रणधीर वर्मा चौक पर आयोजित बलिदानी रणधीर प्रसाद वर्मा के 34वें बलिदान दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि जब से इस प्रदेश में आया हुं, तब से आजादी के स्वतंत्रता सेनानियों की कहानियां सुनी है, जो महत्वपूर्ण हैं। देश के लिए बलिदान होने की बात को केवल सोच ही सकते हैं। उस दौर में काफी घटनाएं हुई थीं। देश को बचाने का जो काम हुआ वह यादगार है। रणधीर वर्मा के बलिदान को इतिहास में लिखा जाएगा। उनके इस समर्पण के मतलब को समझना होगा। उस वक़्त परे देश में आतंकवादी हावी थे। उन्हें रोकने का एक काम रणधीर वर्मा ने किया। असाधारण घटना के कारण उन्हें पहली बार भारत सरकार ने गैरसैनिक को अशोक चक्र से सम्मानित किया। इनके नाम पर डाक टिकट जारी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी बलिदानियों को राष्ट्र की प्रेरणा बताया है।

राशन डीलरों को मिलेगी ४-जी सुविधा निविदा की तैयारी : मंत्री

JAMTARA : प्रदेश में 2-जी नेटवर्क से चल रही खाद्य आपूर्ति अब 4-जी में बदलने जा रही है। के ई-पाश मशीनों की वजह से होने वाली चिकचिक से लाखों लोगों को जल्द ही राहत मिलने वाली है। प्रदेश के खाद्य आपूर्ति विभाग के मंत्री व जामताडा के विधायक इरफान अंसारी के निर्देश पर विभाग ने राशन डीलरों के लिए 4-जी ई-पोस मशीन की खरीदारी के लिए निविदा निकालने की तैयारी शरू कर दी है। मंत्री ने बताया कि सब कुछ ठीक रहा तो जनवरी के आखिर तक प्रदेश के लाखों लोगों को 2-जी ई-पोस मशीनों से हो रही दिक्कत से मक्ति मिल जाएगी। 4-जी नेटवर्क से ई-पोस मशीन के संचालन से लोगों को आसानी डीलरों के जरिए राशन उपलब्ध होगा और प्रदेश के लाखों परिवार को सहलियत मिलेगी।

पति व सास-ससुर किए गए गिरफ्तार

PHOTON NEWS PALAMU: दहेज की बलिवेदी पर एक और नवविवाहिता प्रिया कुमारी 21 वर्ष की जान दहेज लोलपों ने ले ली। साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव को साडी से टांग कर आत्महत्या का रूप दे दिया। घटना शहर थाना क्षेत्र के बैरिया की है, जहां शक्रवार की सुबह दहेज लोभियों ने घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने मृतक के पति मणिकांत तिवारी, सास अंजना तिवारी व संसर अरुण तिवारी को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में ननद राखी कमारी व भाई विवेक तिवारी को भी आरोपी बनाया गया है। मृतक के पिता पंडवा थाना क्षेत्र के कोकरसा निवासी अरुण दुबे ने बताया कि उन्होंने बीते 21 अप्रैल को अपने बेटी प्रिया की शादी पाटन थाना क्षेत्र के काला पहाड़ निवासी वर्तमान में बैरिया निवासी अरुण तिवारी के पुत्र मणिकांत तिवारी के • एक लाख रुपये, हार व अंगुटी नहीं देने पर दहेज लोलुपों की शिकार हुई आट माह की गर्भवती प्रिया



प्रिया की फाडल फोटो

साथ धूमधाम से की थी। अपने सामर्थ्य के अनसार दान-दहेज दिया था। लेकिन एक लाख रुपये, एक हार व अंगुठी की मांग पुरी नहीं कर सके थे। उन्होंने आर्थिक स्थिति में सधार होने पर देने की बात कही थी, लेकिन इसको लेकर उनकी बेटी को ससुराल के लोग प्रताड़ित करते थे। उनकी बेटी

आठ माह की गर्भवती थी। दो जनवरी को भी ससुराल वालों ने उनकी बेटी के साथ मारपीट की थी। इसकी सचना मिलने पर उन्होंने अपने दूसरे दामाद बमशंकर तिवारी व नाती रौशन दुबे को भेजा था। उनलोगों ने प्रिया को विदा करने के लिए कहा, लेकिन रात एक बजे तक उनलोगों ने प्रिया को विदा नहीं किया। शुक्रवार की सुबह में नौ बजे जब दोनों प्रिया के घर पहुंचे, तो प्रिया को साड़ी के फंदे के सहारे लटका पाया। उसके बाद उसके शव को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज-अस्पताल लाया गया। बाद में सामाजिक दबाव में मणिकांत तिवारी, अंजना तिवारी व अरुण तिवारी भी वहां पहुंचे, जहां से पलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर लिया। अस्पताल में ही अरुण दुबे के बयान पर शहर थाना में मामला

खंखडा और लोहगोढ़वा में हाथियों ने मचाई तबाही, कई घरों को नुकसान पहुंचाने के साथ फसलों को रौंदा, घर में रखा अनाज भी खा गए

गोमिया में आधी रात को हाथियों का हमला, ढहाए घर, दहशत

PHOTON NEWS GOMIA:

बेरमो कोयलांचल के गोमिया प्रखंड स्थित सुदुरवर्ती क्षेत्रों में पिछले एक सप्ताह से हाथियों का कहर जारी है। हाथियों का झुंड लगातार लोगों के कच्चे घरों को ढहाने के साथ आलु व अन्य सब्जियों की फसलों को खाने के साथ रौंद रहा है, लेकिन वन विभाग और स्थानीय जनप्रतिनिधियों की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। इसका नतीजा है कि ग्रामीणों क्षेत्रों के गरीब लोग लगातार इसकी चपेट में आ रहे हैं। गुरुवार रात को भी लुगू पहाड़ की तलहटी पर बसी कुंदा पंचायत के ग्राम खंखडा और लोहगोढ़वा में हाथियों ने भारी तबाही मचाई। दस-बारह की संख्या में आए हाथियों के झुंड ने लावालौंग के लोहगोढ़वा में बिरेंद्र महतो के खेत में लगी आलू की फसल को नष्ट कर दिया। वहीं दीवार तोड़कर घर के अंदर रखे

एक सप्ताह से गोमिया के गांवों में तबाही मचा रहे हाथी, विभाग बेखबर घटना की सूचना पाकर उप प्रमुख



इन फसलों को हाथियों ने रौंदा

आधी रात में हाथियों की आहट से जान बचा भागे

किसानों ने बताया कि हाथियों का झुंड दिन में जंगलों में आराम करता है, तो शाम ढलते ही आबादी क्षेत्र की ओर आने लगता है। पिछले कुछ दिनों से हाथियों द्वारा किए गए हमलों को लेकर ग्रामीण क्षेत्र के लोगों में दहशत है। कड़ाके की ठंड में भी वे रात में पहरेदारी करने को मजबूर हैं। किसान अरविंद तुरी, घुनू महतो ने बताया कि रात 12 बजे के करीब हाथियों के आने की आहट सुनाई दी। घर में वे बच्चों व पूरे परिवार के साथ सो रहे थे। लेकिन हाथियों के शोर के बाद लोगों ने मुश्किल से घर से निकलकर भाग कर जान बचाई। हाथियों ने घर और दीवार को ढहा दिया और घर में रखे पूरे अनाज को खा गए। किसानों ने बताया कि बड़ी मुश्किल से किसानों ने खेती की थी लेकिन हाथियों के झुंड ने फसलों को रौंदकर पूरी मेहनत पर पानी फेर दिया। गनीमत रही कि हाथियों ने जान माल का नुकसान नहीं पहुंचाया।

धान को खा गए। वहीं ग्राम खंखडा धुनू महतो के घर को ही ढहा दिया में अरविंद तुरी की चारदीवारी और और घर के अंदर रखे अनाज खा

गए नुकसान की क्षतिपूर्ति की की है। दें कि पिछले लगभग एक सप्ताह से हाथियों का झूंड महुआटांड थाना क्षेत्र के आस-पास आतंक मचा रहा है। पिछले एक सप्ताह में हाथियों के झूंड ने एक दर्जन से अधिक लोगों के घरों को नकसान पहुंचाया है, जबकि तीन दर्जन से अधिक लोगों के खेतों में फसलों को रौंद डाला है। बता दें कि हर वर्ष यहां के ग्रामीण व किसान जंगली हाथियों के कहर से जूझते रहे हैं। पिछले एक साल में हाथियों ने सिर्फ गोमिया में ही चार लोगों की जान ले ली, वहां एक सौ से अधिक लोगों के घरों को नुकसान पहुंचाने के साथ फसलों को बर्बाद कर दिया, साथ ही घर में रखे अनाज भी हाथी खा जाते।

अनिल कुमार महतो, मुखिया आदित्य

नुकसान का जायजा लिया। इसकी

सूचना वन विभाग को दी। हाथियों

द्वारा किसानों और ग्रामीणों को किए

महतो खंखडा पहुंचे और

गए। इसके साथ चुरण महतो, नान्हू महतो, मुटर महतो, कालेश्वर



अनाज वाले कमरे में सोने से बचें : वन विभाग

वन विभाग के कर्मियों ने बताया कि हाथी भगाओ दल को मौके पर भेजा जाता है। दल हाथियों को भगाने का प्रयास करता है। इसके साथ ही उन्होंने पीड़ित लोगों से आवेदन करने की अपील की है ताकि उन्हें नुकसान का आकलन कर क्षतिपूर्ति दिलाई जा सके। वन विभाग के कर्मियों ने लोगों से अपील की है कि घरों में जिस कमरे में वे धान या अनाज रख रहे हैं, वहां वे सोने से बचें। हाथियों द्वारा अक्सर उन्हीं कमरों में हमला किया जाता है जहां अनाज रखा होता है।

महतो, विशनु महतो, श्रवन महतो, गुलाबचंद तुरी आदि के खेतों में भी

भारी तबाही मचाई और आलू की फसल को पूरी तरह से रौंद डाला।

ससुराल में रहते हुए कर रहा था साइबर टगी, दो धराए

JAMTARA : दुमका जिला के मसलिया थाना क्षेत्र के बेदियाचक का रहने वाला ताहिर अंसारी करमाटांड़ के नवाडीह गांव स्थित अपनी संसुराल में रहकर साइबर ठगी कर रहा था। इस काम में उसके साथ अन्य कई शातिर शामिल थे। जामताड़ा साइबर थाने की पुलिस ने गुरुवार देर शाम छापेमारी कर ताहिर और करमाटांड़ थाना क्षेत्र के केंद्रआटांड़ के रहने वाले मुजाहिद अंसारी को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने आरोपियों के पास से एक आई फोन-14प्रो समेत 16 मोबाइल, 28 फर्जी सिम कार्ड व लैपटाप बरामद किया है। इस बात की जानकारी शुक्रवार शाम प्रेस कांफ्रेंस के दौरान मुख्यालय डीएसपी चंद्रशेखर ने दी। डीएसपी ने बताया कि ये शातिर गुगल पर विभिन्न ई-कामर्स कंपनियों, ई-पेमेंट कंपनियों व उपभोक्ता सामग्री कंपनियों के कस्टमेयर केयर नंबर

आरोपियों के पास से एक आई फोन-14प्रो समेत 16 मोबाइल, 28 फर्जी सिम कार्ड व लैपटॉप बरामद

के रूप में अपना फर्जी मोबाइल नंबर दर्ज कर लोगों का ठगी का शिकार बना रहे थे। उपभोक्ताओं का कॉल आते ही उनकी समस्याओं के निपटारे के नाम पर उन्हें मोबाइल पर ये शातिर क्विक सपोर्ट व एनी डेस्क एप अपलोड करने की सलाह देते थे और उनका स्क्रीन शेयर कर डिटेल्स हासिल कर उन्हें ठगी का शिकार बनाते थे। दोनों ही आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। इन शातिरों के निशाने पर इन दिनों पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र व ओडिशा के लोग थे। इनके पास से बरामद फर्जी सिम भी ओडिशा समेत अन्य राज्यों के हैं।





हेमंत ने दिया

है निर्देश







O BRIEF NEWS

रिम्स में डाउन हो गया सर्वर जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र का नहीं लिया गया आवेदन

RANCHI: शुक्रवार को राज्य के सबसे बड़े सरकारी हॉस्पिटल रिम्स में सर्वर डाउन हो गया। जिससे कि जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए आवेदन नहीं लिया गया। ऐसे में सैंकडों लोग सबह से शाम तक काउंटर पर इंतजार करते रहे। लेकिन, सर्वर एक्टिव नहीं हुआ। इसके बाद लोग निराश होकर लौट गए। इस दौरान सबसे ज्यादा परेशानी दूसरे शहर से आने वाले लोगों को झेलनी पड़ी। आवेदन जमा नहीं होने से वे परेशान रहे। कई लोग तो अपने घर लौट गए। बता दें कि रिम्स में जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र निर्धारित काउंटरों पर आवेदन देकर बनवाया जाता है। वहीं कई लोगों के एलआईसी का क्लेम भी होता है। लेकिन, सर्वर फेल रहने के कारण काउंटर पर कोई काम नहीं हो सका।

11 जनवरी को झासा के डेंटल विंग की होगी कॉन्फ्रेंस

RANCHI: झारखंड स्टेट हेल्थ सर्विस एसोसिएशन (झासा) के डेंटल विंग द्वारा राज्य में पहली बार डेंटिस्टस की कॉन्फ्रेंस होगी। यह कांफ्रेंस 11 जनवरी को रांची स्थित आईएमए हॉल में होगी। झासा डेंटल विंग के राज्य उपाध्यक्ष सह डेंटल कांफ्रेंस आयोजन समिति के अध्यक्ष डॉ शरद कुमार ने बताया कि इस सम्मेलन में झारखंड राज्य के सभी सरकारी संस्थानों में नियमित और अनुबंध रूप से कार्यरत लगभग 250 डेंटल एक्सपर्ट्स को बुलाया गया है। मुख्य अतिथि के रूप में राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी होंगे। अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अभियान निदेशक अबू इमरान, विभागीय संयुक्त सचिव विद्यानंद शर्मा पंकज, ललित मोहन शुक्ला, निदेशक प्रमुख स्वास्थ्य सेवाएं चंद्र किशोर शाही और अन्य अतिथि कार्यक्रम में शामिल होंगे।

जयपाल सिंह मुंडा ने अलग झारखंड राज्य के लिए किया संघर्ष : वरुण साहू

RANCHI: शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी, रांची महानगर ने झारखंड आंदोलन के महानायक मरांग गोमके जयपाल सिंह मंडा की जयंती धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर भाजपा के सैकडों कार्यकर्ता महानगर अध्यक्ष वरुण साह के नेतृत्व में रांची स्थित जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम पहुंचे। यहां जयपाल सिंह मुंडा की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस कार्यक्रम में पार्टी के कार्यकर्ता और नेता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। पुष्पांजलि के बाद कार्यकताओं को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि मरांग गोमके जयपाल सिंह मंडा का योगदान झारखंड राज्य के निर्माण में अत्यंत महत्वपूर्ण था। उन्होंने अपने नेतृत्व में झारखंड अलग राज्य के लिए संघर्ष किया। उसी संघर्ष का परिणाम था कि आज झारखंड एक स्वतंत्र राज्य के रूप में अस्तित्व में है। साहू ने यह भी कहा कि संविधान सभा के सदस्य रहते हए उन्होंने समाज के पिछडे और दबे-कुचले वर्गों के लिए संविधान में विशेष अधिकार दिलवाए जो उनके अद्वितीय योगदान को दशार्ता है।

जल्द ही सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल बनेगा रांची सदर अस्पताल

रिम्स में मरीजों का बोझ लगातार बढ़ता जा रहा है। इस कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में सदर हॉस्पिटल प्रबंधन ने विशेष रूप से तैयारी शुरू कर दी है। वहीं सदर हॉस्पिटल को भी सुपरस्पेशलिटी बनाने को लेकर प्रबंधन ने कदम बढा दिया है, ताकि गंभीर मरीजों का सदर में इलाज हो सके। इससे रिम्स पर

मरीजों का लोड कम होगा। 3 महीने के अंदर सदर में न्यूरो सर्जरी, न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और पल्मोनरी डिपार्टमेंट के अलावा डेंटल के एक्सपर्ट्स ज्वाइन करेंगे। वेंटिलेटर से लैंस आईसीयू की सुविधा भी मरीजों को जल्द मिलने लगेगी। बता दें कि राज्य सरकार ने फैसला किया है कि रिम्स में जिन मरीजों का सफल इलाज हो चुका है और जिन्हें अब केवल उचित नर्सिंग और देखभाल की जरूरत है, उन्हें सदर अस्पताल में शिफ्ट किया जाएगा। इसके अलावा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मेडिकल कॉलेज, डिस्टिक्ट हॉस्पिटल को

मिलाकर हेल्थ सर्किट बनाने का भी

निर्देश दिया है।

रोगियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तत्पर हुआ प्रबंधन सभी विभागों में विशेषज्ञ डॉक्टर करेंगे ज्वाइन, मरीजों को मिलेगी राहत

कॉलेज और सदर अस्पताल, राँची 🛧 डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल को मिलाकर हेल्थ सर्किट बनाने का मुख्यमंत्री

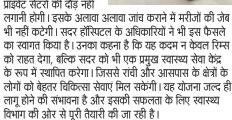
वेंटिलेटर से लैस होगा आईसीय

सदर को अब इस योजना के तहत एक प्रमुख स्वास्थ्य केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि हॉस्पिटल में इलाज के लिए सभी आवश्यक सुविधाएं और व्यवस्था सनिश्चित की जाएंगी ताकि मरीजों को बेहतर इलाज एक ही छत के नीचे मिल सके। एक फ्लॉर पर आईसीयू विंग होगा। जहां पर अधिकतर बेड वेंटिलेटर से लैस होंगे। इससे गंभीर मरीजों को किसी और हॉस्पिटल में रेफर नहीं करना होगा। हार्ट, न्यूरो के डॉक्टर होंगे तो मरीजों को केवल रिम्स पर निर्भर नहीं रहना होगा।

मार्च से सीटी स्कैन की सुविधा

हॉस्पिटल में सीटी स्कैन लगाने का काम तेज कर दिया गया है। जनवरी के अंत तक मशीन इंस्टालेशन का काम पूरा हो जाएगा।

इसके बाद मशीन का ट्रायल व सर्टिफिकेशन की प्रक्रिया परी कर ली जाएगी। वहीं फरवरी से मरीजों को सीटी स्कैन की सुविधा मिलने लगेगी। जिससे सस्ते दर पर मरीजों का सीटी स्कैन हो सकेगा। वहीं टेस्ट के लिए प्राइवेट सेंटरों की दौड नहीं





एक हजार मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। ऐसे में सुविधाएं जब बढ़ेगी तो मरीजों का लोड भी बढ़ जाएगा। सदर हॉस्पिटल के डिप्टी सुप्रिटेंडेंट डॉ बिमलेश सिंह ने कहा कि हमलोग 2 से 3 महीने में बड़ा बदलाव करने जा रहे है। डॉक्टरों की ज्वाइनिंग के बाद हम सपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल की ओर कदम बढ़ा देंगे। मरीज राज्य भर से इलाज के लिए मरीज आएंगे। रिम्स का लोड कम होगा।

रोगियों का लोड भी होगा कम

रिम्स में जिन विभागों पर मरीजों का बोझ अत्यधिक है, जैसे कि जनरल मेडिसिन, मुहैया कराई जाएगी । बता दें

एक अधिकारी ने बताया कि



फोटोन एक्सक्लूसिव : जनवरी-अक्टूबर २०२४ तक ९०४ मामले सामने आए

झारखंड में दहेज के लिए हर दिन प्रताडित की जा रहीं तीन महिलाएं

SUHAIB ANSARI @RANCHI झारखंड में राज्य की बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। वह किसी न किसी रूप में प्रताड़ित हो रही हैं। सख्त कानून के बावजूद घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रहीं। दहेज के लिए महिलाओं की हत्या के आंकड़े लगातार बढ़ रहे हैं। झारखंड में जनवरी से लेकर अक्टूबी 2024 तक दहेज के लिए 142 महिलाओं को मार डाला गया। वहीं सैंकड़ों महिलाओं को बेबस कानून का सहारा लेना पड़ा। राज्य में जनवरी से लेकर अक्टूबर 2024 तक दहेज प्रताड़ना के 904 केस दर्ज किए गए। मतलब दहेज के लिए हर दिन 3 महिलाओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। सबसे ज्यादा केस जन में दर्ज किए गए। इस महीने 204 महिलाओं ने दहेज प्रताडना का मामला दर्ज कराया। वहीं सबसे कम मामले जुलाई में सामने आई। इस महीने 41 महिलाओं को दहेज के लिए प्रताड़ित किया गया।

सख्त कानून के बावजूद रुकने का नाम नहीं ले रहीं घटनाएं

🗨 जून में सबसे ज्यादा वारदात इस महीने 206 महिलाओं को किया गया प्रताडित

● जुलाई में सबसे कम 41 विवाहिताओं को दहेज लोभियों ने किया टॉर्चर

• भारतीय समाज के लिए अभिशाप बन गई है दहेज ● बीएनएस की धारा 85 के तहत हो सकती है दो साल

क्या है सजा का प्रावधान

दहेज हत्या को लेकर बीएनएस की धारा ८० (पूर्व में आईपीसी की धारा 304बी) होती है। बीएनएस की धारा 80 कहती है कि अगर दहेज हत्या में कोई दोषी पाया जाता है, तो उसे कम से कम सात साल की जेल हो सकती है। इसे उम्रकैद तक भी बढ़ाया जा सकता है। साथ ही जमार्ना भी लगाया जा सकता है। जबिक प्रताड़ना के मामले में बीएनएस की धारा ८५ (पूर्व में आईपीसी की धारा ४९८एँ) के तहत सजा का प्रावधान है। यह धारा महिलाओं पर उसके पति और रिश्तेदारों के द्वारा क्रूरता व दहेज मांगने पर लागू होता है। शारीरिक क्ररता में महिला से मारपीट करना



प्रताडित करना, ताने मारना, तंग करना जैसे बर्ताव शामिल हैं। इसके अलावा १९६१ से दहेज निषेध कानून भी है। ये आईपीसी की धारा ४९८ए का ही विस्तृत रूप है। इस कानून के अगर कोई दोषी पाया जाता हैं, तो उसे दो साल तक की जेल हो सकती है। साथ ही १० हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया जा सकता है।

वेंडिंग जोन 2 व 3 के निर्माण को लेकर जवाब दाखिल करे निगम

PHOTON NEWS RANCHI:

मोरहाबादी मैदान से हटाए गए फुटपाथ दुकानदारों की ओर से दायर और अवमानना याचिका पर शुक्रवार को झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में कोर्ट के आदेश के आलोक में रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री कोर्ट में सशरीर हाजिर हुए। उनकी ओर से कोर्ट को बताया गया कि वेंडिंग जोन1 में बहुत सारे मकान बने हुए हैं। इन्हें खाली करने में कानूनी अड़चन है। ऐसे में वेंडिंग जोन 1 के लिए दुसरा वैकल्पिक साइट देखा गया है। इस साइट को लेकर रांची नगर निगम भी सहमत है। कोर्ट ने प्रार्थी एवं रांची नगर निगम को वेंडिंग जोन 1 के वैकल्पिक साइट के संबंध में अपना जवाब दाखिल करने को कहा है। दूसरी और वेंडिंग जोन 2 एवं 3 के संबंध में प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि इसके निर्माण कार्य में कोई प्रगति नहीं है, जिस पर कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए 5 मार्च तक रांची नगर निगम को वेंडिंग जोन 2 एवं 3 के निर्माण के संबंध में अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि वेंडिंग जोन 2 एवं 3 के निर्माण कार्य के प्रोग्रेस जानने के संबंध में जरूरत पडने पर कोर्ट एडवोकेट कमिश्नर भी नियुक्त कर सकती है। अगली सुनवाई 7 मार्च को होगी।

• झारखंड हाईकोर्ट में हटाए गए फुटपाथ दुकानदारों की याचिका पर हुई सुनवाई

रांची डीसी हाई कोर्ट में हुए हाजिर, कहा– जोन १ के लिए देखी गई है वैकल्पिक जगह



निलंबित आईएएस पुजा सिंघल के मामले में ईडी से मांगा जवाब

मनरेगा घोटाले मामले में आरोपी निलंबित आईएएस पूजा सिंघल की ओर से अभियान स्वींकृति नहीं मिलने का हवाला देते हुए उनके खिलाफ दर्ज केस को निरस्त करने को लेकर दायर याचिका की सुनवाई झारखंड हाईकोर्ट में हुई। मामले में कोर्ट ने ईडी को 4 सप्ताह में जवाब दाखिल करने का समय प्रदान किया। इससे पूर्व प्रार्थी की ओर से कोर्ट को बताया गया कि किसी सरकारी अधिकारी के खिलाफ आपराधिक केस चलाने के लिए सीआरपीसी की धारा १९७ के तहत अभियोजन स्वीकृति आदेश लेना जरूरी है लेकिन ईडी की ओर से ऐसा नहीं किया गया है इसलिए मनरेगा घोटाला मामला में उनके खिलाफ दर्ज केस को निरस्त किया जाए।

किसानों की ऋण माफी में आ विगम क्षेत्र में टंड से रहीं अङ्चनों को दूर करें बैंक

शुक्रवार को कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने चान्हों क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान बैंक शाखा की कमी को लेकर उन्होंने चिंता व्यक्त की। उन्होंने पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में क्षेत्र के लोगों के साथ बैंक से संबंधित परेशानियों को लेकर एक बैठक की। इसमें राज्य सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाई जा रही 2 लाख रुपये तक की ऋण माफी योजना में आ रही अड़चनों पर भी चर्चा की। उन्होंने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों को केवाईसी प्रक्रिया में आने वाली समस्याओं को शीघ्र हल किया जाए। उन्होंने कहा कि पीएनबी में कृषि मंत्री शिल्पी ने लोगों के साथ की बैठक

एक गंभीर समस्या है दहेज प्रथा

भारतीय समाज में दहेज एक गंभीर समस्या है। दहेज परंपरा महिलाओं के लिए

अभिशाप से कम नहीं है। दहेज के लिए हो रही हत्याएं के मामले आए दिन

सुनने को मिलते रहते हैं। झारखंड पुलिस के आंकड़े भी अब इसकी गवाही दे

रहें हैं। इसे रोकने के लिए सख्त कॉनून भी बनाए गए हैं। अगर किसी महिला

की शादी के 7 साल के अंदर उसकी असामान्यन मौत हो जाती है, तो यह दहेज

मर्डर माना जाता है। इसमें सात साल से लेकर उम्रकैद तक की जेल हो सकती

है। इतने सख्त कानून के बावजूद ऐसी घटनाओं पर लगाम नहीं लग रही है।



बैठक करतीं कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की। केवाईसी न होने के कारण क्षेत्र के लोग सरकार की ऋण माफी योजना का लाभ समय पर नहीं उठा पा रहे है। कृषि मंत्री ने बैंक अधिकारियों से यह भी अनुरोध किया कि चान्हों क्षेत्र में बैंक शाखा की संख्या बढ़ाई जाए, ताकि

ग्रामीणों दूर न जाना पड़े। शिल्पी नेहा तिर्की ने चान्हो प्रखंड के रघुनाथपुर पंचायत में जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरण भी किया। उन्होंने कहा कि ठंड के इस मौसम में लोगों की मदद के लिए यह एक छोटा सा प्रयास था।

बचाव के लिए जरूरतमंदों में बांटे जा रहे कंबल

शामिल है। मानसिक क्रूरता में उसे

RANCHI: रांची नगर निगम क्षेत्र में बढ़ती ठंड को देखते हुए नगर आयुक्त के निर्देश पर शुक्रवार से कंबल वितरण अभियान तेज कर दिया गया है। गरीबी रेखा से नीचे जीवन बसर कर रहे लोगों को ठंड से बचाने के उद्देश्य से यह वितरण कार्य वार्डवार किया जा रहा है। इस अभियान में वार्ड सुपरवाइजर, सामदायिक संगठनकर्ता, नगर प्रबंधक, नगर अभियान प्रबंधक और सहायक प्रशासक को जिम्मेवारी सौंपी गई हैं। वार्ड नंबर 45, 40, 11, 15, 30, 29, 37 सहित कई अन्य क्षेत्रों में कंबल का वितरण किया गया। कंबल वितरण के इस कार्य में नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी स्थानीय लोगों को कंबल बांटते दिखे।

एनआइए न नक्सली नीरज सिंह खेरवार व रंथू उरांव से की पूछताछ

झारखंड में नक्सलियों के गतिविधियों पर लगाम कसने के लिए नेशनल इन्वेस्टीगेशन एजेंसी (एनआईए) लगातार कोशिश कर रही है। कई कुख्यात नक्सलियों से एनआईए राज उगलवा चुकी है। इसी क्रम में लोहरदगा से हथियार बरामदगी मामले में एनआईआई ने कार्रवाई की। कुख्यात नक्सली नीरज सिंह खेरवार और रंथू उरांव से पूछताछ के दौरान राज उगलवाया है। जांच एजेंसी की कार्रवाई में यह पता चला है कि इस हथियार बरामदगी मामले में नीरज की अहम भूमिका थी। एनआईए ने नीरज से इस घटना में शामिल उसके

🗕 लोहरदगा से जांच एजेंसी ने बरामद किए थे हथियार नीरज की थी अहम भूमिका



बारे में विस्तत जानकारी हासिल की है। एनआईए ने रंथू उरांव से भी इस मामले में उसकी भूमिका और घटना को अंजाम देने में सहयोग करने वाले अन्य नक्सलियों के बारे में पूछताछ की। एनआईए को इस जांच से

नीरज हजारीबाग ओपेन जेल और रंथू होटवार में है बंद

बता दें कि पलामू जिले का रहने वाला नीरज सिंह खेरवार संगठन में पूर्व में जोनल कमेटी मेंबर के पद पर था। वर्तमान में वह हजारीबाग ओपेन जेल में बंद है। गुमला जिले का रहने वाला रंथू उरांव संगठन में सब जोनल कमेटी मेंबर था। उसे गुमला पुलिस ने बीते साल दो अक्टूबर को गिरफ्तार किया था। वह रांची के होठवा जेल में बंद है।

नक्सली संगठन के नेटवर्क और हथियारों की आपर्ति के चैनलों के बारे में महत्वपर्ण जानकारी मिल सकती है। इससे सुरक्षा एजेंसियों को नक्सलवाद के खिलाफ अपनी रणनीति को और मजबूत करने में मदद मिलेगी।

दुखद : अब बकाया बिल को लेकर मेदांता ने रोका शव

कम नहीं हो रही प्राइवेट हॉस्पिटलों की मनमानी

प्राइवेट हॉस्पिटलों की मनमानी कम होने का नाम नहीं ले रही है। पहले तो मनमाना बिल और फिर बकाया बिल को लेकर शव रोकने से भी बाज नहीं आ रहे हैं, जबिक स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने प्राइवेट हॉस्पिटलों को स्पष्ट निर्देश दिया है कि बकाया बिल के लिए शव को नहीं रोका जाएगा। इसके बावजूद मेदांता हॉस्पिटल ने शुक्रवार को एक शव को रोक लिया। इसकी सूचना जब स्वास्थ्य मंत्री को मिली तो उनकी पहल पर शव परिजनों को सौंपा गया। लेकिन, सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या हर बार प्राइवेट हॉस्पिटलों से परिजनों को शव दिलाने के लिए स्वास्थ्य मंत्री को आगे आना होगा। मेदांता अस्पताल में पिंदू कुमार को इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। लेकिन, शुक्रवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इसके बाद हॉस्पिटल शव देने को तैयार नहीं था। प्रबंधन का कहना था कि बिना बिल चुकाए परिजनों को शव नहीं दिया जाएगा। मृतक के परिजनों से 40,485 रुपये का बिल चुकाने को कहा गया। मामला स्वास्थ्य मंत्री तक पहुंचा तो अस्पताल से संपर्क किया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

तीनों मामलों में स्वास्थ्य मंत्री डरफान की पहल के बाद परिजनों को सौंपी गर्ड डेड बॉडी बकाया बिल के लिए शव नहीं रोकने का मंत्री ने प्राइवेट अस्पतालों को दिया है निर्देश

पारस अस्पताल ने भी रोका था शव

पारस अस्पताल में भर्ती बंडासिंगा के मरीज केदार साव की 30 दिसंबर सोमवार को सुबह मौत हो गई थी। अस्पताल ने शव सौंपने के लिए १ लाख ६० हजार रुपये का बकाया भुगतान मांगा था, जबिक मृतक के परिजनों ने पहले ही ७ लाख रुपये चुका दिए थे। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री के प्रतिनिधि मोबिन अंसारी ने अस्पताल पहुंचकर प्रबंधन से बात की और शंव को परिजनों को सौंप दिया गया।



ऐसी कोई जानकारी नहीं है। चूंकि हॉस्पिटल का पार्ट ऑपरेशन टीम देखती है। अगर कोई जानकारी मिलेगी, तो मामले को - **जगमोहन दास**, पीआरओ, मेदांता हॉस्पिटल

५० हजार के लिए मेडिका ने शव रोका मेडिका अस्पताल में इलाज के दौरान

एक मरीज की मौत हो गई थी। परिजनों ने एक दिन पहले ही 2 लाख ३० हजार का भुगतान किया था। इसके बाद हॉस्पिटल ने रात भर में 50 हजार का बिल बना दिया। सुबह उसकी मौत के बाद परिजनों से बकाया जमा करने को कहा गया। लेकिन, परिजन पैसे जमा कराने में असमर्थे थे। प्रबंधन बकाया भुगतान पर अडा था। इसके बाद स्वास्थ्य मंत्री ने खुद पहल की। उनके प्रतिनिधि ने पहुंचकर सिविल सर्जन से प्रबंधन की बात कराई। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

निलंबित आईएएस छाव रंजन के मामले में ईडी से मांगा जवाब

सहयोगियों और अन्य नक्सलियों के

RANCHI: झारखंड हाईकोर्ट में शुक्रवार को बरियातू रोड स्थित सेना की कब्जे वाली 4.55 एकड़ जमीन की अवैध खरीद-बिक्री मामले में जेल में बंद निलंबित आईएएस अधिकारी छवि रंजन की ओर से रांची की निचली अदालत के संज्ञान आदेश को चुनौती देने वाली याचिका की सुनवाई हुई। मामले में हाई कोर्ट ने ईडी से चार सप्ताह में जवाब मांगा है। मामले में छवि रंजन की ओर से ईडी कोर्ट के जरिए लिए गए संज्ञान आदेश को चुनौती देते हुए केस को निरस्त करने का आग्रह किया गया है। साथ ही छवि रंजन की ओर से अपनी गिरफ्तारी को भी अवैध बताया गया है। दरअसल, बरियातु में सेना की जमीन के कागजात की हेराफेरी मामले में रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन को ईडी टीम ने चार मई, 2023 को गिरफ्तार किया था।

म्यूटेशन के लंबित मामलों को करें निष्पादित : आयुक्त



अधिकारियों के साथ बैठक करते आयुक्त। **PHOTON NEWS RANCHI:**

• फोटोन न्यूज

शुक्रवार को प्रमंडलीय आयुक्त अंजनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के सभी जिलों के राजस्व विभाग के कार्यों से संबंधित एक समीक्षा बैठक हुई। इसमें प्रमंडल के अपर समाहर्ता, भूमि सुधार उप समाहर्ता, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान राजस्व से संबंधित मुद्दों और विभागीय कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। इसके अलावा दाखिल खारिज

और म्यूटेशन के लंबित मामलों की स्थिति की समीक्षा की गई। आयुक्त ने निर्देश दिया कि 90 दिन और 30 दिनों से अधिक समय से लंबित म्युटेशन मामलों को तत्काल प्रभाव से निष्पादित किया जाए। साथ ही रिजेक्ट किए गए आवेदनों के कारणों को स्पष्ट करने का आदेश दिया गया। उन्होंने यह भी सुनिश्चित किया कि सभी अपर समाहर्ता अपने-अपने प्रखंडों में अत्यधिक लंबित दाखिल-खारिज मामलों की समीक्षा करें और समय-समय पर इसकी निगरानी करें।

गोपालपुर के बंद घर से चोरी मामले में

एक धराया, चुराए गए सामान बरामद

GHATSILA: घाटशिला थाना क्षेत्र के गोपालपुर गांव में दो दिन पूर्व बंद घर रे

चोरी हुए सामान सहित एक युवक को गृहस्वामी सीआरपीएफ जवान ने पड़कर

घाटशिला पुलिस के हवाले किया। घर में रखा पलंग, ड्रेसिंग टेबल सहित अन्य

सीआरपीएफ जवान कृष्णु राय ने बताया कि गुरुवार को घर पहुंच कर चोरी के

ने मिलकर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। कई सामान अभी भी घर में रखा

हुआ है। जानकारी मिलने पर घाटशिला थाना प्रभारी मधुसूदन दे को जानकारी दी

छापेमारी कर युवक को हिरासत में लिया एवं घर में रखे पलंग सहित अन्य सामान

पुलिस ने जब्त कर लिया। इस संबंध में थाना प्रभारी ने बताया कि अभी कार्रवाई चल

उ रही है। इसमें कई युवक शामिल हैं तथा कई जगह चोरी का सामान बेचा है। सभी

सामान की रिकवरी करने के बाद मामले का खुलासा किया जाएगा। अभी कुछ भी

वायरिंग का तार, पलंग, भगवान की मूर्तियां, सहित सोने चांदी सहित कई कीमती

सामान की चोरी हुई थी। गृहस्वामी दो भाई शांतनु राय पूर्व सीआरपीएफ जवान

गुवाहाटी में रहते हैं, जबिंक कृष्णु राय छत्तीसगढ़ में सीआरपीएफ में तैनात हैं।

कहना जल्दबाजी है। ज्ञात हो कि 31 दिसंबर की रात को बंद घर से पंखे एवं

थाना प्रभारी दलबल के साथ कटिंगपाड़ा स्थित युवक विजय नामाता के घर में

संबंध में आसपास छानबीन करने लगा। इसी बीच पता चला कि कटिंगपड़ा के युवकों

सामान बरामद किया गया। घटना के संबंध में गृहस्वामी छत्तीसगढ़ में तैनात

समाचार सार

राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री के लिए 8 खिलाड़ियों का चयन

CHAIBASA: 59वीं राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री रेस 12 जनवरी से उत्तर प्रदेश के मेरठ में होना है। इसके लिए झारखंड टीम का गठन किया गया है।



इस टीम का चयन 31 दिसंबर को जमशेदपुर में संपन्न झारखंड राज्य स्तरीय क्रॉस कंट्री रेस में किया गया था। इसमें पश्चिमी सिंहभूम जिले के 8 खिलाड़ियों का चयन हुआ है। महिला वर्ग (10 किलोमीटर) में बा माइं तीरिया ने स्वर्ण और सावित्री गुड्या ने कांस्य पदक जीता।

अंडर-20 बालक वर्ग में सन्नी कोड़ा ने कांस्य पदक हासिल किया, जबिक अंडर-16 बालिका वर्ग में पूजा महतो ने रजत पदक जीता। इसके अतिरिक्त मुकुंद बानरा पुरुष वर्ग (10 किलोमीटर) में पांचवें स्थान पर रहे, लालू कालुंडिया छठे स्थान पर, अंडर-20 बालक वर्ग में गणेश कालुंडिया चौथे स्थान पर, और अंडर-20 बालिका वर्ग में त्रिपुरा प्रधान

सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ रवाना

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम के उपायुक्त के निर्देशन में उपविकास



आयुक्त संदीप कुमार मीणा ने शक्रवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता रथ रवाना किया। इस मौके पर जिला एक्का भी समाहरणालय

परिसर में मौजूद थे। यह रथ पूरे जनवरी माह में प्रचार-प्रसार के विभिन्न माध्यमों से आम जनों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करेगा।

नॉकआउट क्रिकेट में स्टूडेंट क्लब जीता

CHAIBASA: मनीष कुमार (70 रन) एवं आकाश यादव (70 रन)



(37/6)बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत स्टूडेंट

मकाबले में 173 रनों से पराजित कर अगले चक्र में अपना स्थान पक्का कर लिया। अब प्री क्वार्टर फाइनल में स्टूडेंट क्लब का मुकाबला फ्रेंडस क्लब चाईबासा से 10 जनवरी को होगा। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए आज के मैच में टॉस स्टुडेंट क्लब चाईबासा के कप्तान ने जीता था।

18वीं सीनियर राज्य स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता शुरू

GHATSILA: झारखंड सरकार युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए



शुक्रवार से शुरू हुई 18वीं सीनियर राज्य स्तरीय खो-

मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने कहीं। अनुमंडल में पहली बार प्रदेश स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता हो रही है। जिला खो खो संगठन के कोषाध्यक्ष श्याम शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेश के 17 जिलों से बालक और 15 जिलों से बालिका वर्ग की टीम में आई है। इस मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह, आईसीसी के यनिट हेड श्याम सुंदर सेठी, घाटशिला ब्लॉक कमेटी के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार राय, आईसीसी वर्कर्स यनियन के अध्यक्ष बीएन सिंहदेव, जगदीश भकत. काजल डॉन, प्रदेश सचिव संतोष प्रसाद उपाध्यक्ष, सुमित कुमार मलिक, जिला सचिव विकटर विजय सामद समेत उपाध्यक्ष उषा बाखला संयुक्त सचिव दयाल सिंह मेहरा, घाटशिला प्रखंड के अध्यक्ष नरेंद्र राय सचिव, रूपेश दुबे आदि भी उपस्थित थे।

सिदगोड़ा में 51 मैथिल बदुकों का होगा उपनयन

JAMSHEDPUR: मैथिल उत्कर्ष संस्थान इस बार 3-7 फरवरी को 51

कराएगा। इस संबंध में शक्रवार को संस्थान के सोनारी, कागलनगर स्थित कार्यालय में बैठक हुई। इसमें संस्था के अध्यक्ष

उमानाथ झा ने बताया कि यह आयोजन गणेश पूजा मैदान (फूड प्लाजा के पास), सिदगोडा में होगा। सामहिक यज्ञोपवीत को डॉ. विजय कमार मिश्रा की देखरेख में संपन्न किया जाएगा। बैठक में बसंत मिश्र. हरेराम झा, नरेश चौधरी, रंजीत झा, प्रवीण मिश्रा आदि भी उपस्थित थे।

जयंती पर याद की गईं सावित्रीबाई फुले

JAMSHEDPUR: भालुबासा रजक महिला समिति ने शुक्रवार को



सावित्रीबाई फुले की जयंती हर्षोउल्लास के साथ मनाई। इस मौके पर संकल्प लिया गया कि उनके आदर्शी पर चल कर समाज के अंतिम

पायदान पर खड़ी महिलाओं को समाज की मख्यधारा से जोडा जाएगा। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तत किया गया। कार्यक्रम में ललिता, एकता, नम्रता, खुशब्, मीना, रामचंद्र प्रसाद सहित कई महिलाएं शामिल हुईं।

मनरेगा मजदूरों ने पूर्व पीएम को दी श्रद्धांजलि

CHAIBASA: मनरेगा मजदूरों ने शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी।



तांतनगर प्रखंड अंतर्गत काठभारी गांव में मनरेगा मजदूरों के साथ युवा कांग्रेस के प्रदेश महासचिव दीनबंधु बोयपाई, चमपेस देवगम,जानो

सुंडी, लेबेया पुरती, बोडराम सुंडी आदि भी उपस्थित थे। टाटा-हटिया 6 को बदले मार्ग से चलेगी

JAMSHEDPUR :आद्रा रेल मंडल के अंतर्गत विकास कार्य के लिए रेलवे 6 जनवरी को ब्लॉक लेगी। इस दौरान टाटानगर -हटिया एक्सप्रेस बदले मार्ग से चलेगी। यह ट्रेन चांडिल -पुरुलिया-कोटशिला- मुरी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग चांडिल- गुंडा बिहार-मुरी होकर चलेगी।

कदमा थाना प्रभारी किए गए लाइन क्लोज

JAMSHEDPUR: वरीय पुलिस अधीक्षक ने गुरुवार को चार थाना प्रभारियों का तबादला किया, जिसमें कदमा थाना प्रभारी संजय सुमन को लाइन क्लोज कर दिया है। उनकी जगह अब आलोक कुमार दुबे को कदमा थाना का नया प्रभारी नियुक्त किया गया है। आलोक कुमार दुबे पहले बमार्माइंस थाना के प्रभारी थे और उन्हें अब कदमा थाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। गोलमुरी पुलिस लाइन से इंस्पेक्टर दिलीप कुमार यादव को बमार्माइंस थाना का प्रभारी बनाया गया है। वहीं, सीसीआर साकची के इंस्पेक्टर प्रशांत कुमार को टेल्को थाना का नया प्रभारी नियुक्त

सूरज प्रमाणिक हत्याकांड का 24 घंटे के अंदर हुआ खुलासा

हिस्ट्रीशीदर हेते समेत तीन हुए गिरफ्तार

पुरानी दुश्मनी के

कारण हुई हत्या

आरोपियों के बीच पुरानी दुश्मनी थी। मृतक सूरज ने मनोज

जायसवाल उर्फ मनोज पगली को

जान से मारने की धमकी दी थी,

जिसके कारण यह हत्या हुई। यह

कातिलाना वारदात २०१७ से जुड़ी

हुई है, जब सूरज ने मनोज पर

जानलेवा हमला किया था। इस

हमले के बाद मनोज जायसवाल

जेल भी जा चुका था। यह हत्या

उसी पुराने विवाद का नतीजा है।

कार्रवाई के बाद से सोनारी थाना

की पलिस की सराहना हो रही

है, जिस तेजी से इस हत्याकांड

का खुलासा किया।

किशोर कौशल

ने इस मामले

प्रमाणिक और

सोनारी थाना की पुलिस ने दो को डोबो पुल से पकड़ा

सोनारी थाना की पुलिस ने एक बडी सफलता हासिल करते हुए सूरज प्रमाणिक हत्याकांड का 24 घंटे में ही उद्धेदन कर दिया। पुलिस ने इस मामले में हिस्टीशीटर हेते सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया और उन्हें न्यायिक हिरासत में

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में सोनारी के पंचवटी नगर में रोड नंबर-8 में रहने वाले मनोज जायसवाल उर्फ मनोज पगली, पंचवटी नगर रोड नंबर-1 के पिंटू सिंह उर्फ प्रकाश कुमार सिंह और कुख्यात अपराधी विकास सिंह उर्फ हेते शामिल हैं। पलिस ने पगली व पिंटू को डोबो पुल के पास से गिरफ्तार किया।

इसके बाद, पगली व पिंटू के बयान के आधार पर विकास सिंह को निर्मल नगर काली मंदिर

JAMSHEDPUR : राष्ट्रीय

अनुसूचित जनजाति आयोग

(एनसीएसटी) ने दक्षिण पर्व

रेलवे के जीएम अनिल कुमार

मिश्रा व ओडिशा के चीफ

सेक्रेटरी मोहन आहूजा सहित

ओडिशा के एडिशनल चीफ

सेक्रेटरी देवरंजन कुमार सिंह,

ओडिशा के प्रिंसिपल सेक्रेटरी

(एससी एंड एसटी डेवलेपमेंट)

संजीव कुमार मिश्रा, सुंदरगढ़

जिला के एसपी प्रत्युष दिवाकर,

सुंदरगढ़ के डीसी मनोज

सत्यवान महाजन समेत 6 लोगो

को नोटिस जारी किया है।

आयोग के निदेशक डॉ. पी

कल्याण रेड्डी द्वारा जारी नोटिस में

इन सभी को सशरीर आयोग में 7

जनवरी को उपस्थित होने का

समन जारी किया गया है। इन

सभी अधिकारियों को राष्ट्रीय

जनजाति आयोग के सदस्य

ग्रामीणों ने नष्ट की

८ एकड़ में लगी



मामले की जानकारी देते एसएसपी किशोर कौशल

पुलिस टीम ने ऐसे किया अपराध का पुर्दाफाश एसएसपी द्वारा गठित विशेष टीम ने इस मामले की तहकीकात की। टीम में

सिटी एसपी, पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय–२, सोनारी पुलिस और तकनीकी शाखा के सदस्य शामिल थे। उनकी मेहनत और रणनीति की वजह से यह केस मात्र २४ घंटे में सुलझा लिया गया।

के पास से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनसे हत्या में इस्तेमाल की गई एक पिस्तौल, तीन गोली, एक बिना नंबर प्लेट की स्कटी

• आदिवासी ग्रामीण की

जमीन को बिना अनुमति

जातोथू हुसैन के समक्ष

जनवरी को एससी-एसटी के

कोर्ट रूम में फ्लोर अनुसंधान

और पूछताछ के लिए उपस्थित

अधिग्रहित करने का मामला

रेलवे जीएम व ओडिशा के मुख्य

सचिव समेत ६ को मिला नोटिस

और दो मोबाइल फोन बरामद किए। पलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इस

एसडीओ ने जब्त किए

अवैध बाल लदे डंपर



CHAKRADHARPUR

होने का समन जारी किया है। अनुमंडल पदाधिकारी, पोडाहाट-राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति चक्रधरपुर श्रुति राजलक्ष्मी ने आयोग ने भारत के संविधान के गुरुवार देर रात को चाईबासा-चक्रधरपुर मुख्य मार्ग पर अवैध अनुच्छेद-338 ए के तहत प्रदत्त संवैधानिक अधिदेश के तहत बालू लंदे वाहनों की जांच कर रही समन जारी किया है। सभी थीं। इसी बीच अवैध बालू लदा अधिकारियों को मामले से जुड़े एक डंपर जब्त किया गया। वहीं, सभी तथ्यपूर्ण दस्तावेजों, एक अन्य डंपर भी पकड़ा गया, अभिलेखों और सबृत के साथ जो तेज गति से चक्रधरपुर थाना उपस्थित होने का फरमान जारी क्षेत्र से चाईबासा की ओर जा रहा था। एसडीओ ने चाईबासा के मफस्सिल थाना को सचित किया। आयोग ने यह भी स्पष्ट किया गया है कि इस समन पर उनकी उसे मुफस्सिल थाना ने चाईबासा

मख्य मार्ग पर जब्त कर लिया। उपस्थिति अनिवार्य है।

अफीम की फसल

SERAIKELA : सरायकेला खरसावां जिले के नक्सल प्रभावित कुचाई थाना अंतर्गत दलभंगा ओपी के मुट्रगोड़ा गांव के गिरूपानी टोला में शुक्रवार को ग्रामीणों ने ग्राम सभा कर करीब 8 एकड़ में लगे अफीम की खेती को नष्ट किया। इसके साथ ही ग्राम सभा में इनके द्वारा आगे से अफीम की अवैध खेती नहीं करने का निर्णय लिया गया। एसपी मुकेश कुमार लुणायत ने इसे सराहनीय कदम बताया।? उन्होंने ग्रामीणों को पारंपरिक खेती के लिए प्रेरित किया और कहा कि इसके बाद भी यदि कहीं से भी अवैध अफीम की खेती से संबंधित जानकारी मिलती है, तो वैसे ग्रामीणों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अन्य ग्राम सभाओं से भी इस तरह के प्रयास करने की अपील की, ताकि भोले- भाले ग्रामीण कानुनी झंझावतों से बच सकें।

'विभूति स्मृति संसद' का करेंगे सौंदर्यीकरण : शिक्षा मंत्री

GHATSILA: कविता फाउंडेशन व संयक्त नाटक कला केंद्र घाटशिला की ओर से रामदास सोरेन को शिक्षा मंत्री बनाए जाने पर शक्रवार को अभिनंदन किया गया। अपने संबोधन में रामदास सोरेन ने कहा कि उनकी स्मृति को संजोकर रखने के लिए मेरे प्रयास से इस क्षेत्र को राज्य सरकार ने पर्यटन स्थल के रूप में घोषित किया है। 2006 में पूर्व सांसद स्व. सुनील महतो ने भी 10 लाख रुपये देकर यहां का सौंदर्यीकरण कराया था। इस स्थान को विकसित करने से पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि विभृति स्मृति संसद की पेवर्स ब्लॉक चारदीवारी, गेट, सड़क व पर्यटकों के लिए धर्मशाला बनाने की इच्छा है। कमेटी के लोग जमीन उपलब्ध कराएं एवं आर्किटेक्ट से प्लान बना कर दें, फंड हम देंगे।



विमृति बाबू को नमन करते रामदास सबर परिवारों में बांटे कंबल

कालचिती पंचायत के रामचंद्रपुर सबर बस्ती में शुक्रवार को शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने सबर परिवारों में कंबल बांटे। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष प्रत्येक जरूरतमंदों को कंबल दिया जाना है। घाटशिला प्रखंड की सबर बस्ती से कंबल वितरण प्रारंभ किया गया। राज्य सरकार अंतिम पायदान में खडे व्यक्ति तक पहंच कर उसकी जरूरत पूरा कर रही है। उन्होंने इस सबर बस्ती के विकास के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यदि कोई भी सबर महिला मंईयां सम्मान योजना से वंचित हो. तो उसे तत्काल जोडा जाए।

भाजपा ने गोपालपुर में



GHATSILA: भाजपा ने शुक्रवार को गोपालपुर रेलवे फाटक के सामने सदस्यता अभियान चलाया। इसमें नए लोगों को सदस्य बना कर फूल माला पहनाकर एवं गुलाब फूल भेंट किया गया। इस दौरान राज्यसभा सदस्य सह प्रदेश महामंत्री आदित्य साहू, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश आनंद गोस्वामी, प्रदेश मंत्री नंदजी प्रसाद आदि भी उपस्थित थे। इससे पूर्व जिलाध्यक्ष चंडी चरण साव की अध्यक्षता में जिला कार्यालय में सदस्यता अभियान को लेकर समीक्षा बैठक हुई। इसमें आदित्य साह ने सदस्यता अभियान पर अब तक के कार्यों की जानकारी ली और अभियान की प्रगति पर विस्तारपूर्वक चर्चा की।

चालकों को भेंट किया गुलाब SERAIKELA : सड़क सुरक्षा माह के तहत शुक्रवार को जिला परिवहन पदाधिकारी गिरजा शंकर महतो ने कांड्रा चौक पर बिना हेलमेट पहने बाइक चालकों और बिना

यातायात नियमों के उल्लंघन

पर 'यमराज' ने दी चेतावनी



JAMSHEDPUR : जिले में 1 से 31 जनवरी तक सड़क सुरक्षा माह मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को जिला परिवहन कार्यालय व यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त अभियान चलाया गया। इसमें यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों को यमराज का रूप धरे युवक ने चेतावनी दी। अभियान जुबिली पार्क के आसपास और शहर के सभी ट्रैफिक चेकिंग स्थलों पर चलाया गया। वाहन चालकों को 'यमराज' ने 'सड़क सुरक्षा-जीवन रक्षा' के महत्व को बताया। इस मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी धनंजय, ट्रैफिक डीएसपी नीरज कुमार, एमवीआई सुरज हेम्ब्रम, निशांत महतो और श्री ईश्वर लाल साव तथा सभी टैफिक थाना प्रभारी व डीआरएसएम प्रकाश कमार गिरी, सडक अभियांत्रिक विश्लेषक नवीन कुमार ने अलग-अलग जांच स्थलों पर उपस्थित थे।

इंस्पेक्टर रवि प्रसाद, दिलीप कुमार व सड़क सुरक्षा समिति के सदस्य भी उपस्थित थे।

बिना हेलमेट पहने बाइक

सीटबेल्ट लगाए कार सवारों को

गुलाब का फूल भेंट कर उनकी

गलतियों का अहसास कराया। उन्हे

मोटर व्हीकल एक्ट के तहत जुमानी के प्रावधान से भी वाकिफ कराया

गया। बिना हेलमेट पहने करीब 80

बाइक सवारों को रोककर सड़क

सुरक्षा के नियमों की जानकारी दी

गई। इस मौके पर मोटर व्हीकल

पेयजल और सड़क की समस्या लेकर पहुंचे लोग



कार्यालय में ग्रामीणों की समस्या सुनते विधायक जगत माझी • फोटोन न्यम

GOILKERA : विधायक जगत माझी ने शुक्रवार को अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय स्थित कक्ष में जनता मिलन कार्यक्रम किया। इसमें पेयजल एवं सड़क की अधिक समस्या आयी। विधायक ने ग्रामीणों से कहा गर्मी के शरूआत में चापाकल लगाया जाएगा। इस दौरान दर्जनों ग्रामीणों ने विधायक से व्यक्तिगत व सामूहिक समस्या रखी। करीब तीन घंटे तक विधायक ने ग्रामीणों की समस्या को गंभीरतापूर्वक सुना और समाधान का आश्वासन दिया। कुमदी गांव के सिला सोले, जो एक दुर्घटना के बाद चलने-फिरने में असमर्थ थे, उन्हें तत्काल सीडीपीओ को निर्देश देकर बैशाखी उपलब्ध कराई। वहीं बैंक से जुड़ी समस्याओं को लेकर केनरा बैंक और बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक को कक्ष में बलाकर समाधान का निर्देश दिया।

उपायुक्त से मिल विधायक ने कहा- टाटा स्टील मानगो के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी से भाग नहीं सकता

दो दिन में कचरा निष्पादन नहीं हुआ तो जनता करेगी सीधी कार्रवाई : सरयू

PHOTON NEWS JSR:

जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने शुक्रवार को उपायुक्त के साथ शहर की समस्याओं को लेकर बैठक की। बैठक का मुख्य मुद्दा मानगो नगर निगम क्षेत्र का कचरा निष्पादन की समस्या था। विधायक ने उपायुक्त से इस समस्या का शीघ्र निदान करने की मांग की और कहा कि इस बारे में मानगो की जनता का धैर्य टूटने की कगार पर पहुंच गया है। दो दिनों के भीतर अगर समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो मानगो की जनता सीधी कार्रवाई पर उतरने के लिए विवश हो जाएगी। सरयू राय ने उपायुक्त से कहा कि मानगो नगर निगम द्वारा प्रयास किए जाने के बावजूद रोज निकल रहे कचरा का पूरा उठाव नहीं हो पा रहा है। यही वजह है कि मानगो नगर निगम क्षेत्र



डीसी ऑफिस के बाहर पत्रकारों से बात करते सरयू राय व उपायुक्त से मिलते लोग

मानगो क्षेत्र का प्रतिनिधिमंडल उपायुक्त से मिला

उधर, कचरा निपटारे के मामले को लेकर ही मानगो क्षेत्र का एक प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को उपायुक्त से मिला और ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने ज्ञापन में कहा कि अब अपना शहर क्लीन और ग्रीन सिटी नहीं बल्कि डर्टी सिटी में तब्दील हो गया है। खास कर मानगो क्षेत्र की स्थिति सबसे खराब है। पूरे मानगो से कचरा उढाया जा रहा है और उसे गाड़ियों में जमा किया जा रहा है। उसका निष्पादन पिछले कई हफ्तों से नहीं हो रहा है। मानगो अधिसूचित क्षेत्र समिति का इसे लेकर कोई होमवर्क ही नहीं है। मानगो की करीब चार लाख की जनता त्राहिमाम कर रही है। दुर्गंध की वजह से लोगों का जीना मुहाल है। सड़ांध इतनी कि महामारी फैलने की आशंका बलवती हो गई है। मानगो अधिसूचित क्षेत्र समिति के साथ-साथ जिला प्रशासन भी इस समस्या का निदान अब तक नहीं कर पायी है।

में जगह-जगह कचरा भरा पड़ा है। अधिसूचित क्षेत्र का कचरा टाटा

जिस तरह से जमशेदपुर स्टील के बारा कॉम्प्लेक्स में

ज्ञापन में लिखा, डर्टी सिटी बन गया मानगो

उपायुक्त को सौंपे ज्ञापन में मानगो को उर्टी सिटी बताया गया है। कहा है कि पिछले नवंबर में आपने अपने कार्यालय में स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 को लेकर सभी निकायों की एक बैठक की थी। उसमें पूरे शहर से आह्वान किया गया था कि कचरे के विरुद्ध जन–आंदोलन चलाएं। लेकिन जिस प्रकार कचरा निष्पादन को लेकर जिला प्रशासन का ढुलमुल एवं संवेदनहीन रवैया है, इसमें जल्द सुधार नहीं होता है, तो वृहद जन-आंदोलन किया जाएँगा। प्रतिनिधिमंडल ने जेएनएसी की तर्ज पर ही मानगो नगर निगम का कचरा निष्पादन टाटा स्टील द्वारा संचालित बारा कॉम्प्लेक्स परिसर के डंपिंग यार्ड में करने की मांग की।

गिराया जा रहा है, उसी प्रकार मानगो नगर निगम का कचरा भी

बारा कम्प्लेक्स में गिराया जाए। 2010-11 से जेएनएसी और मानगो का कचरा बारा में गिरता था। बाद में टाटा लीज की जमीन पर ही मरीन ड्राइव के किनारे मानगो और जेएनएसी का कचरा टाटा स्टील की सहमति से गिरने लगा। रिहायशी इलाका के बीच होने के कारण तथा कचरा ढेर में आग लगते रहने के कारण एनजीटी ने अप्रैल 2023 में हस्तक्षेप किया तो जेएनएसी का कचरा बारा कॉम्प्लेक्स में गिरने लगा और मानगो की समस्या को वैसे ही छोड़ दिया गया। अब यह आप पर (उपायुक्त) है कि टाटा स्टील से वार्ता कर यह सुनिश्चित कराएं कि मानगो का कचरा भी वहीं गिरेगा, जहां जेएनएसी का कचरा गिर रहा है।

राय ने कहा कि टाटा स्टील मानगो

के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी से भाग नहीं सकता। मानगो के साथ टाटा स्टील का अटूट संबंध है। इस संबंध में आंच नहीं आनी चाहिए। जेएनएसी के वार्ड 7, 8, 9 से ही एमएनएसी बना है। डिमना रोड, मानगो चौराहा, डिमना चौराहा, एमजीएम कॉलेज, पानी का पाइपलाइन, हजार से अधिक टाटा स्टील कर्मियों का निवास मानगो में होना आदि टाटा स्टील और मानगो के बीच सिक्रय संबंध के उदाहरण हैं। इस प्रकार जेएनएसी के साथ साथ मानगो नगर निगम का भी टाटा स्टील की जनसुविघा संरचनाओं पर अधिकार बनता है। इसे ध्यान में रखते हुए उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम मानगो के कचरा प्रबंधन के लिए टाटा स्टील के बारा कॉम्प्लेक्स में स्थान सुनिश्चित कराना चाहिए।

Saturday, 04 January 2025

O BRIEF NEWS

प्रगति यात्रा को लेकर आज पौने 11 बजे सीएम नीतीश पहुंचेंगे गोपालगंज GOPALGUNJ : मुख्यमंत्री

नीतीश कुमार आज प्रगति यात्रा को लेकर गोपालगंज आ रहे है। जिसमें उनके द्वारा परिभ्रमण कार्यक्रम के दौरान उदघाटन एवं शिलान्यास से संबंधित योजनाकों को जिला प्रशासन ने धरातल पर उतारने में कोई कोर कसर नहीं छोडा है। मिली जानकारी के अनुसार 6733.670 राशि (लाख में) की 61 योजनाओं का उद्घाटन करेंगे वहीं 13902.750 राशि (लाख में) की योजनाओं का शिलान्यास करेंगे। कुल मिलाकर 7169.080 राशि (लाख में) की 72 योजनाओं को जिले के लोगों को सौगात देंगे। इसके साथ ही जिला प्रशासन ने कुछ योजनाओं को उनके उपस्थित में कार्यरूप देंगे। जबिक अधिकांश योजनाओं को रिमोट कन्ट्रोल से मुख्यमंत्री आईटीआई के परिसर से दबा करेंगे। मख्यमंत्री सबह 10.45 में सिधवलिया प्रखंड के काशी टेगराही आईटीआई के पास बने

हेलीपैड पर उतरेंगें। 109 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

CHAMPARAN: एसएसबी के जवान व आदापुर थाना पुलिस ने संयुक्त कारवाई करते हुए करीब 109 किलो मादक पदार्थ(गांजा) बरामद किया है। मिली जानकारी के अनुसार उक्त कारवाई सैनिक रोड़ स्थित लरहा टोला के पास हुई है। इस दौरान एक तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया है। बरामद गांजा की अनुमानित कीमत करीब बाइस लाख रुपए आंकी गयी है। तस्कर नेपाल से गांजा लाकर भारतीय परिक्षेत्र में बेचने वाले थे, जिसे एसएसबी व पुलिस के जवानो रंगे हाथ पकड़ लिया।पकडे गए गांजा तस्कर की पहचान संग्राम पुर थाना क्षेत्र के प्रमोद महतो के रूप में हुई है।छापेमारी टीम में एसएसबी निरिक्षक राजकुमार शील, थाना प्रभारी धर्मवीर कुमार चौधरी, कन्हैया सिंह, नूतन कुमारी, चौकीदार समेत आदापुर थाना पुलिस बल के साथ एसएसबी के जवान शामिल थे।

बम कांड का मुख्य अभियुक्त गिरफ्तार

BETHIA: बेतिया पुलिस जिला के गौनाहा थाना स्थित मठ मंझरिया चौक पर घटी विस्फोट की घटना के एक आरोपित को पलिस ने शक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि एक आरोपित पुलिस पकड़ में नही आ सका है। पकड़या आरोपित पश्चिम चंपारण जिला के योगापद्री थाना के लाला टोला बगही गांव निवासी कन्हैया मखियाहै। फरार आरोपित शनिचरी थाना के मिश्री टोला बहुअरवा गांव निवासी कन्हैया महतो है। एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह ने बताया कि बीते 1 जनवरी को जानवरों को डराने व मारने के लिए दो व्यक्ति विस्फोटक सामग्री ले जा रहे थे किंतु विस्फोटक मठ मंझरिया चौक पर ही विस्फोट कर गया इससे दोनो बाइक सवार जख्मी हो गए।पुलिस के पहुँचने के पूर्व ही दोनो भागने में सफल रहे।तकनीकी अनसंधान से दोनो के नामों का सत्यापन किया गया और गुरुवार की रात्रि में घटना में शामिल कन्हैया मुखिया को उसके घर से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने खुलासा किया है कि सुअरों को डराने व मारने को लेकर वह क्रेकर बम जंगल ले

जा रहा था। बाइक से गिर जाने के

कारण बम विस्फोट हो गया।

प्रशांत किशोर का आमरण अनशन, बोले- छात्रों से मिलें सीएम नीतीश कुमार

बीपीएससी अभ्यर्थियों के प्रदर्शन में उतरे छात्र संगठन, धरना जारी

बिहार की राजधानी पटना में बीपीएससी की परीक्षा दोबारा कराने समेत अपनी कुछ अन्य मांगों को लेकर अभ्यर्थियों का धरना जारी है। राजनीतिक पार्टियां भी खुलकर इन छात्रों के समर्थन में हैं। इन अभ्यर्थियों के समर्थन में पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव ने बिहार में आज यानी शुक्रवार को चक्का जाम का ऐलान किया है। पटना से सटे सचिवालय हॉल्ट पर प्रदर्शनकारी रेल ट्रैक पर ही लेट गए। यहां पैसेंजर ट्रेन को रोक दिया गया है। बता दें कि गुरुवार को पप्पू यादव ने बताया था कि 3 जनवरी को बिहार में नेशनल हाइवे, स्टेट हाइवे और रेल चक्का जाम रहेगा। दरअसल छात्र युवा शक्ति ने बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन में चक्का जाम का ऐलान किया है और सांसद पप्पू यादव ने इसका समर्थन करते हुए सभी छात्र संगठनों से अपील की है कि वो चक्का जाम करने के लिए सड़क

उप मुख्यमंत्री सह पथ निर्माण मंत्री

विजय कुमार सिन्हा ने आज कहा

कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व

अलग-अलग 4 चरणों में किया

जाएगा। पहले चरण में असाध्याय

रोग अथवा गंभीर बीमारी से ग्रस्त

शिक्षकों का तबादला किया

जाएगा। दूसरे चरण में पति-पत्नी के

पदस्थापन के आधार पर किए गए

आवेदन, तीसरे चरण में लंबी दुरी

के शिक्षिकाओ तथा चौथे चरण में

लंबी दुरी के कारण आवेदन किये

शिक्षकों का तबादला किया

जाएगा। इसको लेकर शक्रवार को

शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर

दिया है।आवेदनों को स्क्रूटनी के

लिए कमेटी भी बनाई गई है। कुल

1,90,000 शिक्षकों ने आवेदन

किया है। आपको बता दें 15

दिसंबर 2024 आवेदन की अंतिम

तिथि थी। इस दौरान 1.9 लाख

शिक्षकों ने आवेदन किया है।

ज्यादातर शिक्षकों ने घर से स्कूल



पर उतरें। इधर इस मुद्दे पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर भी पटना के गांधी मूर्ति के पास आमरण अनशन पर बैठ गए हैं। बीपीएससी 70वीं पीटी को रद कराने सहित अन्य मांगों के समर्थन में गुरुवार को जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर गांधी मैदान की गांधी मूर्ति के पास आमरण अनशन पर बैठ गए। वे अपने संगठन के युवाओं के साथ शाम पांच बजे अनशन पर बैठे।

2027 तक तीन घंटे में राज्य के किसी कोने से

पटना पहुंचने का लक्ष्य होगा पूरा : डिप्टी सीएम

उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पर आमरण अनशन को गैरकानूनी युवाओं को ठगने का काम कर करार देते हुए जिला प्रशासन ने रही है। परीक्षा में इतना हंगामा होने केस दर्ज करते हुए उन्हें नोटिस भी के बाद भी इसे रद्द नहीं किया जा जारी किया है। धरना कार्यक्रम को रहा। उल्टे आंदोलन करने वाले निर्धारित स्थल से गर्दनीबाग में अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज किया जा स्थानांतरित करने को कहा गया है। ऐसा नहीं करने पर कानन के रहा है। उन्होंने कहा कि बिहार की हर परीक्षा पर सवाल खड़ा होता तहत कार्रवाई करने की चेतावनी है। सरकार कुछ नहीं कर रही है। दी गई है। गांधी मैदान में यह बिहार के युवाओं के साथ बीपीएससी अभ्यर्थियों के समर्थन अन्याय है। हालांकि, गांधी मैदान में आमरण अनशन पर बैठे प्रशांत किशोर ने कहा है कि जब तक

बिहार में प्रदेश अध्यक्ष

चुनेंगे मनोहर लाल खट्टर

PATNA : देश भर में भाजपा संगठन

पर्व मना रही है और राज्यों में भी

सदस्यता अभियान के साथ-साथ

जिला अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष के

चयन की प्रक्रिया चल रही है। चयन

की प्रक्रिया को पूरी करने के लिए

पर्यवेक्षक नियुक्त किये जा रहे हैं।

बिहार के चुनाव पदाधिकारी की

कमान हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री

मनोहर लाल खट्टर को दी गई है।

भारतीय जनता पार्टी की बिहार इकाई

विधानसभा चुनाव की तैयारी में जुट

गई है। संगठन पर्व के तहत सदस्यता

अभियान चलाया जा रहा था। 60

लाख से अधिक सदस्य ओटीपी के

साथ बनाए जा चुके हैं और मंडल

अध्यक्ष के चयन की प्रक्रिया पूरी हो

चुकी है। जिला अध्यक्ष के चयन की

प्रक्रिया अंतिम दौर में है। बिहार में भी

चुनाव को अंतिम रूप देना है और

प्रदेश अध्यक्ष के चयन पर भी मुहर

साथ खड़ी रही है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार छात्रों से मिलते नहीं है, तब तक उनका अनशन जारी रहेगा। प्रशासन की टीम प्रशांत किशोर को अनशन खत्म करने के लिए मनाने पहुंची थी। बीपीएससी छात्रों के समर्थन में आरजेडी सांसद मीसा भारती ने री एग्जाम की मांग की है। उन्होने कहा कि छात्रों को लेकर किसी तरह की राजनीति नहीं होनी चाहिए। आरजेडी हमेशा छात्रों के

कल मोतिहारी और १३ को गोपालगंज में रहेंगे तेजस्वी

बिहार विधानसभा चनाव को

लेकर सभी दलों की तैयारी तेज हो

गई है। विभिन्न दलों के नेताओं की यात्रा का सिलसिला जारी है। नेता प्रतिपक्ष(राष्ट्रीय जनता दल सुप्रीमो लालू यादव के पुत्र) तेजस्वी यादव का कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम जारी है। पार्टी की ओर से इसके छठे चरण का शेड्यूल जारी कर दिया गया है। इसकी शरूआत पांच जनवरी से होने वाली है। नीतीश कमार भी चार जनवरी के प्रगति यात्रा के दुसरे चरण पर निकलने वाले हैं। पांच जनवरी को वे मुजफ्फरपुर में रहेंगे। उन्हें 27 दिसम्बर को ही मुजफ्फरपुर आना था लेकिन पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन के कारण स्थगित कर दी गयी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव जी का ' कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम ' का छठा चरण 5 जनवरी से प्रारंभ होगा। यह 13 जनवरी तक जारी रहेगा। शुक्रवार को पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता अरुण कुमार यादव ने बताया कि तेजस्वी यादव छठे चरण में कुल 7 संगठन जिलों में जाएंगे और संगठन के



को पश्चिमी चंपारण (बेतिया)

13 जनवरी को गोपालगंज में

आयोजित 'कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम' में शामिल

होंगे। अंतिम दिन वे पटना लौट

कार्यकर्ता दर्शन' के छटे

चरण का शेड्युल जारी

आएंगे और आगे का कार्यक्रम मकर संक्रांति के बाद निर्धारित कार्यकताओं के साथ सीधा बाबा गरीबनाथ मंदिर को मिली जमीन, वक्फ बोर्ड ने टोका दावा

AGENCY MUZAFFARPUR: झाखंड बंटवारे के बाद बिहार का बाबाधाम कहे जाने वाले बाबा गरीबनाधाम मंदिर मुजफ्फरपुर की एक जमीन को लेकर विवाद पैदा हो गया है। मुजफ्फरपुर जिला प्रशासन ने यह जमीन नैवेद्यम प्रसाद वितरण के लिए मंदिर को दिया था जिस पर मुस्लिम पक्ष ने अपना दावा कर दिया है। सोगरा वक्फ की ओर से बिहार स्टेट वक्फ ट्रिब्यूनल में यह मामला उठाया गया है। ट्रिब्यूनल ने इस मुजफ्फरपुर जिलाधिकारी को जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 28 जनवरी को होने वाली है। मामला 270 स्कवायर फीट जमीन का है जिसे



उपयोग के लिए दिया गया था। अधिवक्ता अंजुम अख्तर ने डीएम को इस मामले में पत्र भेजा है। पूर्वी एसडीओ अमित कुमार ने बताया कि यह मामला 2022 का है। नगर निगम की ओर से जिला प्रशासन की अनुमति पर यह 270

लिए दी गई थी। यह भूमि अस्थाई रूप से मंदिर को उपयोग करने के लिए दी गयी। जमीन की मिल्कियत मुजफ्फरपुर नगर निगम की है। लेकिन सोगरा वक्फ बोर्ड यह कहकर आपत्ति जताई कि मंदिर ट्रस्ट को यह जमीन नहीं दी

में राज्य के स्थित किसी भी स्थान से राजधानी पटना पहुंचने के लिए छह घंटे का समय निर्धारित किया गया था, जिसे सड़कों के

नवनिर्माण, विकास एवं उचित अधिकारियों के साथ बैठक करते डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा। रख-रखाव के माध्यम से प्राप्त कर लिया गया है। वर्ष 2027 तक तीन वर्ष 2027 के अंत तक राज्य के से साढ़े तीन घंटे में राज्य के किसी किसी स्थान से पटना पहुंचने के कोने से पटना पहुंचना आसान हो लिए तीन से साढ़े तीन घंटे का समय जायेगा। विजय सिन्हा ने पत्रकार के लक्ष्य के अनुरूप पथ निर्माण वार्ता में कहा कि मुख्यमंत्री ने पथ विभाग द्वारा कार्य किया जा रहा है। निर्माण विभाग को पांच घंटे में राज्य विजय सिन्हा ने कहा कि राज्य के सुदुर स्थान से राजधानी पटना राष्ट्रीय उच्च पथों का घनत्व राष्ट्रीय पहुंचने का लक्ष्य निर्धारित किया है। औसत से काफी कम है। इसके इस वर्ष के अंत तक इस लक्ष्य को लिए राज्य में राष्ट्रीय उच्च पथों के प्राप्त करने के लिए पथ निर्माण कुल लम्बाई को 13,000 किमी विभाग संकल्पित है। इसके उपरान्त करने की आवश्यकता है। इसके

चार फेज में शिक्षकों का

किया जाएगा तबादला

लिए केंद्र सरकार से 2,511 किमी राज्य उच्च पथ एवं 4,329 किमी वृहद जिला पथों (कुल 6840 किमी) को राष्ट्रीय उच्च पथ घोषित करने के लिए अनुरोध किया गया है। साथ ही राज्य में लगभग 186 किमी सिंगल लेन वाले राष्ट्रीय उच्च पथों को राष्ट्रीय मानक के अनुरूप पेभ्ड शोल्डर सहित 2-लेन (10 मी) में विकसित करने का अनुरोध किया गया है।

नंबर प्लेट से की छेड़छाड़ तो जाना पडेगा जेल

PATNA : ऑनलाइन चालान से बचने के लिए अपने वाहन के नंबर

प्लेट पर छेड़छाड़ अथवा टेप लगाने वाले सावधान हो जाएं। क्योंकि यातायात पलिस ने ऐसा करने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस ने छेड़छाड़ करने वाले 25 वाहन मालिकों की पहचान कर उनपर आपराधिक मुकदमा दर्ज करवाया है। सभी को नोटिस भेजा गया है। उन वाहन मालिकों को तीन से सात साल तक की सजा हो सकती है। पटना में यातायात नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों की पहचान के लिए सड़कों पर कैमरे लगाए गए हैं। इसकी निगरानी गांधी मैदान स्थित कमांड सेंटर से की जा रही है। कैमरों की मदद से नियमों की अवहेलना करने वालों का ऑनलाइन किया जा रहा है। यातायात पलिस ने पाया कि ऑनलाइन चालान से बचने के लिए कई लोगों ने वाहन के नंबर प्लेट पर नंबरों में हेरफेर करने के अलावा उसपर टेप अथवा स्टीकर चिपका दे रहे है।

रिटायर्ड नर्स के साथ गैंगरेप, सिर पैर काटकर नदी किनारे दफनाया

बिहार के बांका जिले से दिल

दहला देने वाला घटना सामने आई है। जहां रिटायर्ड नर्स के साथ गैंगरेप के बाद उसके शरीर के टुकड़े करके नदी किनारे गाड़ दिए। इस मामले में करीबी रिश्तेदार समेत पांच लोगो को गिरफ्तार किया गया है। खुलासा करते हुए पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि भागलपुर के सल्तानगंज थाना क्षेत्र की रिटायर्ड एएनएम (नर्स) को जमुई से अपहरण कर बांका में सामृहिक बलात्कार किया गया और हत्या कर दी गई। आरोपियों ने शव के तीन टुकड़े कर दिए थे, दो हिस्सों को बांका के बेलहर थाना क्षेत्र के बदुआ नदी के पास एक नदी के किनारे गाड़ दिया था, जिसे अब बरामद कर लिया गया है। पुलिस



ने बताया कि 66 वर्षीय एएनएम 27 दिसंबर को अपने घर से निकली थी। देर शाम तक जब वह घर नहीं लौटी, तो उसके पति पीडीएस डीलर सधीर प्रसाद ने उसका पता लगाने की कोशिश की। लेकिन उसका पता नहीं चल सका। 30 दिसंबर को सुबह करीब 10.15 बजे पीड़िता की बहू को उसकी सास का फोन आया. जिसने सुरक्षित रिहाई के लिए 20 लाख रुपये की व्यवस्था करने को कहा। अपहरणकताओं ने फिरौती

की धमकी दी थी। जिसके बाद में सुधीर प्रसाद ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ फिरौती के लिए अपहरण की ऋक्ष्म दर्ज कराई। बांका पुलिस ने गुरुवार (2 जनवरी) को बेलहर थाना क्षेत्र के कुमरैल घाट से एक सिरकटा शव बरामद किया। डॉग स्क्वायड और एफएसएल टीम मौके पर पहुंची और बाद में शव की पहचान अपहृत महिला के रूप में की गई। मामले को सलझाने के लिए भागलपुर एसएसपी ने पुलिस टीम बनाई और जगह-जगह छापेमारी की। उन्होंने सबसे पहले बेलहर थाने के बिशुनपुर गांव निवासी पीड़ित के रिश्तेदार राजीव रंजन दास और दिलीप गिरी सहित दो लोगों

जॉइनिंग से पहले रिटायर हो गईं महिला टीचर

JAMUI: बिहार में एक महिला टीचर जॉइनिंग से पहले ही रिटायर हो गई। चौंका देने वाला यह मामला जमई जिले का है। महिला शिक्षिका का नाम अनिता कुमारी बताया जा रहा है। शिक्षिका अनिता कुमारी खैरा प्रखंड इलाके में स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय शोभाखान में कार्यरत थी। नियोजित शिक्षिका अनिता कुमारी ने सक्षमता परीक्षा पास कर ली है। ऐसे में अब उन्हें विशिष्ट शिक्षक के तौर पर योगदान देना था। जिसके लिए उन्हें नियुक्ति पत्र भी मिला था। पिछले साल 30 दिसंबर को अनिता कुमारी को यह जॉइनिंग लेटर मिला था। इस नियक्ति पत्र में कहा गया था कि 1 से 7 जनवरी 2025 के बीच उन्हें उसी विद्यालय में विशिष्ट टीचर के तौर पर योगदान देना है। लेकिन इस मामले में ट्विस्ट तब आ गया जब अनिता कुमारी 31 दिसंबर को ही रिटायर हो गईं।

आयोजन : तीन दिवसीय बागवानी महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम में कृषि मंत्री मंगल पांडेय बोले-

आश्वासन दिया था।

की दूरी के कारण ट्रांसफर मांगा

था। अब नए साल की जनवरी में

इन शिक्षकों को नई पोस्टिंग मिल

जाने की उम्मीद है। ट्रांसफर प्रक्रिया

ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर हुई।

शिक्षकों को पोर्टल पर 10 विकल्प

चुनने का मौका मिला था। 1 लाख

से ज्यादा शिक्षकों ने घर से स्कल

की दूरी के कारण तबादला मांगा

है। करीब 16000 शिक्षकों ने

पति-पत्नी के एक ही जगह

पदस्थापन के लिए आवेदन किया

है। शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने

पहले ही जनवरी में पदस्थापन का

शहद के उत्पादन और प्रोत्साहन के लिए नीति बनाएगा कृषि विभाग

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कोटे से बिहार सरकार में कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने आज तीन दिवसीय बागवानी महोत्सव के उद्घाटन मौके पर कहा कि रंग-बिरंगे फल, फूल, सब्जी एवं अन्य बागवानी उत्पादों से सुसज्जित बागवानी महोत्सव, 2025 कृषकों के उत्साह का गवाह है। कृषि बिहार की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जो राज्य के आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्रिया-कलापों का आधार है। मंगल पांडेय ने कहा कि बिहार की अर्थव्यवस्था में बागवानी खासकर फल, फूल, सब्जी, मसाला आदि की भूमिका अहम साबित हो रही है। वर्ष 2005 के समय राज्य में प्रतिव्यक्ति आय 7 हजार 500 के करीब थी, वहीं आज इस राज्य

की प्रतिव्यक्ति आय 66 हजार हो गयी है। 20 वर्षों में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में लगभग 8 गुणा से अधिक प्रतिव्यक्ति आय बढ़ी है, जिसमें किसानों की बढ़ी आय का बड़ा योगदान रहा है। यदि हम सभी राज्य को सुखी व समृद्ध बनाना चाहते हैं, तो बागवानी के माध्यम से किसानों को समृद्ध कर उस लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

मौके पर कृषि मंत्री ने एक अहम घोषणा की है कि बिहार में शहद के उत्पादन एवं प्रोत्साहन नीति कृषि विभाग शीघ्र बनायेगी, जिसे सरकार राज्यभर में बढ़ावा देगी। खासकर भूमिहीन किसानों को शहद उत्पादन से जोड़ने की पहल को लेकर नीति बनायी जाएगी। भूमिहीन किसान मधुमक्खीपालन कर खुद को सशक्त बनायेंगे। सूर्यमुखी,



सहजन, सरसों, लीची जैसे फल फूलों के शहद का उत्पादन करने की नीति बनेगी। मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि महोत्सव में सिर्फ बागवानी उत्पादों का प्रदर्शनी ही नहीं, बल्कि फल, फूल, सब्जी के बीज, बिचड़ा, पौधा, बागवानी उपकरण, मधु, मखाना, मशरूम,

चाय आदि की बिक्री की भी व्यवस्था की गई है। बिहार में कुल 13.50 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में बागवानी की फसलों की खेती की जाती है, जिससे करीब 286.45 लाख मीट्रिक टन फल, फूल, सब्जी आदि बागवानी उत्पाद का उत्पादन होता है, जिसे आने वाले

मंगल पांडेय ने कहा कि कृषि रोडमैप के लक्ष्य से आगे बढ़कर भी सोचने की जरुरत है। सालाना लक्ष्य निर्धारित करने की दिशा में भी हम सोच सकते हैं। हमें वर्ष 2025 में बागवानी का लक्ष्य बढ़ाकर 18 लाख हेक्टेयर एवं 2026 में इसे बढ़ाकर 20 लाख हेक्टेयर पर ले जाने का लक्ष्य निर्धारित करना चाहिए। राज्य बागवानी के क्षेत्र में बिहार लगातार आगे की ओर बढ़ रहा है। आज हमारे कृषक पारंपरिक बागवानी फसलों के साथ-साथ उच्च बाजार मुल्य वाले एक्जोटिक फल, ड्रैगन फ्रूट्स, स्ट्रॉबेरी आदि की खेती कर रहे मंत्री पांडेय ने कहा कि इन उत्पादों का उचित भंडारण हो, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्द्धन हो, बाजार की सुलभ उपलब्धता हो, कृषि विभाग इस

समय में और बढ़ाने का लक्ष्य है। दिशा में तीव्र गति से कार्य कर रही है। इस कड़ी में राज्य सरकार के द्वारा कृषि विभाग के अन्तर्गत कृषि विपणन निदेशालय का गठन किया गया है, जिसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मुल्य उपलब्ध करवाना, किसानों को बाजार की व्यवस्था उपलब्ध करवाना, किसानों के उत्पादों में मूल्य संवर्द्धन करवाना, भंडारण की सुविधा, बेहतर पैकेजिंग आदि की व्यवस्था सुनिश्चित किया जाना है। बागवानी महोत्सव में सभी जिलों से करीब 1500 कृषकों ने 14 हजार से ज्यादा प्रदर्शों के साथ भाग लिया है। बागवानी महोत्सव में प्रदर्शनी में लगभग 60 स्टॉल लगाये गये हैं, जहां से दर्शक बंधु मनपसन्द फल, फूल, सब्जी के बीज/बिचड़ा, पौधा, गमला, मधु, मखाना, मशरूम आदि खरीद भी सकते हैं।

बलिया-सियालदह एक्स. के डिब्बे से अचानक निकलने लगा धुआं

AGENCY HAZIPUR:

को हिरासत में लिया।

हाजीपुर-बछवाड़ा रेलखंड के बिदुपुर-चक सिकंदर के बीच ढाला संख्या 44 के पास तकनीकी खराबी के कारण बलिया-सियालदह एक्सप्रेस में ब्रेक बाइंडिंग हो गयी। इस दौरान ट्रेन के दो डिब्बे के बीच से धुआं निकलते देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। आरपीएफ के कर्मी की सूचना पर पहुंची मैकेनिकल टीम फाल्ट को ठीक कर लगभग एक घंटे बाद ट्रेन को रवाना किया गया। इस संबंध में आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक साकेत कुमार ने बताया कि शुक्रवार को दोपहर के करीब हाजीपुर स्टेशन से खुली बलिया-सियालदह एक्सप्रेस हाजीपुर-बछवाड़ा रेलखंड के बिदुपुर स्टेशन से जैसे ही आगे बढ़ी कि ट्रेन पर तैनात आरपीएफ के कर्मी शाहीर अली की नजर ट्रेन के दो डिब्बे के बीच से निकल रही धुंआ



पर पड़ी। ट्रेन से धुंआ निकलने की सूचना आरपीएफ कर्मी ने तत्काल बिदुपुर ट्रेन मैनेजर को दी। सूचना मिलते ही ट्रेन मैनेजर ने ढाला संख्या 44 के पास ट्रेन को रुकवा कर इसकी जानकारी हाजीपुर स्टेशन प्रबंधक को दी। जानकारी मिलते ही हाजीपुर से मैकेनिकल टीम, प्वाइंट्स मेन तथा आरपीएफ की टीम मौके पर पहुंच गए, बताया गया कि मैकेनिकल टीम ने लगभग एक घंटे में ट्रेन के फाल्ट को ठीक कर दिया, जिसके बाद ट्रेन को रवाना कर दिया गया। इस दौरान सुरक्षा को देखते हुए उस रूट के अन्य ट्रेनों को अगले स्टेशन पर ही रोक लिया गया था।

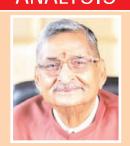
📭 रत के लिए नूतन वर्ष

Saturday, 04 January 2025

कांग्रेस को भारी पड़ेगी स्मारक पर ओछी राजनीति

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का 92 साल की आयु में दुखद निधन हो गया। सामान्यतः ऐसे समय में परिजनों और नजदीकी लोगों की प्राथमिकता होती है कि मृतक को सम्मानपूर्वक अंतिम विदाई दी जाए। इस सामान्य शिष्टाचार और नैतिकता को दरिकनार कर कांग्रेस और उसके कई सहयोगी दलों ने मनमोहन सिंह के स्मारक को लेकर राजनीति शुरू कर दी है। कांग्रेस अध्यक्ष मिल्लकार्जुन खड़गे के पत्र का जवाब देते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने स्पष्ट किया है कि डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक बनाया जाएगा। इसके बावजूद कांग्रेस के नेता सरकार पर डॉ. मनमोहन सिंह के अपमान के आरोप लगा रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तो सोशल मीडिया पर इसे सिखों के अपमान से जोड़ दिया। इस तरह एक बार फिर स्तरहीन राजनीति करके कांग्रेस ने कई पुरानी घटनाओं की याद ताजा कर दी है। अगर सियासी नजरिए से देखा जाए, तो इसका भी कांग्रेस को कोई लाभ की अपेक्षा नुकसान होने की संभावना ज्यादा दिख रही है। देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के बाद कांग्रेस के बड़े नेताओं में शोक से ज्यादा आक्रामकता का भाव दिखाई दे रहा है। उनके निधन के तुरंत बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के लिए यमुना के किनारे जगह देने और उनका समाधि स्थल बनाने के मांग की थी। प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह ने कांग्रेस अध्यक्ष को बता दिया था कि वे चाहते हैं कि डॉ. मनमोहन सिंह जी का स्मारक बनाया जाए, लेकिन इसके लिए भूमि के आवंटन और ट्रस्ट बनाने आदि की औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। इसलिए पहले उनका सम्मानपूर्वक अंतिम संस्कार कर दिया जाए। मिल्लकार्जन खडगे उनकी बात से सहमत हो गए। इसके बावजूद प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार पर आरोप लगाने का कोई भी अवसर न छोड़ने की जिद ठाने बैठे नेता इस दुखद घटना का राजनैतिक लाभ उठाने के प्रयास में जुट गए। ऐसा लगता है कि हमारे देश के कछ नेता प्राकृतिक आपदा, आतंकी हमला, महिलाओं से बलात्कार और यहां तक कि अपने नेता के निधन को भी राजनैतिक अवसर के तौर पर देखने लगे हैं। यह जानते हुए भी कि जगह की कमी को देखते हुए दिवंगत राष्ट्रीय नेताओं के अलग-अलग स्मारक बनाने पर मनमोहन सिंह की सरकार ने ही रोक रोक लगाई थी, इस पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। दरअसल 16 मई 2013 को शहरी विकास मंत्रालय की ओर से एक नोट जारी किया गया था। इस नोट में कहा गया था कि संप्रग सरकार की कैबिनेट ने जगह की कमी को देखते हुए राजघाट पर राष्ट्रीय स्मृति स्थल के नाम से साझा स्मारक स्थल बनाने का फैसला किया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के अंतिम संस्कार के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट करके मोदी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि निगम बोध घाट पर अंतिम संस्कार कराकर सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का अपमान किया है। उन्होंने इसे सिख धर्म से जोड़ते हुए यहां तक कहा कि वह देश के पहले सिख प्रधानमंत्री थे। लेकिन, इन दोनों ही विषयों को उठाकर राहुल गांधी ने एक बार फिर खुद को कटघरे में खड़ा कर लिया है। मनमोहन सिंह का राहुल गांधी कितना सम्मान करते थे ये लोगों ने उस समय देखा, जब उन्होंने पत्रकार वार्ता के दौरान सरकार के अध्यादेश को फाड़कर फेंक दिया था। दरअसल, न्यायालय से सजा प्राप्त व्यक्ति की संसद सदस्यता समाप्त करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश को निष्प्रभावी करने के लिए मनमोहन सिंह की सरकार ने वर्ष 2013 में अध्यादेश जारी किया था। कांग्रेस के मीडिया और संचार प्रमुख अजय माकन प्रेस क्लब में अपनी नियमित प्रेस वार्ता में पत्रकारों के सवालों के जवाब दे रहे थे और इस अध्यादेश पर सरकार का बचाव कर रहे थे। इसी दौरान राहुल गांधी नाटकीय अंदाज में वहां आते है। अपने लगभग दस मिनट के संबोधन में वे इस अध्यादेश को बकवास बताते हुए कहते हैं कि इसे फाडकर फेंक देना चाहिए। इसके बाद वह इसकी एक प्रति को सार्वजनिक तौर पर फाड़कर वहां से चले जाते हैं। हालांकि प्रेस क्लब में मौजद पत्रकार उनसे जानना चाहते हैं कि इस तरह का व्यवहार करके क्या वह मनमोहन सिंह की सरकार को कमजोर नहीं कर रहे। लेकिन, वे पत्रकारों के किसी भी सवाल का जवाब दिए बिना वहां से उठ कर चले गए। जिस समय संप्रग सरकार की कैबिनेट द्वारा पास किए गए अध्यादेश को राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से फाडा, उस समय प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह देश में नहीं थे। वह विदेश यात्रा पर गए हुए थे। राहल गांधी ने मनमोहन सिंह को देश का पहला सिख प्रधानमंत्री बताते हुए इस मामले को सिख धर्म से भी जोडने का प्रयास किया है। लेकिन,उन्हें 1984 में सिखों के खिलाफ हुई भीषण हिंसा को याद रखना होगा। कांग्रेसियों ने निर्ममता पर्वक सिखों की हत्या की। सिख विरोधी दंगों के आरोप में कांग्रेस के कई बड़े नेता आज भी फंसे हुए हैं। लेकिन, इस सबसे शर्मनाक बात ये है कि जब राहुल गांधी के पिता और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी से इस संबंध में सवाल पूछा गया तो उन्होंने निर्लज्जता पर्वक कहा था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है, तो धरती हिलती ही है। उनका यह जवाब सिखों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा था। गांधी परिवार के बाहर के नेताओं को यथोचित सम्मान न देने के आरोपों से कांग्रेस पहले से ही घिरी हुई है। पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव के निधन के बाद दिल्ली में उनके अंतिम संस्कार की अनमति नहीं दी गई। इतना ही नहीं, नरसिम्हाराव के अंतिम दर्शन के लिए उनका पार्थिव शरीर कांग्रेस मुख्यालय में नहीं रखने दिया गया।

नए साल में भारत के विकास की असीम संभावनाएं



ጆ आर . के . सिन्हा अब इस बात से सारी दुनिया वाकिफ हो चुकी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था डिजिटल होती जा रही है। इस लिहाज से भारत सरकार बेहद गंभीर भी है। इसके तहत ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी डिजिटल साक्षरता और ई-गवर्नेंस को बढावा दिया जा रहा है और आवश्यक संसाधन तेजी से विकसित किए जा रहे हैं। 2025 तक भारत में इंटरनेट उपयोगकताओं की संख्या में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, और डिजिटल वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में तेजी आएगी। भारत में ई-कॉमर्स का बाजार भी तेजी से बढ रहा है। 2025 तक इसके और भी अधिक परिपक्व होने की उम्मीद है, जिसमें ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल भुगतान और लॉजिस्टिक्स में भी पर्याप्त सुधार होगा। डिजिटल भुगतान को भी सरकारी स्तर पर पर्याप्त बढावा दिया जा रहा है। 2025 तक भारत में डिजिटल लेन-देन की संख्या में भी उल्लेखनीय विद्ध हो सकती है। भारत में 5जी तकनीक के प्रयोग में तेजी से विस्तार हो रहा है। २०२५ तक इसका व्यापक रूप से उपयोग होने लगेगा, इसकी उम्मीद है, जो तेज रफ्तार से इंटरनेट की कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। डिजिटल परिवर्तन के साथ साइबर सुरक्षा भी महत्वपूर्ण

2025 कई क्षेत्रों में बडी उपलब्धियों का बड़ा तोहफा देने वाला साल साबित हो सकता है। भारत डिजिटल अर्थव्यवस्था की तरफ लंबी छलांग लगा सकता है। सॉफ्टवेयर और आईटी सेवाएं देने में भी हम सारे संसार का नेतत्व करने की स्थिति में पहुंच सकते हैं। इसी तरह भारत विश्व भर के पर्यटकों के लिए एक सुरक्षित और सस्ता आकर्षण का केंद्र भी बन सकता है, जहां पर्यटकों की रुचि के तमाम केंद्र, हर तरह के खान-पान, स्थानीय कटीर उद्योगों के उत्पाद और गाइड के रूप में अच्छे पढ़े-लिखे बढ़िया अंग्रेजी जानने बोलने वाले विद्यमान हैं, जो एक साथ मुश्किल से ही किसी एक देश में मिल सकते हैं। इनके अलावा भी बहुत सारे क्षेत्रों में हमारे लिए आगे बढ़ने के अनुपम अवसर बन रहे हैं। अब इस बात से सारी दुनिया वाकिफ हो चुकी है कि भारतीय अर्थव्यवस्था डिजिटल होती जा रही है। इस लिहाज से भारत सरकार बेहद गंभीर भी है। इसके तहत ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी. डिजिटल साक्षरता और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दिया जा रहा है और आवश्यक संसाधन विकसित किए जा रहे हैं। 2025 उपयोगकताओं की संख्या में भारी वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, और डिजिटल वित्तीय सेवाओं जैसे क्षेत्रों में तेजी आएगी। भारत में ई-कॉमर्स का बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। 2025 तक इसके और भी अधिक परिपक्व होने की उम्मीद है, जिसमें ऑनलाइन खरीदारी, डिजिटल

भुगतान और लॉजिस्टिक्स में भी

पर्याप्त सुधार होगा। डिजिटल

भुगतान को भी सरकारी स्तर पर

पर्याप्त बढ़ावा दिया जा रहा है।

की संख्या बढ़ती ही रहेगी। 2025 तकनीक के प्रयोग में तेजी से विस्तार हो रहा है। 2025 तक इसका व्यापक रूप से उपयोग होने लगेगा, इसकी उम्मीद है, जो तेज रफ्तार से इंटरनेट की कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। डिजिटल परिवर्तन के साथ साइबर सुरक्षा भी महत्वपूर्ण हो गई है। 2025 तक भारत इस क्षेत्र में और अधिक मजबत हो सकता है. जो डेटा सरक्षा और साइबर अपराधों को रोकने में मदद करेगा। इसके साथ ही भारत दुनिया के सबसे बडे सॉफ्टवेयर विकास और निर्यात केंद्रों में एक बड़ा और मजबूत केंद्र बनकर खड़ा हो चुका इलेक्ट्रॉनिक्स, है। 2025 तक यह क्षेत्र और अधिक मजबूत होने की उम्मीद है, जो विदेशी मुद्रा कमाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। भारत में क्लाउड कंप्यूटिंग का उपयोग बढ़ रहा है। 2025 तक कई संगठन क्लाउड

तक यह क्षेत्र और अधिक कुशल रही है। 2025 तक देश में बेहतर और प्रशिक्षित पेशेवरों को आकर्षित परिवहन कनेक्टिविटी होगी, जिससे कर सकता है। सरकार और निजी व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा क्षेत्र दोनों ही कौशल विकास पर मिलेगा। भारत नवीकरणीय ऊर्जा ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। 2025 तक स्रोतों, जैसे सौर ऊर्जा और पवन यह प्रयास युवाओं को नए आईटी ऊर्जा, के विकास पर जोर दे रहा कौशल सीखने और रोजगार के है। सरकार का लक्ष्य 2025 तक लिए तैयार करने में मदद कर सकते ऊर्जा सुरक्षा हासिल करना और हैं। अब मेक इन इंडिया की बात। जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करना है। भारत में शहरीकरण भी यह पहल भारत को एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने पर केंद्रित है। तेजी से हो रहा है। स्मार्ट सिटी सरकार विदेशी निवेश को आकर्षित मिशन के तहत, सरकार शहरों को करने और घरेलू उत्पादन को अधिक रहने योग्य और कुशल बढ़ावा देने के लिए नीतियां बना बनाने के लिए काम कर रही है। रही है। 2025 तक भारत में 2025 तक स्मार्ट शहरों में बेहतर बनियादी ढांचे, जल आपर्ति. फार्मास्युटिकल्स, और नवीकरणीय स्वच्छता और सार्वजनिक परिवहन ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में विनिर्माण जैसी सुविधाएं होंगी। आयुष्मान भारत योजना देश के लाखों लोगों गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है। रक्षा विनिर्माण में भी को स्वास्थ्य बीमा कवरेज प्रदान सरकार आत्मनिर्भरता हासिल करने करती है। सरकार स्वास्थ्य सेवा पर जोर दे रही है। घरेल रक्षा बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए और सभी के लिए सस्ती और कई कदम उठाए जा रहे हैं। 2025 सुलभ स्वास्थ्य सेवा सुनिश्चित करने तक भारत रक्षा उपकरणों का एक पर ध्यान केंद्रित कर रही है। 2025 प्रमुख निर्यातक बनने की दिशा में तक भारत में स्वास्थ्य सेवा में सुधार आगे बढ़ सकता है। नितिन गड़करी की उम्मीद है, जिसमें बेहतर के नेतृत्व में भारत सरकार सड़कों, अस्पताल, डॉक्टरों और दवाओं रेलवे, बंदरगाहों, और हवाई अड्डों की पहुंच शामिल है। भारत में कृषि जैसे परिवहन बुनियादी ढांचे को

विकसित करने पर ध्यान केंद्रित कर क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का उपयोग बढ

एनालिटिक्स जैसी तकनीकों से किसानों को फसल उत्पादन बढाने और लागत कम करने में मदद मिल रही है। 2025 तक कृषि क्षेत्र में अधिक डिजिटलीकरण होने की उम्मीद है। भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में तेजी से विकास हो रहा है। यह क्षेत्र किसानों के लिए आय बढाने और खाद्य अपशिष्ट को कम करने में मदद कर सकता है। 2025 तक खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में और अधिक निवेश की उम्मीद है। उम्मीद है कि इस साल सेंसर, ड्रोन और जीपीएस जैसी तकनीकों का उपयोग करके किसान अब मिट्टी, पानी और उर्वरक का अधिक कुशलता से उपयोग करले लगेगे। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म किसानों को बाजार, मौसम की जानकारी और अन्य महत्वपूर्ण संसाधनों से तो जोड़ ही रहे हैं। सरकार कृषि अनसंधान और विकास में निवेश कर रही है, जिससे नई फसलें, बेहतर कृषि तकनीकें और कीट नियंत्रण के नए तरीके विकसित हो रहे हैं। स्वास्थ्य की दृष्टि से उत्तम और कम लागत वाली पारंपरिक अन्नों पर जोर देकर मोदी सरकार ने छोटे किसानों के लिए दुरगामी योजना तैयार की है। यह अब तक का दुर्भाग्य ही रहा है कि हमारी सभी पर्ववर्ती सरकारों का ध्यान सिंचित भूमि की कृषि पर ही रहा है, जो पिछले 75 वर्षों में और लाखों करोड़ रुपये का व्यय करने और बांधो और परियोजनाओं के निर्माण में लाखों एकड भिम बर्बाद करने के बाद भी हम मुश्किल से 30-35 प्रतिशत भूमि ही सिंचित कर पाए हैं। प्रकृति और पर्यावरण को सुरक्षित रखते हुए बरसात पर निर्भर पारंपरिक अन्नों, दलहन और तिलहन की खेती करने वाले छोटे और मध्यम वर्ग के किसानों की

विश्व बंधुत्व की भावना से ही बनेगा वैश्विक परिवार

भजन- वैष्णव जन तो तेने कहिए जे पीड पराई जाणे रे अर्थात दूसरों की पीड़ा समझने वाला ईश्वर के समान होता है- इसे भारत सही अर्थों में चरितार्थ कर रहा है। भारत हमेशा से विश्व बंधुत्व की भावना के सिद्धांत को अपनाकर उसी मार्ग पर चलाता आ रहा है। भारत दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जो हमेशा से सभी को साथ लेकर चलने का प्रयास करता रहा है। दनिया के किसी भी देश में कैसा भी संकट आया हो, भारत उसके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा नजर आता है। इसी को कहते हैं विश्व बंधुत्व की भावना। वैश्विक परिवार दिवस यदि दुनिया का कोई देश सही मायने में मनाता है, तो वह भारत ही है। भारत में आज भी अतिथि देवो भव की भावना जिंदा है। यहां के लोग स्वयं भूखे रहकर अतिथियों को भोजन करवाना अपना परम धर्म समझते रहे हैं। वैश्विक परिवार का अर्थ है वसुधैव कुटुम्बकम इसका मूल सिद्धांत यह है कि संपूर्ण मानवता

एक परिवार है। इस विचारधारा के अनसार, प्रत्येक व्यक्ति चाहे वह किसी भी राष्ट्र, जाति, या धर्म से हो, एक ही व्यापक परिवार का हिस्सा है। इस सिद्धांत के अनुसार, विश्व में सभी का समान महत्व है और हर किसी को समान सम्मान मिलना चाहिए। दुनिया भर में लोग नए साल की पहली सुबह का आनंद उठाते हैं। लोग अपने दोस्तों, परिवार और करीबी लोगों के इस खास दिन का जश्न मनाते हैं। नए साल के साथ ही साल के पहले दिन यानी एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। हर साल एक जनवरी को मनाए जाने वाले इस दिवस के जरिए परिवारों के माध्यम से राष्ट्रों और संस्कृतियों में एकता, समुदाय और भाईचारे की भावना पैदा करता है। दुनिया में शांति बनाए रखने के लिए जरूरी है कि एक परिवार का निर्माण हो, ताकि विश्व में शांति की स्थापना होने के साथ ही हिंसा भी कम की जा सकें। जब पूरी दुनिया नए साल का जश्न मनाती है। उसी दिन पूरे विश्व में

वैश्विक परिवार दिवस मनाया जाता है, ताकि विश्व में रहने वाले सभी लोग एक परिवार की तरह रहें। इस तरह विश्व के सभी राष्ट्रों और समुदाय में भाईचारे की भावना पैदा हो सके। वैश्विक परिवार दिवस विश्व शांति दिवस के रूप में भी जाना जाता है। दुनिया में सद्भाव और एकता की अवधारणा को बढ़ावा देने के लिए हर साल मनाया जाता है। यह दुनिया के एक वैश्विक गांव के विचार पर जोर देता है। इसमें नागरिकता, सीमा या नस्ल की परवाह किए बिना हम सभी एक परिवार हैं। एक खुशहाल परिवार वह परिवार नहीं है, जिसमें हर कोई एक दूसरे के जैसा सोचता, काम करता, महसूस करता या व्यवहार करता हो। एक खुशहाल परिवार की एक पहचान यह है कि पूरा परिवार एक दूसरे को वैसे ही स्वीकार करता है। यह दिन पूरे विश्व को एक परिवार मानता है। वैश्विक परिवार दिवस को शांति और साझाकरण के वैश्विक दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन का उद्देश्य

आधारित समाधानों को अपनाएंगे,

जो लचीलापन और कम लागत पर

असीमित दक्षता प्रदान करेंगे। नए

साल में डेटा एनालिटिक्स में कुशल

पेशेवरों की मांग बढ़ेगी, जो

व्यापारिक निर्णय लेने में मदद

करेंगे। आप मानकर चल सकते हैं

कि नृतन साल में आईटी पेशेवरों

बहुसंस्कृतिवाद, बहुलवाद को बढावा देना और शांति और सद्भाव के साथ एक दूसरे के साथ रहना सिखाना है। यह दिन विश्व के एक वैश्विक परिवार होने के विचार को बढ़ावा देता है। इसका उद्देश्य एकजुट होना और इस विचार को बढ़ावा देकर शांति का संदेश फैलाना है कि पथ्वी एक वैश्विक परिवार है, ताकि दुनिया को सभी के लिए रहने के लिए एक बेहतर जगह बनाया जा सके। वैश्विक परिवार दिवस की उत्पत्ति दो पुस्तकों में हुई थी। पहली 1996 में अमेरिकी लेखकों स्टीव डायमंड और रॉबर्ट एलन सिल्वरस्टीन द्वारा लिखित वन डे इन पीस 1 जनवरी 2000 नामक बच्चों की किताब थी। दूसरी किताब अमेरिकी शांति कार्यकर्ता और लेखक लिंडा ग्रोवर का 1998 का यूटोपियन उपन्यास ट्टी आइलैंडरू ए नॉवेल फॉर द न्यू मिलेनियम थी। विशेष रूप से ग्रोवर ने 1 जनवरी को शांति के वैश्विक दिवस के रूप में स्थापित करने काफी अहम भूमिका निभाई थी। इन किताबों के विचारों के आधार

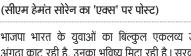
महासभा ने 1 जनवरी को शांति का एक दिन मनाने की घोषणा की। बाद में 1999 में संयुक्त राष्ट्र और इसके सदस्य देशों ने पहली बार वैश्विक परिवार दिवस मनाया। इस दिवस की सफलता को देखते हुए साल 2001 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिन को एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में स्थापित किया। इसके बाद से हर साल एक जनवरी को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। नए साल की शुरूआत के साथ ही इस दिन को मनाने का मकसद एक ऐसे समाज की स्थापना करने का प्रयास है, जहां सिर्फ शांति हो। हालांकि यह एक नई शांतिपूर्ण दुनिया की शुरूआत थी और 1999 में सभी संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों को शांति निर्माण की दिशा में रणनीति विकसित करने के लिए उस विशेष वर्ष के पहले दिन को औपचारिक रूप से समर्पित करने का निमंत्रण मिला। इस दिन के सकारात्मक प्रभाव को देखते हए 2001 में संयक्त राष्ट्र द्वारा

वार्षिक कार्यक्रम घोषित किया गया। पहला वैश्विक परिवार दिवस पहली बार वर्ष 2000 में एक जनवरी को देखा गया था। तब से हर साल नए साल के पहले दिन को वैश्विक परिवार दिवस के रूप में मनाया जाता है। नए साल के आगाज के साथ ही वैश्विक परिवार दिवस भी मनाया जाता है। वैश्विक परिवार दिवस को हर साल एक जनवरी को मनाने का धर्मों के बीच शांति की स्थापना करते हुए युद्ध और अहिंसा को टालना है। साथ ही यह भी कोशिश है कि आपसी मतभेदों को बात-चीत के जरिए से निपटाया जाए, ताकि एक शांतिपूर्ण समाज की स्थापना की जा सके। इस दिन के लिए परिवार को काफी अहम माना गया है, क्योंकि परिवार के जरिए ही विश्व में शांति स्थापित की जा सकती है। वैश्विक परिवार दिवस मनाने का सबसे अच्छा तरीका अपने परिवार के साथ दिन

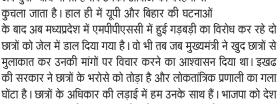
Social Media Corner

सच के हक में.

झारखंड की माटी के लाल, संविधान सभा के सदस्य और पूर्व अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा जी की जयंती पर शत-शत नमन। मरङ गोमके जयपाल सिंह मुंडा जी को सम्मान देते हुए अबुआ सरकार द्वारा ओवरसीज स्कॉलरशिप योजनाओं को चलाया जाता है जिसमें वंचित समाज के युवा हर वर्ष विदेश में सौ प्रतिशत स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा लेते हैं।



भाजपा भारत के युवाओं का बिल्कुल एकलव्य जैसा अंगूठा काट रही है, उनका भविष्य मिटा रही है। सरकारी भर्ती में विफलता बड़ा अन्याय है। पहले तो भर्ती नहीं निकलती। भर्ती निकल जाए तो एग्जाम समय पर नहीं होते। एग्जाम हो तो पेपर लीक करवा दिए जाते हैं। और जब युवा न्याय मांगते हैं तब उनकी आवाज को बेरहमी से



के युवाओं के हक की आवाज किसी कीमत पर दबाने नहीं देंगे। (पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

नए वर्ष में अंतरराष्ट्रीय चुनौतियां

💳 ए वर्ष की दस्तक के साथ नई उम्मीदों 😈 का परवान चढ़ना बहुत स्वाभाविक है। चुंकि पिछला साल और उससे पिछले के कुछ साल भू-राजनीतिक ढांचे में खासी हलचल मचाने वाले रहे, इसलिए इस साल से सबसे बड़ी उम्मीद तो यही है कि दुनिया में स्थायित्व एवं स्थिरता का भाव बढ़े। पिछले साल का सरसरी तौर पर एक सिंहावलोकन करें तो पाएंगे कि कई देशों में चुनाव से लेकर तख्तापलट के नाम रहा 2024 बड़े उतार-चढ़ाव से गुजरा। यूरोप से लेकर एशिया और दक्षिण अमेरिका से लेकर अफ्रीका तक राजनीतिक वर्ग जनता की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा। कई वैश्विक नेताओं को साख के संकट का सामना करना पड़ा। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की नाटकीय रूप से सत्ता में वापसी और सीरिया में बशर अल-असद के दशकों से स्थापित शासन का पतन जैसे अलग-अलग राजनीतिक रंगों को देखते हुए यह कहना गलत नहीं होगा कि वैश्विक ढांचा दूसरे विश्व युद्ध के बाद से सबसे नाजुक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में इस साल से बड़ी उम्मीदें हैं। दुनिया के अलग-अलग कोने संघर्ष का मैदान बने हुए हैं। यह कोई दबी-छिपी बात नहीं कि किसी भी युद्ध की बड़ी भारी कीमत चुकानी पड़ती है। राजनीतिक, आर्थिक एवं नैतिक सभी स्तरों पर इसका असर पड़ता है। जो लोग प्रत्यक्ष रूप से युद्ध का हिस्सा नहीं होते, वे भी किसी न

किसी रूप में उससे प्रभावित होते हैं। विकसित देशों में लंबे समय से यह धारणा स्थापित हुई कि सुदूर लड़े जाने वाले युद्धों से उन पर कोई असर नहीं पड़ेगा। बीता साल उस धारणा को ध्वस्त करने वाला सिद्ध हुआ। ऐसे में स्वाभाविक है कि स्थायित्व एवं स्थिरता के लिए इस साल कुछ नया गुणा-गणित करना होगा। इसकी आवश्यकता इसलिए भी कहीं अधिक बढ़ गई है, क्योंकि भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का नए सिरे से बढ़ना चिंताजनक है। इस कड़ी में विशेषकर पश्चिमी लोकतांत्रिक देशों का रूस-चीन जैसी अधिनायकवादी शक्तियों के साथ संघर्ष तो बढ़ा ही है, यूरोप एवं पश्चिम एशिया में युद्ध के नए मोर्चे भी बन गए हैं। इसने शीत युद्ध के उपरांत उदार लोकतांत्रिक स्थायित्व से जुड़े आशावाद को चुनौती दी है। इस रुझान ने वैश्विक ढांचे के नाजुक पहलुओं को रेखांकित करने के साथ ही परस्पर आर्थिक निर्भरता और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों को भी सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। पारंपरिक सत्ता-शक्ति वाली राजनीति की वापसी ने यही दशार्या है कि वैचारिक एवं भू-राजनीतिक टकरावों की गुंजाइश अब भी कायम है। यह वही राजनीति है जो सेना के जिरये सीमाओं को नए सिरे से खींचने में विश्वास रखती है। तकनीकी प्रगति भी सैन्य रणनीतियों से लेकर युद्ध क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर प्रभावित कर रही है। नए वर्ष की शुरूआत एक ऐसे समय पर

हो रही है, जब दुनिया भ-राजनीति की शक्तियों के विभिन्न पहलुओं के अनुरूप ढल रही है। युक्रेन युद्ध, इजरायल-हमास टकराव, प्रमुख व्यापारिक सामुद्रिक मार्गों के समक्ष उत्पन्न हो रहे खतरों से लेकर स्वाभाविक रूप से चीनी चुनौती दुनिया भर के नीति निमार्ताओं को अपनी नैया पार लगाने के लिए नए चश्मे से नीतियां बनाने की ओर उन्मुख कर रही हैं। वर्तमान स्थितियां ऐसी हैं, जो आर्थिक पहलुओं के जरिए वैश्विक राजनीति को प्रभावित करने वाली अवधारणा को लेकर पुनर्विचार करने पर मजबूर कर रही हैं। डोनाल्ड ट्रंप का उभार इसी का संकेत है, जो वैश्वीकरण के असमान फायदों का राग अलाप रहे हैं। उन्होंने अमेरिकी राजनीति की धारा को इस मुद्दे के जरिए नाटकीय रूप से बदल भी दिया। आर्थिक एवं रणनीतिक मोर्चे पर ट्रंप का पहला कार्यकाल शेष विश्व के साथ अमेरिका की सक्रियता-सहभागिता के स्तर को नए सिरे से निर्धारित करने वाला रहा था। अमेरिकी राजनीति का इस कदर अंतमुर्खी होते जाना शेष विश्व के लिए एक चेतावनी भरी खतरे की घंटी है, जो वैश्विक सुरक्षा के प्रमुख गारंटर के रूप में अमेरिका पर हद से ज्यादा निर्भर रहा है। एक ऐसे समय, जब बड़ी शक्तियों के साथ वैश्विक समुदाय का मोहभंग हो रहा है, तब ग्लोबल साउथ यानी विकासशील देशों की भूमिका स्वतः महत्वपूर्ण हो जाती है।

जॉर्जिया की राजनीति

जॉर्जिया के राष्ट्रपति के रूप में पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी मिखाइल कवेलशिवली के शपथ ग्रहण से इस कोकेशियन देश में राजनीतिक संकट गहरा सकता है। यह देश लगातार सड़कों पर विरोध प्रदर्शन और दमनात्मक कार्रवाइयों से रूबरू रहा है। एक रूढ़िवादी नेता और पश्चिमी देशों के आलोचक कवेलशविली का देश के विपक्ष और उनके पुर्ववर्ती सैलोम जौराबिचविली ने विरोध किया था। पहले कवेलशविली का कोई शपथ ग्रहण नहीं होगा सरीखा वक्तव्य देने वाली सुश्री जौराबिचविली ने उनके शपथ ग्रहण को एक हास्यानुकृति बताते हुए स्वेच्छा से पद छोड़ने का एलान किया। बाद में वह संसद के बाहर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुईं। संकट के ताजा दौर का सिरा अक्टूबर में हुए विधायी चुनावों तक जाता है। पश्चिमी देशों पर संदेह करने वाली और रूस एवं चीन के साथ मजबूत रिश्तों की पैरोकारी करने वाली विदेश नीति की हामी सत्तारूढ़ रूढ़िवादी जॉर्जियाई ड्रीम पार्टी इन चुनावों में जीत गई। विपक्ष ने चुनावों में धोखाधड़ी का आरोप लगाया और दोबारा चुनाव करने की मांग की, लेकिन जॉर्जियाई ड्रीम पार्टी सरकार बनाने की दिशा में आगे बढ़ गई। चुनाव की वैधता पर सवालिया निशान लगाने वालों में पश्चिमी देशों की समर्थक सुश्री जौराबिचविली भी शामिल थीं। चुनावों की सत्यता को चुनौती देने वाले सरकार विरोधी प्रदर्शनों को मौजूदा राष्ट्रपति का समर्थन गहरे राजनीतिक विभाजन का सबूत है। लेकिन, इन सबसे बेपरवाह सत्तारूढ़ दल ने निर्वाचक मंडल की एक नई प्रणाली के तहत कवेलशविली को राष्ट्रपति के रूप में चुना। इस निर्वाचक मंडल में संसद और अन्य क्षेत्रीय व स्थानीय विधानसभाओं के सदस्य शामिल थे। जॉर्जिया का संकट सत्तारूढ़ दल और उसके विरोधियों के बीच एक राजनीतिक रस्साकशी जैसा दिखता है। लेकिन, वास्तविक स्थिति इससे ज्यादा जटिल है। पूर्व सोवियत संघ का एक गणराज्य रहे जॉर्जिया की सीमाएं रूस के साथ लगती हैं और इसकी अवस्थिति रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

MSP & policy alternatives for a fragile sector

THREE farm laws enacted by Parliament for improvement in the agricultural marketing system led to the eruption of farmers' protests in August 2020. After prolonged agitation, the government repealed these laws in November 2021, but the farmers have once again resumed the protest, alleging that the government has failed to fulfil their demands, including that of a guaranteed minimum support price (MSP) for all crops.

Declining agricultural incomes, rising production costs and shrinking employment opportunities have exacerbated the Indian agricultural crisis. It is impacting small and marginal farmers and agricultural labourers disproportionately. For millions of farmers, MSP is a beacon of hope, promising a reasonable return on their toil.

The high-level committee constituted by the Supreme Court of India, while sounding an alarm over the country's agricultural crisis, has echoed the sentiments of the protesting farmers in recommending a loan waiver for farmers and the legal recognition of MSP to protect their income.

Historically, the MSP was introduced in 1965-66 to achieve increased foodgrain production by encouraging the adoption of high-yielding varieties of wheat and rice. It is an administered price of agricultural produce fixed by the Union Government for its purchase from farmers for the public distribution system (PDS) and to ensure that they get a reasonable margin on the cost of production. It also protects the farmers against a distress sale due to a drop in output prices during gluts. However, more than 60 per cent of India's population relies primarily on agriculture for its livelihood despite the sector contributing less than 20 per cent to the nation's economic output. Unfortunately, the underlying core issues of the agricultural crisis have been pushed under the carpet due to the farmers' protests for a legally binding MSP.A legally binding MSP is necessary to make farming a more stable and successful business as no one will be able to purchase farm produce below this price, and doing so would be punishable by law.

The Standing Committee of Parliament on Agriculture, Animal Husbandry and Food Processing has also recently recommended the implementation of legally binding MSP for (a) safeguarding farmers' livelihoods, promoting rural economic growth, and enhancing national food security; (b) stimulating economic activity in these areas and benefiting local businesses and economies; and (c) providing an assured income to farmers to encourage them to invest in agricultural practices, potentially increasing farm productivity and sustainability. However, the MSP is only a part of the problem and farmers will still be struggling for optimum income due to small-sized and highly fragmented landholdings, increasing production costs, lack of demand-driven production and depleting natural resources, namely soil health and water, including groundwater.

Despite its appeal to the farmers, the guaranteed MSP may incentivise them to produce more without paying attention to the market demand and may increase the expenditure of the government and divert funds away from other crucial investments. The purchase of the surplus produce beyond the need for buffer stocks will lead to its offloading to the general public at a discount or losses during storage, causing a financial loss.

Further, the MSP also got tied up in the web of votebank politics to garner public support during the recent elections in Madhya Pradesh, Rajasthan and Chhattisgarh. These states fixed prices higher than the MSP fixed by the Union Government. Accordingly, apart from a guaranteed MSP, a comprehensive policy to address these concurrent concerns is required to put the agricultural sector back on the high growth path. A new policy alternative may be to provide a region-specific rather than a pan-India universal MSP.

Close ranks to fortify the republic

The collective will of people is needed to safeguard India's interests

WITH the onset of the year in which the Indian republic will celebrate 75 years of its establishment, the fervent hope of the majority of its citizens is for social peace and harmony. This can only be achieved if there is a realisation that the path to right the 'wrongs of history' lies through cementing a common nationhood that is respectful of the traditions and faiths of all Indians. That acceptance and respect are also the premise and promise of the republic's foundational principle, so eloquently expressed in the Constitution. A deviation from this

basic constitutional proposition will damage India's capability to successfully navigate the enormous strategic challenges that are growing because of the technological changes underway in a turbulent global environment. The regional situation, too, presents difficulties that can be ignored only at the peril of hurting national interests. And, for India, the key country connecting its regional and global challenges is China. China's threat goes far beyond the border issue. A process of 'normalising' the relationship, which was acutely impaired by China's actions in eastern Ladakh in the summer of 2020, may now have begun. The Ministry of External Affairs' readout of the Narendra

Modi-Xi Jinping meeting on the sidelines of the BRICS summit in October last year noted, "The two leaders affirmed that stable, predictable and amicable bilateral relations between India and China, as two neighbours and the two largest nations on earth, will have a positive impact on regional and global peace and prosperity. It will also contribute to a multipolar Asia and a multipolar world". However, whatever China may agree to during formal summitlevel meetings, it is working for, at least, a bipolar world order and is assiduously seeking a unipolar Asia in which its power and influence prevail. And, the backbone of both these quests lie not only in its economic success and growing military power but also its undoubted and deep advances in the areas of science and high technology.

In 2018, Tim Cook, CEO of Apple, had said, "The popular conception is that companies come to China because of low labour costs. I'm not sure what part of China they go to, but the truth is that China stopped being the low-labour-cost country years ago. And that is not the reason to come to China from a supply point of view. The reason is because of the skill, and the quantity of skill in one location and the type of skill..." He went on to say that the products that were Apple's requirement needed advanced tooling capable of working with state-of-the-art material. He added, "That tooling skill is very deep here. In the US, you could have a meeting of tooling engineers and I'm not sure we could fill the room. In



China, you could fill multiple football fields..."

That was over six years ago. China's drive to develop human capital in the areas of frontier manufacturing continues relentlessly. It is, however, not satisfied with becoming the factory of the world. It is now seeking to reach US and Western European levels in design and innovation in large frontier technology sectors, including artificial intelligence (AI).Till recently, it was commonly and correctly believed that in AI, the US excelled in 'technical innovation' while Chinese companies were competent at 'application innovation'. There was generally a gap of one or two years before the application occurred. However, the Chinese are now realising that there is a fundamental difference between 'technical innovation' and thereafter applying it. Hence, Chinese companies like DeepSeek have come up; they are going rapidly ahead in 'technical innovation'. They do not wish to be followers

anymore. This will pose a challenge to US supremacy in AI, which is destined to change the world. The US will pose impediments in China's path, but will it succeed? It is difficult to predict how deep and extensive will be the transformation of individual lives and international power equations, but it is certain that this will happen, and that too early. Where does India stand in all this and other frontier and emerging areas of science and technology (S&T)? The truth is that while India's economic growth has led it to become the fifth

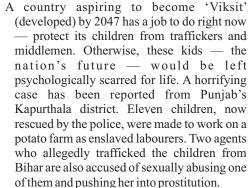
> largest global economy, there is a wide and perhaps growing gap in S&T not only with the West but also with China. Jawaharlal Nehru was acutely aware that European domination of the world, beginning with the 18th and 19th centuries that led to all the horrors of colonialism in Asia, Africa and South America, had occurred because of its Industrial Revolution. Hence, his determination that India should catch up in S&T, both in terms of human capital and industrialisation. In this context, it is good to become aware of the advances Indians had made in S&T in ancient times and convey that to the world, but is that really the path to becoming a strong and powerful country — a genuine pole in a multipolar world? The answer is obvious. All the digging out of glories from our

ancient past, which was ravaged by invaders, will not help us meet the challenges of today. They may satisfy emotional urges of certain sections of the people, and their long-standing feelings of hurt and anguish may be addressed too, but they will not address the strategic threat that the country faces from China. In the current year and beyond, China's involvement in India's immediate neighbourhood will only increase. Its intrusion in India's western neighbourhood, substantial for decades, will continue. The situation in Bangladesh is ripe for its pernicious intervention and it will increase its presence in the Indian Ocean Region.

In such circumstances, it is the collective will of cohesive people — shedding prejudices, not dwelling on the past but taking India forward to become a leader in S&T innovation and applications and strong in defence — that is needed to safeguard India's interests.

Children in peril

Kapurthala trafficking case a wake-up call



The incident has come to light days after a businessman running a packaging company in Maharashtra's Thane district was booked for allegedly making children work as labourers.

Unfortunately, kids remain vulnerable to exploitation even though there are myriad laws aimed at ensuring deterrence. The Child and Adolescent Labour



(Prohibition and Regulation) Act, 1986, prohibits the employment of children below 14 years in any occupation; those in the age group of 14 to 18 years

cannot be forced to work in hazardous occupations where their health and safety are at risk. The Juvenile Justice (Care and Protection of Children) Act and the Protection of Children from Sexual Offences Act have strict provisions as well, but enforcement leaves a lot to be desired. Timely response to complaints about child labour holds the key to curbing this scourge. Synergy between Central and state governments — and among the states too — is another prerequisite. In many cases, it's poverty that drives parents to take desperate measures. They force their kids into labour to support the family; this not only disrupts the children's studies but also exposes them to the big, bad world. Targeted welfare schemes must go hand in hand with efforts to

strengthen the justice delivery system. Let no one's childhood be ruined, for that would be a great loss to the entire nation.

Navigating Bangladesh's internal strife & external pressures

While India should not get involved in the internal affairs of Bangladesh, it should continue to provide Hasina asylum.

DESPITE facing a strange and virtual US-China alliance during its birth in 1971, Bangladesh has had Despite facing a US-China opposition, a record of rapid economic growth in recent years. Also, notwithstanding the uncertainties and frequent natural disasters since its independence in 1971, it has witnessed a robust economic growth and poverty reduction. One of the world's poorest nations at birth, it reached the lower-middle income status in 2015.

In the meantime, its former PM Sheikh Hasina has recently sought refuge in India after being threatened with arrest by the local "authorities", headed by an interim administration led by a US-educated agriculturist and Nobel Prize recipient, Muhammad Yunus. Yunus and the Bangladesh Grameen Bank were awarded the Nobel Peace Prize in 2006, for their work to "create economic and social development from below." Established in 1983, the bank's objective has been to grant poor people small loans on easy terms, also known as 'micro-credit'.

Sheikh Hasina, now living in exile in India, has seen her father Sheikh Mujibur Rahman killed in a bloody military coup in 1975. He had led his people to freedom and democratic rule in 1971. Both the US and China appear to have had a distrust and dislike for Sheikh Mujib and his daughter.

Hasina, who was naturally friendly to India, had faced the none-too-friendly feelings displayed by the then blossoming anti-Soviet alliance of the US and China. She was succeeded by regimes not exactly friendly to India. Things, however, changed with time. If Sheikh Mujib faced US and Chinese hostility in the 1970s, his daughter and successor appears to be facing a similar situation today. Today, the US and China are not exactly the best of friends, as they were

in the early 1970s.

Hasina has had a track record of commitment to her country's strategic autonomy, economic growth and secularism. She has also not forgotten India's role in the liberation of her country from Pakistani military excesses.Bangladesh is now facing a situation where the US-backed Yunus has become a key player in the country's leadership. It is no secret that Yunus has strong pro-American leanings, which have helped in him being appointed head of the Bangladesh government recently.Interestingly, Hasina's ouster evidently has the backing not only the Biden administration but also its rival China. What is also interesting is that both China and the US appear to share identical views on the appointment of Yunus as her successor. It needs to be

borne in mind that Yunus has high political ambitions. There is no doubt that a concerted effort has been made, including by the US and China, to discredit Hasina. This effort ignores the economic progress that Bangladesh achieved in the years when Hasina headed the government. Moreover, it is for the people of Bangladesh, and not foreign powers, to both determine its leadership or undermine an elected government.

Bangladesh is the largest development partner of India today. New Delhi has provided it three lines of credit, amounting to \$8 billion, for the modernisation and development of such sectors as shipping, ports, roads



and railways. China and Pakistan are, by all accounts, determined to curb and limit India's influence across the Indian Ocean, through which oil supplies flow from the Strait of Hormuz to the Strait of Malacca and beyond. As the Trump administration assumes charge, India must hold a comprehensive dialogue with the US and other like-minded countries across the Indo-Pacific region. This is needed to ensure the security of its sea lines of communication. India is, meanwhile, developing its maritime capabilities in weapons systems, ranging from aircraft carriers and warships to missile power. This enables it to cooperate with the US, Japan and other like-minded countries, as also, most importantly, countries in the Persian Gulf.

Insecurity and instability across this region can have serious implications for global energy supplies. Prime Minister Narendra Modi's interest in this region is evident from his recent visit to Kuwait.

Looking back, it was the budding Nixon-Mao-General Yahya Khan alliance of the US, Pakistan and China in 1971 that led to a virtual genocide in Bangladesh and the flow of an estimated 10 million refugees from the then East Pakistan into India. It was Sheikh Mujibur Rahman who led the freedom struggle of Bangladesh. One also recalls that the then Prime Minister Indira Gandhi had no interest in keeping the Indian forces deployed indefinitely in Bangladesh. She was, however, shocked at the brutal assassination of Sheikh Mujib.

Things have moved on significantly since then, but India would need to obtain US support to contain a possible Chinese thrust into Bangladesh. China has recently strengthened access to the Bay of Bengal at the Kyaukphyu deep sea port in Myanmar. While India should not get involved in the internal affairs of Bangladesh, it should continue to provide Hasina asylum. It should work with the US and others to see that Bangladesh strengthens its democratic institutions and holds free and fair elections in which Hasina and her party men are also free to participate.

IT companies may report surge in Q3 revenue growth

BENGALURU. Though there will be seasonal furloughs, IT services firms are likely to perform better and will report improvement in growth momentum in the third quarter of this financial year.

Starting next week, IT firms will announce their December quarter results. The country's largest IT services firm Tata Consultancy Services will report its Q3 results on January 9 and the board will consider and approve the third interim dividend for FY25. The record date for dividend will be on January 17.

Emkay Global Financial Services in its research report said recovery in BFSI will aid growth, while weakness in manufacturing, mainly auto, is likely to weigh on growth. "BFSI is showing signs of healthy recovery, but uncertainties remain on pace of recovery in other verticals. Seasonal furloughs and lower working days should keep revenue growth muted on a QoQ basis," it said.HCLTech might lead organic revenue growth in tier-1 companies. It says the IT firm will raise its guidance to 4.5-5.5% (from 3.5-5%), factoring in CTG (Communications Technology Group) acquisition. In May, it acquired the CTG, a business division of HPE for \$225 million. In Q2, Infosys revised its FY25 revenue guidance from 3-4% to 3.75-4.5% on the back of performance in Q2 and ramp up of mega deals pipeline. Emkay said in Q3, deal wins might remain similar to Q2. However, absence of mega deals and weak discretionary spending should continue to weigh on deal intake in Q3.

Brokerage firm Motilal Oswal Financial Services expects tier-2 firms to continue to outpace tier-1 firms in growth during third quarter. While the initial phase of recovery in 1HFY25 was sluggish, it sees clear signs of an acceleration. "Recovery appears to be expanding beyond US BFSI, which continues to strengthen, into additional industry verticals like HiTech, which is recovering ahead of schedule. The most important catalyst for the sector would come after 3QFY25, when client budgets for CY25 would be finalised and the magnitude of change in client behavior would become clearer," it said.

US no longer among India's top crude oil suppliers; Russia leads with 31% share

NEW DELHI. The United States no longer remains one of the top five crude oil suppliers to India as African nation Angola nudged ahead of the US in December. Russia continues to be the top suppliers of oil to India even though India's dependence on Russian oil has fallen. According to energy cargo tracking firm Vortexa, Russian crude made up 31% of India's imports, the lowest share of the year, while the US accounted for just 1%. This marks the second consecutive month of declining Russian imports, driven by reduced discounts. Meanwhile, the US dropped out of India's top five crude suppliers, with Angola moving into the fifth position. Not long ago (in August 2024), US accounted for 8% of India's crude oil imports.

"In December 2024, the top five supplies included Russia, Iraq, Saudi Arabia, the United Arab Emirates, and Angola, with Angola overtaking the United States as the fifth largest crude supplier. Indian refiners turned towards African and Middle Eastern producers for crude as Russian crude exports fell. India's crude imports grew 2% year over year, summing to 4.57mbd in 2024," said Xavier Tang, Market analyst at Vortexa. However, India's overall crude imports in December increased by 4% to 4.46 million barrel per day.

Meanwhile, comedian Kunal Kamra asked Blinkit CEO to reveal wages of delivery partners. He asked Dhindsa on X, "Can you also enlighten us with data on the average wages you paid your delivery partners in 2024."

Over 100 flights delayed due to fog in Delhi, visibility zero in many parts

NEW DELHI. More than 100 flights were delayed at the Delhi airport on Friday morning as visibility dropped to zero in some areas due to dense fog. A thick blanket of fog engulfed the national capital in the morning, with the weather department predicting cloudy skies for much of the day. Delhi's minimum temperature was recorded at 7 degrees Celsius, the



weather office said. An official said over 100 flights have been delayed at the Delhi airport due to bad weather conditions but there are no diversions so far. "While landing and takeoffs continue at Delhi Airport, flights that are not CAT III compliant may get affected. Passengers are requested to contact the airline concerned for updated flight information. Any inconvenience caused is deeply regretted," Delhi International Airport Ltd (DIAL) said in a post on X at 6.35 am. The India Meteorological Department (IMD) said the IGI Airport experienced very dense fog with visibility recorded at 0 metres. It said all runways are operating under CAT-III, which allows aircraft to operate in low visibility conditions. The IGI airport handles around 1,300 flight movements daily. At 8 am, Palam weather station reported very dense fog with 0 metres visibility and calm winds over the past two hours, while the city's primary weather station, Safdarjung, reported visibility of 50 metres with calm winds, according to a weather department official. The weather office has predicted very dense fog for Friday, with the maximum temperature expected to settle around 17 degrees Celsius.Delhi's air quality was in the "very poor" category, with an AQI reading of 351 at 9 am. The humidity was recorded at 100 per cent at 8.30 am.

Markets up nearly 2 per cent, investors richer by Rs 6L crore

NEW DELHI. Domestic equity markets surged on Thursday, the second trading session of 2025, driven by optimism over improved third-quarter earnings. Robust performance by auto companies in December further bolstered buying sentiment, fueling the rally.Benchmark indices, BSE Sensex and NSENifty50, gained about 2% with the former breaching the 80,000 mark in intraday deals.At close, the Sensex was up 1,436.30 points or 1.83% at 79,943.71, and the Nifty surged 445.75 points or 1.88% to close at 24,188.65.The sharp rally added more than Rs 6 lakh crore to investors' kitty as the market capitalization of all BSE listed companies grew from Rs 445.94 lakh crore on Wednesday to Rs 452 lakh crore on Thursday. Foreign institutional investors (FIIs) also joined the part as they were net buyers (purchased shares worth Rs 1,507 crore) on Thursday.NEW DELHI: Domestic equity markets surged on Thursday, the

second trading session of 2025, driven by optimism over improved third-quarter earnings. Robust performance by auto companies in December further bolstered buying sentiment, fueling the rally.Benchmark indices, BSE Sensex and NSENifty50, gained about 2% with the former breaching the 80,000 mark in intraday deals.At close, the Sensex was up 1,436.30 points or 1.83% at 79,943.71, and the Nifty surged 445.75 points or 1.88% to close at 24,188.65.

The sharp rally added more than Rs 6 lakh crore to investors' kitty as the market capitalization of all BSE listed companies grew from Rs 445.94 lakh crore on Wednesday to Rs 452 lakh crore on Thursday. Foreign institutional investors (FIIs) also joined the part as they were net buyers (purchased shares worth Rs 1,507 crore) on Thursday. Banking and IT stocks



performed well, as the economy bottomed in Q2." In Nifty50 pack, the biggest gainers were Bajaj twins, Eicher Motor, Maruti Suzuki and Shriram Finance. In the broader market, BSE Midcap and Smallcap indices added 1% each. Shares of Bajaj Finance and Bajaj Finserv soared up to 8.5% on Thursday, setting a positive tone for the financial

sector. The optimism came after foreign brokerage Citi reaffirmed its 'BUY' rating on Bajaj Finance with an ambitious price target of Rs 8,150, an upside of more than 17% from its closing price on Wednesday.

Santosh Meena, head of research at Swastika Investmart said that the market had been extremely oversold for several days, with FIIs holding heavy short positions in index futures. "From a technical

perspective, Nifty had been struggling to sustain above its 200-DMA. However, today it not only crossed the 200-DMA effortlessly but also managed to surpass the 50-DMA and 20-DMA levels. This momentum is likely to continue, with the next target being the 100-DMA, around the 24,600 level," added Meena.

Union Budget 2025 To Be Presented By Nirmala Sitharaman On February 1 Check Timings And Other Details

presenting the Union Budget on

February 1 was started by then Finance

Minister Arun Jaitley in 2017. Prime

The convention of presenting the Union Budget on February 1 was started by then Finance Minister Arun Jaitley in 2017.

New Delhi. Union Finance Minister Nirmala Sitharaman is expected to present the Union Budget 2025 on February 1, considering the usual convention of Budget presentation on the first day of February for the last several years. Although the official confirmation on the Budget presentation date has not come, it is most likely that the government will maintain the convention of presenting it on February 1. The convention of

Minister Narendra Modi's government, led by FM Jaitley decided to ditch the

old tradition of presenting the budget on the last working day of February. The government also merged the tradition of presenting a separate Railway Budget, which had been a thing for a good 92 years.

As per the usual timing of tabling the Budget, FM Sitharaman is expected to

stick to 11 am as the time of presenting her speech. In the old days, the budget used to be revealed at 5 pm on the last working day of February. However, during the Atal Bihari Vajpayee-led

NDA government era, then Finance Minister Yashwant Sinha in 1999 presented the Union Budget at 11 am instead. And ever since, the Budget tabling timings have remained as 11 am. Union Budget 2025: Stock exchanges to remain open on February 1Despite it being a Saturday, the Indian stock exchanges will be open for trade on Budget Day 2025. NSE and

on Budget Day 2025. NSE and BSE shared in two different notifications. Markets will remain open for equity from 9 am to 3:30 pm and for commodities it's 5 pm.inance Minister Nirmala Sitharaman has so far held a series of meetings with various stakeholders, including MSMEs, farmers' associations, and economists.

Indian Housing Sector To Contribute 13% To National GDP By 2025: Report

New Delhi. The housing sector in the country is expected to contribute 13 per cent to the national GDP by 2025, reflecting its resilience and potential, according to a report on Friday.

Projected to grow into a \$1-trillion market by 2030, the sector is evolving in response to demographic shifts, policy reforms, and global trends, according to the report by JLL, a leading global commercial real estate and investment management company. Tier 2 and 3 cities are emerging as pivotal growth hubs, with smaller urban centres like Jaipur, Indore and Kochi driving more than 40 per cent of new housing developments by 2025. The urban homeownership rate is set to increase to 72 per cent by 2025, up from 65 per cent in 2020, supported by affordable financing options and a younger demographic entering the housing market.Millennials and Gen Z buyers are expected to comprise 60 per cent of new homebuyers by 2030, the report mentioned. Sustainability, once considered a luxury, is now a

Biwi Bhaag Jayegi': Gautam Adani's Apparent Fun Jibe At Narayana Murthy's 70-Hour Work Week Advice



New Delhi. In a humorous yet thoughtprovoking way, Indian billionaire and business magnate Gautam Adani has contributed his voice to the ongoing conversation about work-life balance. By stressing the value of individual satisfaction over social expectations, the chairman of the Adani Group discussed the uniqueness of balance. He said it is up to the individual to determine whether they are content

with spending quality time with their family. And if someone was spending eight hours at work, "toh biwi bhaag jaegi," he joked. His remarks coincide with the heated debates triggered by the advocacy for a 70-hour workweek by Narayana Murthy, co-founder of

Infosys.Gautam Adani discussed his

thoughts on successfully managing

one's personal and professional lives in

a video shared by news agency IANS

on December 26. Speaking candidly the businessman said, "If you enjoy what you do, then you have a worklife balance. Your work-life balance should not be imposed on me, and my work-life balance shouldn't be imposed on you."Adani emphasized that people should choose what makes them happy, highlighting the significance of personal choice. You should decide if you are happy with spending, say, four hours with your family. And if someone's spending eight hours, toh biwi bhaag jaegi (the wife will run away)," he joked. Adani believes that shared satisfaction is the real meaning of work-life balance. "If it brings you happiness and the other person is also happy, then that's the true definition of work-life balance," he

Adani's comments come amid a debate triggered by Narayana Murthy's advocacy for a 70-hour workweek for the younger generation. Adani's approach promotes personal balance over societal norms, emphasizing the significance of individuality in achieving work-life harmony.



necessity in the housing market. Green-certified buildings are expected to account for 30 per cent of new residential projects by 2025, doubling from 15 per cent in 2020.

The number of residential units sold during 2024, translating to approximately 85 per cent of the total units sold during entire 2023.

2024 saw a remarkable 17 per cent increase in sales compared to the same in 2023. This upward trajectory in demand paved the way for sustained growth in the country's residential asset class, said the report.ixed-use developments are becoming increasingly popular, reflecting a global trend towardscreating live-work-play environments. "These developments combine residential, commercial, and recreational spaces within a single project, offering residents the convenience of having everything they need within walking distance," the report mentioned.

The demand for smart homes and tech-integrated living spaces is also skyrocketing, it added.

Asian Paints stock down 33% in 3 months; is the worst over Tech view here

Asian Paints stock has been testing its 20-day daily moving average after a gap of three months. Chart shows near hurdle for the stock placed at Rs 2,397 above which a pullback rally seems likely.

NEW DELHI. The Asian Paints stock plunged 33.5 per cent from its peak of Rs 3,395 in September to a low of Rs 2,257 last month. In the process, the stock broke below its super trend line on the monthly scale for the first time in more than six years. On the daily and the weekly scale the stock has been consistently trading below the key moving averages for the last three months. However, on Friday, for the first time in little over three months, Asian Paints stock has managed to trade above its 20-day DMA (Daily Moving Average). The 20-DMA stands at Rs



2,343, while the stock thus far in the day has hit a high of Rs 2,349, and gained nearly 4 per cent from its recent low. Does this signal that the worst is over for Asian Paints stock? Or is further pain likely? Here's what the technical charts suggest. Asian Paints

Current Price: Rs 2,345

Upside Potential: 13.2% Downside Risk: 8.4% Support: Rs 2,255; Rs 2,148 Resistance: Rs 2,930; 2,440 Even as Asian Paints is seen attempting to

conquer its 20-day DMA (the short-term moving average), the stock faces overhead resistance around Rs 2,397 - the

super trend line on the daily scale. The stock will need to clear both, the 20-day DMA and the super trend line resistance, for hopes of a pull-back rally in the near-

As such, the stock can attempt a bounce to Rs 2,570 levels; above which a rally towards Rs 2,655 seems likely. Interim resistance for the stock can be expected at Rs 2,440. The broader trend shows that Asian Paints stock seems to be seeking support around its 100-MMA (Monthly Moving Average). The 100-MMA stands at Rs 2,148, and the stock till date has never broken below the same. As such, technically this level becomes crucial for the stock. For now, the 20-DMA at Rs 2,343 holds the key, as this also coincides with the lower-end of the Bollinger Bands on the monthly scale. Sustained trade below the same augurs well for the bears and vice versa. Interim support for the stock can be expected around the recent lows of Rs 2,255 levels. CLICK HERE FOR THE CHART

In case, the 100-MMA is violated it shall bring the 200-MMA into focus, which stands at a distance afar at Rs 1,285.

Wife not wearing 'purdah' is not cruelty, can't be ground for divorce: High Court

▶The Allahabad **High Court** ruled that a woman's choice to not wear a 'purdah' (veil) does not amount to cruelty and cannot justify divorce.

Enforcement Directorate

Conducts Searches At 5 Locations

Linked To DMK MP Kathir Anand

New Delhi. The Enforcement Directorate (ED) conducted

raids on Friday at five locations linked to DMK leader

and Member of Parliament Kathir Anand. Kathir Anand

is the son of S Duraimurugan, a senior DMK leader and

the second-in-command in the Tamil Nadu Chief

Minister MK Stalin cabinet, represents the Vellore Lok

Sabha constituency. The ED had carried out searches at

the premises of DMK leader and Tamil Nadu Forest

Minister K Ponmudy and his son Gautham Sigamani in a

money laundering case in July 2023. These actions

against its party's leaders have prompted the DMK to

blame political vendetta. In 2019, then-President Ram

Nath Kovind had acted on a recommendation from the

Election Commission of India to rescind the Lok Sabha

election in Vellore due to the seizure of Rs 11 crore

unaccounted cash from Kathir Anand and locations

linked to him. Two days before the April 18, 2019

A reelection was held in August 2019, where Kathir Anand

won on a DMK ticket by a narrow margin of 8,141 votes.

He defeated AIADMK's AC Shanmugham. He again

defeated the latter, who had by then joined the BJP, in the

2024 Lok Sabha election. He secured a comfortable

election, the polls in Vellore were cancelled.

victory with a margin of 2,15,702 votes.

New Delhi. The Allahabad High Court has stated that a woman's choice to forgo wearing a 'purdah' (veil) does not constitute cruelty towards her husband and, therefore, cannot be used as a basis for seeking divorce. A division bench comprising Justice Saumitra Dayal Singh and Justice Donadi Ramesh made this observation while hearing an appeal filed by a man whose divorce petition had been dismissed by a lower court. The

court granted the divorce, citing desertion, as the husband and wife had been living apart for

The husband had cited two reasons for seeking divorce: mental cruelty, claiming that his wife was independent, frequently went out on her own, and did not observe the practice of 'purdah'; and desertion. The couple married on February 26, 1990, and their 'gauna' ceremony occurred on December 4, 1992. Gauna is a Hindu wedding ceremony in northern India when the bride goes to her The court allowed the man's appeal, saying, husband's house after marriage. They welcomed a son on December 2, 1995. While



they lived together sporadically, they have not cohabited for more than 23 years, and their son is now an adult.

has deserted the appellant for very long. In any case, the respondent (wife) is found to have deserted the appellant and to have sustained that desertion for a long period, which has now exceeds 23 years. That wilful act of the respondent and her refusal (even now) to cohabit with the appellant to revive her matrimonial relationship appears to be an act of desertion committed of degree as may itself lead to dissolution of her marriage. Here, we note, the respondent has not only refused cohabitation with the appellant, but

► Allahabad HC rules no cruelty in wife forgoing 'parda'.

►Husband's divorce plea initially dismissed by lower

▶Couple married in 1990, separated for over 23 years.

"The appellant may claim mental cruelty committed by the respondent to the extent she she has also never made any effort to seek restitution of her conjugal rights," the court

Delhi bakery owner suicide case: Family, in-laws likely to be questioned

In a bid to verify the statements recorded by Khurana on his mobile phone before hanging himself, the police will be sending a team to his house and will also be questioning his friends

New Delhi. The Delhi Police are likely to take the family members and the in-laws of Puneet Khurana, a Delhibased cafe owner who died by suicide allegedly over an ongoing dispute with wife, in for questioning, news agency PTI reported.In a bid to verify the statements recorded by Khurana in a 54-minute video on his mobile phone before hanging himself, the Delhi Police will be sending a team to

Khurana's home and will also be questioning his friends, according to PTI.Khurana hanged himself at his home in Delhi's Model Town on Tuesday. His family has alleged that Khurana's wife, Manika Pahwa, and his in-laws were mentally harassing



Khurana's family further claimed that his wife had kept on pressurising him to give away a share of his bakery business, prompting him to take the extreme step.Khurana's family said that he was "upset with his wife", who co-owned the For God's Cake bakery

and food joint called Woodbox Cafe, which shut down a while back.Khurana's sister claimed that Manika, her parents and her sister forced her brother to take his own life by saying, 'you can't do anything, die by suicide if you dare,' reported news agency ANI. "Manika threatened to throw our parents out of the house," she further toldANI.

Meanwhile, Khurana's mother also claimed that her son silently suffered at the hands of Manika and didn't inform them

in the fear that they will be upset.Khurana's distraught mother said that she thought that the divorce would bring some peace to her son's life. However, that was not to be, following regular spats over the business, Khurana's mother further alleged.

Right To Property A Constitutional Right, **Says Supreme Court**

New Delhi. The Supreme Court has said that the right to property is a constitutional right and an individual cannot be deprived of his property without him being paid adequate compensation in accordance with the law.A bench of justices B R Gavai and K V Viswanathan said the right to property ceased to be a fundamental right due to the Constitution (Forty-Fourth Amendment) Act, 1978, however, it continues to be a human right in a welfare state and a constitutional right under Article 300-A of the Constitution.

Article 300-A of the Constitution provides that no person shall be deprived of his property, save by authority of law. The top court delivered its verdict on Thursday on an appeal challenging a November 2022 judgement of the Karnataka High Court in a matter pertaining to land acquisition for the Bengaluru-Mysuru Infrastructure Corridor Project (BMICP)."As discussed hereinabove, though the right to property is no more a fundamental right, in view of the provisions of Article 300-A of the Constitution of India, it is a constitutional right," the bench said.

'A person cannot be deprived of his property without him being paid adequate compensation in accordance with law for the same," it said in its verdict on the compensation related to the infrastructure corridor project. The bench noted that in January 2003, a preliminary notification was issued by the Karnataka Industrial Areas Development Board (KIADB) for acquiring lands for the project and in November 2005, the possession of land of the appellants was taken

The top court said the land owners, who were appellants before it, were required to knock at the doors of the courts on a number of occasions during the last 22 years and they have been deprived of their property without any compensation for the same. It noted there was no delay which could be attributed to the appellants in not getting compensation, but it was on account of the "lethargic attitude" of the officers of the State/KIADB that the appellants were deprived of compensation. The bench said that only after notices were issued in contempt proceedings, the compensation was determined by the Special Land Acquisition Officer (SLAO) on April 22, 2019, taking guideline values prevailing in 2011 for determining the market value of the acquired

It said if the compensation to be awarded at the market value as of 2003 was permitted, it would amount to permitting a travesty of justice and making the constitutional provisions under Article 300-A a mockery. It was a fit case for the apex court to exercise its powers under Article 142 of the Constitution and direct the shifting of the date for determination of the market value of the land of the appellants.

Over 200 Flights Delayed, Train Ops Hit In Delhi As Dense Fog Reduces Visibility To Zero

New Delhi. Dense fog enveloped various parts of North India, bringing visibility and temperatures down and impacting train and flight operations. At Delhi's India Gandhi International Airport, 202 flights were delayed as visibility came down to zero.

As per the past 24 hours data of the IMD, Delhi witnessed a maximum temperature of 16 degrees Celsius, a departure of three degrees below normal and and minimum of 7.6 degrees Celsius. Delhi is expected to witness fog till January 8, with light rain likely on January 6. The temperature in Delhi as of Friday morning was 9.6 degrees Celsius, making it the fifth cold day in a row for the National Capital.

At 8 am, the Palam airport in Delhi reported a 0 m visibility, while the Safdarjung Airport in New Delhi reported a 50-metre visibility. Both the airports are not used for commercial flight operations. As per the CPCB, the Air Quality Index is at 309 at the Lodhi Road station, categorised as 'Very Poor'.

Flights of many airlines, including SpiceJet, Indigo and Air India, were affected even as the Delhi airport reported an average delay of six minutes for arrival flights and 47 minutes for departure flights, as per FlightRadar24. While SpiceJet said all flights coming in and going to Amritsar and Guwahati are affected due to bad weather, IndiGo issued a travel advisory with special focus on the Delhi, Amritsar, Lucknow, Bengaluru and Guwahati routes.

Airlines urged travellers to check flight schedules while planning their journey, while also warning that flights might be cancelled if the visibility remains poor.

Trains departing from and arriving in Delhi are also running late, while some route are being operated with changed timings.

At least 24 trains departing from Delhi were delayed due to weather-related conditions. Among the affected trains, the Ayodhya Express was delayed by four hours, the Gorakhdham Express was running more than two hours late, and the Bihar Kranti Express and the Shram Shakti Express were delayed by over three

Dense fog is expected to remain over Delhi, Lucknow, Bengaluru, Amritsar and Guwahati on Friday. The India Meteorological Department's (IMD) Nowcast warning for dense to very dense fog has been issued for Delhi, Rajasthan's Kota, Bundi, Sikar, Jhunjhunu, Churu, Sri Ganganagar and Tonk, Punjab's Amritsar, Gurdaspur, Tarn Taran and Kapurthala, and Haryana's Kurukshetra, Amabal, Panchkula and Yamunanagar. Meanwhile, light rain and snow is expected in parts of Himachal Pradesh and Ladakh.A "cold day" is when the minimum temperature is under 10 degrees Celsius and the highest or lowest temperature is at least 4.5 degrees lower than what is considered normal for a specific period.

Dera Chief Gurmeet Ram Rahim Gets Top Court Notice In 2002

-The notice comes after the CBI moved a plea challenging the Punjab and Haryana High **Court's decision** to acquit Ram Rahim and his co-accused in the case.

NEW DELHI. The Supreme Court today issued a notice to Dera Sacha Sauda chief Gurmeet Ram Rahim Singh along with four others, in connection with the 2002 murder case of Ranjit Singh, a former Dera manager. The notice comes after the CBI moved a plea challenging the Punjab and Haryana High Court's decision to acquit Ram Rahim and his co-accused in the case. A bench comprising Chief Justice of India Sanjeev Khanna and Justice Sanjay Kumar noted that the case is already being heard by a bench led by Justice Bela M Trivedi and the matter will now be listed before her bench for further proceedings.

On July 10, 2002, Ranjit Singh was shot dead in the Khanpur Colony of Haryana's Kurukshetra. Mr Singh's murder was linked to his suspected role in the circulation of an anonymous letter exposing allegations of sexual exploitation of women by Gurmeet Ram



Rahim at the Dera's headquarters in Sirsa. The letter, which described how women followers were being abused, had caused public outcry.

In 2021, a special CBI court in Panchkula convicted Gurmeet Ram Rahim and four others - Avtar Singh, Krishan Lal, Jasbir Singh, and Sabdil Singh - for their roles in the murder. The court awarded life imprisonment to all five and imposed substantial fines: Rs 31 lakh on Ram Rahim, Rs 1.50 lakh on Sabdil Singh, Rs

1.25 lakh each on Jasbir Singh and Krishan Lal, and Rs 75,000 on Avtar Singh.

The CBI court's order concluded that Ram Rahim orchestrated the murder because he suspected Mr Singh's involvement in circulating the letter that exposed allegations of rape and exploitation.In May 2024, the Punjab and Haryana High Court overturned the CBI court's conviction and acquitted all five accused in the Ranjit Singh murder case.

Ram Rahim had appealed his conviction in all the cases against him, including the rape cases and the murder of journalist Ram Chander Chhatarpati.

Gurmeet Ram Rahim Singh's conviction in 2017 for the rape of two women followers led to violence and unrest across Haryana, Punjab, and parts of Delhi. The violence resulted in the deaths of 30 people and injuries to over 250. The Army had to be called in to restore order.

Delhi BJP Chief Will Not Contest In Assembly Elections: Sources

New Delhi. Delhi BJP chief Virendra Sachdeva will not be contesting in the upcoming Assembly elections, sources told. This comes amid talks that he might be contesting in the polls. The BJP is yet to release their first list of candidates for the elections, while the incumbent Aam Aadmi Party has released their full list. The elections in the National Capital are scheduled for February.

The Aam Aadmi Party has been in power since 2015, securing a thumping majority twice in the Assembly elections. But, in the Lok Sabha elections, AAP has failed to win a single seat since 2014 and BJP won all seven. The upcoming elections are being viewed as a fiercely contested battle between BJP and AAP, which is witnessing an aggressive poster war, with BJP alleging that AAP is resorting to voter fraud in a bid to retain power and the latter countering with a video poster "GOAT" (Greatest of All

Time). On January 1, the Delhi BJP chief wrote a letter to Mr Kejriwal, asking him to give up his "bad habits of lying and cheating."

"All of us, since our childhood, take a resolution on New Year's Day to give up bad habits and do something good and new. Today, on the first day of New Year 2025, all the people of

Delhi hope that you will bring about meaningful change in yourself by giving up your bad habits of lying and cheating," Mr Sachdeva, the Delhi BJP chief, wrote in his letter. He asked the former Chief Minister to apologise to the people of Delhi for promoting liquor. The exchange of letters came after Mr Kejriwal wrote a letter to RSS chief Mohan Bhagwat, raising questions



related to the actions of the BJP, including whether the RSS thinks that the ruling party is "weakening democracy."In the heated campaign, AAP alleged that the BJP is getting voters' names struck off the list in a desperate attempt to win the election, the BJP has accused them of getting fake voters' names added to the list to bolster its support.Mr Kejriwal said the BJP had officially sought the removal of names

Assembly segment. "We won the Assembly seat last time by a margin of 5,000 votes. If these 11,000 names were struck off, there would be no chance for a win this time. But they were caught red-handed and those names were not deleted. We are thankful to the Chief Election Officer for stopping this.'

State BJP chief Virendra Sachdeva, on the other hand, said the number of voters in Delhi saw a

huge jump between the 2014 Lok Sabha polls and the Assembly election next year. The same, he said, was observed after the 2019 general election. "Who got these new voters? There are no answers. They are trying to play the same game this time. BJP is saying those who don't live in Delhi anymore, those who have died, why should their names be on the list?"

Concerns Rise As Covid-Like **HMPV Virus Spreads Across** Asia

World. As respiratory illnesses alarmingly increase in China, there are complaints of congested hospitals and overburdened healthcare systems. Health experts are especially worried about the spread of the human metapneumovirus (HMPV), a respiratory virus in other parts of the region afflicting a number of Asian countries. According to China's health authorities, the virus is spreading across the northern regions of the country. The Chinese Center for Disease Control and Prevention has confirmed that northern China is the worst affected. HMPV, which can infect people of all ages, is most common in children, raising further public health concerns. Although social media reports describe a critical situation, neither Chinese officials nor the World Health Organization (WHO) has declared a state of emergency at this stage.

No Vaccine Yet for Virus Discovered 20 Years Ago The outbreak has heightened awareness about the need for preventive measures, especially since no vaccine exists for HMPV despite the virus being known for

Health experts are urging vigilance and adherence to public health guidelines to limit the virus's spread. The common people have been advised by the authorities to wash their hands and wear masks and other precautions. Authorities in all of Asia are keeping a close watch on the flu outbreak and the respiratory virus spread in China. Regions surrounding China are implementing strict monitoring measures. Hong Kong, for example, has reported very few cases. Meanwhile, Japan's health authorities are actively working to address the issue. Following a significant influenza outbreak, Japan reported thousands of cases nationwide, as reported by local media on Saturday. According to Japan Broadcasting Corporation, 94,259 flu patients were reported in one week leading up to December 15th across 5,000 hospitals and clinics throughout the country. The total number of cases in Japan for the current season has now reached 718,000.

Tahlequah, The Grieving Orca, Loses Another Calf, Carries Dead Body Around

World. In a tragedy of Shakespearean proportions, an orca who made headlines in 2018 after it carried her dead calf for more than two weeks, has once again lost her baby, according to a report in The Guardian. The mother whale, known as J35 aka Tahlequah, was seen with the new calf on December 20 but on Wednesday (Jan 1), it could be photographed, carrying the baby whale's carcass on her head."We were able to confirm J35 had lost the calf and she was pushing it around on her head," said Brad Hanson, a research scientist with the National Oceanic and Atmospheric Administration. The scientists were initially hopeful that the calf, known as J61 would survive, despite the health complications but the situation turned pear-shaped quickly. As per the researchers, whenever the calf appears to be sinking, Tahlequah does a "high arch dive to go down" and recovers the dead body. However, scientists are unsure whether or not she's pushing it at that point or

Notably, Tahlequah's first calf was born 14 years ago and is still alive while her third was born in 2020 and is also healthy. The two calves to die were both female."The death of any calf in the [endangered southern resident population] is a tremendous loss, but the death of J61 is particularly devastating, not just because she was a female, who could have one day potentially led her own matriline but also given the history of her mother J35 who has now lost two out of four documented calves - both of which were female," Washington state-based Center for Whale Research. Also Read | Killer Whales Are Hunting Whale Sharks And Scientists Have The Evidence NowJ35 first shot to prominence in 2018 when she pushed the body of her calf around the Salish Sea for 17 days. Experts suggest that carrying the dead calves is most likely an expression of grief from the mother killer whale. Since orcas have the same neurotransmitters and hormones as humans, it is highly plausible that their feelings highly resemble that of us with grieving and mourning a central part of

With 2,42,334 newborn babies in 2024, South Korea records rise in birthrate after nine years

SEOUL. The number of newborns in South Korea increased last year for the first time in nine years, according to government data released on Friday. This marks a significant shift for a country facing one of the world's lowest fertility rates, Yonhap News Agency reported.Resident registration data from the ministry of the interior revealed that 2,42,334 babies were born in 2024, representing a 3.1 per cent rise compared to the previous year. This is the first annual increase following eight consecutive years of decline.

Meanwhile, the total number of registered population stood at 51,217,221 last year, shrinking for five years straight since 2020, Yonhap reported.Earlier on December 24, South Korea officially entered the category of a "super-aged" society, with individuals aged 65 and older making up one-fifth of its population, as per government data. South Korea's ministry of interior and safety reported that 10.24 million people in the country are now aged 65 or above, representing 20 per cent of South Korea's total population of 51 million, CNN reported. The data also revealed that women in this age group comprise around 22 per cent of the female population, while men aged 65 and older account for nearly 18 per cent of the male population.

Jeff Bezos' \$500 million yacht faces surprise customs raid while fiancée Lauren Sánchez sunbathes

World. Jeff Bezos' luxurious \$500 million yacht, Koru, became the center of unexpected drama when customs officers conducted a surprise inspection near St. Barts on New Year's Eve. While the Amazon founder was notably absent, his fiancée, Lauren Sánchez, turned heads as she relaxed on deck, seemingly unfazed by the intrusion. Photos captured by Page Six showed Sánchez, clad in a chic Versace bikini and wide-brimmed hat, smiling for the cameras as uniformed customs officers scoured the vessel. The inspection lasted approximately three hours, with officers methodically combing through the yacht under the guidance of a stewardess.

Calm amid the storm Sources confirmed the search was a routine procedure, though it briefly disrupted the yacht's otherwise opulent ambiance. Sánchez, however, kept her cool, mingling

with friends, including her ex-boyfriend,

former NFL star Tony Gonzalez. Gonzalez,

who shares a 23-year-old son with Sánchez,

even took a dip in the ocean as officers —BarkJack_(@BarkJack_) remained lighthearted. A stewardess was spotted briefing Sánchez on the situation, but the relaxed atmosphere suggested there was little cause for concern.

worked.hough the inspection created a Awinter wonderland to high seas glamour momentary buzz, the mood aboard The yacht inspection followed a whirlwind holiday season for Bezos and Sánchez. The couple had recently been in Aspen, Colorado, where their extravagant celebrations sparked rumors of a \$600

million New Year's Eve wedding. However, Bezos promptly debunked the speculation, calling it "completely false" in a post on X, formerly Twitter.

"This whole thing is completely false — none of this is happening," Bezos wrote. "The old adage 'don't believe everything you read' is even more true today than ever. Lies can get ALL the way around the world before the truth can get its pants on.'

Celebrity spotting in Aspen

Despite Bezos' denial, the Aspen festivities were anything but low-key. Ivanka Trump and Jared Kushner were spotted hand-inhand leaving Matsuhisa, a renowned sushi hotspot tied to the wedding rumors. Meanwhile, Yellowstone star Kevin Costner mingled with guests, fresh off sharing drinks with Jennifer Lopez at a local bar. Whether on snowy slopes or sunsoaked decks, Bezos and Sánchez have managed to keep the spotlight firmly on them, proving that life as a billionaire couple is never dull—even when customs

Israel Confirms September Raid On Syrian 'Underground Missile Factory'

Jerusalem. Israel's military revealed that around 100 of its troops conducted a raid in Syria in September last year to dismantle an underground missile factory allegedly funded by Iran.

In a rare admission of its activities in Syria, the military confirmed in a statement that the September 8 operation targeted and "destroyed an underground compound for manufacturing precision missiles" in the Masyaf area, near Syria's Mediterranean coast, Xinhua news agency reported. The Israeli military claimed that

the facility housed "advanced assembly lines designed to manufacture precision-guided missiles and long-range rockets." These weapons, it said, would have

significantly bolstered supplies to Hezbollah and other Iranian-backed



groups in the region. The operation involved a coordinated assault by helicopters, drones for intelligence support, fighter jets, and naval vessels. Israeli forces destroyed the facility, seizing equipment, weapons, and

intelligence documents. These materials were brought back to Israel for further analysis. No Israeli troops were injured in the raid.

The Syrian Observatory for Human Rights, a Britain-based war monitor, reported in September that the raid resulted in 27 fatalities. Since the onset of Syria's civil war in 2011, Israel has carried out numerous strikes in the country, claiming to target Iranian-linked sites and weapon shipments to Hezbollah.

In December, Israeli troops entered a United Nations-monitored buffer zone in the Golan Heights and seized Syrian territory in the area. The move drew widespread international condemnation. Israel described the incursion as temporary and defensive.

New Orleans Attacker Shamsud Din Jabbar Had Remote IED Detonator In His Truck: Biden

New Orleans Terror Attack. US President Joe Biden revealed on Thursday that the New Orleans attacker had a remote detonator in his vehicle. The detonator was used to trigger Improvised Explosive Devices (IEDs) placed in ice coolers in the French Quarter before the attacker drove into a crowd on Bourbon Street. The FBI has recovered the two IEDs, which were hidden in the coolers, according to CNN. "They've established that the attacker is the same person who planted the explosives in those ice coolers in two nearby locations in the French Quarter just a few hours before he rammed into the crowd with his vehicle. They assessed he had a remote detonator in his vehicle to set off those two ice chests," Biden said. Biden told reporters in the White House's East Room that he plans to visit New Orleans. He also confirmed that 15 people, including the attacker, died in the attack on New Year's night. New Orleans Attacker's ISIS

10 Years After Attack, Charlie Hebdo Is Uncowed And Still Provoking

Paris. French satirical newspaper Charlie Hebdo is set to publish a special Godmocking edition next week to mark 10 years since an attack on its offices by It is intended for "everyone who is fed up jihadist gunmen that left eight staff members dead. The anniversary of

the shocking attack on freedom of expression is being used by the atheist publication to send a message of defiance to the extremists who burst into its offices on January 7, 2015, then fled shouting they had "killed Charlie Hebdo"."They didn't kill Charlie Hebdo," editor-in-chief Gerard Biard told AFP in a recent interview, adding that "we want it to last for a thousand years". The attack by two Paris-born brothers was revenge for

Charlie Hebdo's decision to repeatedly publish caricatures lampooning the Prophet Mohammed, Islam's most revered figure. The massacre of some of France's most famous cartoonists signalled the start of a gruesome series of Al-Qaeda and Islamic State plots that claimed hundreds of lives in France and western Europe over the following years.Next week's edition is set to feature the results of a typically provocative competition launched in November to

draw the "funniest and meanest" depictions of God. It will be revealed on Sunday evening.

with living in a society directed by God



and religion. Everyone who is fed up with the so-called good and evil. Everyone who is fed up with religious leaders dictating our lives".President Emmanuel Macron and Paris Mayor Anne Hidalgo will attend commemoration events on Tuesday at the location of the attack, as well as that of a separate but linked assault on a Jewish supermarket. Solidarity

The Charlie Hebdo killings profoundly shocked France. The attack fuelled an outpouring of sympathy expressed in a

Charlie") solidarity with its lost contributors including famed cartoonists Cabu, Charb, Honore, Tignous and Wolinski.

> But it also led to questioning and in some cases a furious backlash against Charlie's deliberately offensive, often crude strain of humour, part of a long-standing French tradition of caricaturing. Since its founding in 1970, it has regularly tested the boundaries of French hatespeech laws, which offer protection to minorities but allow for blasphemy and the mockery of religion.

ree-speech defenders in France see the ability to criticise and ridicule religion as a fundamental right acquired through centuries of struggle to escape the influence of the Catholic Church.Critics say the weekly sometimes crosses the line into Islamophobia, pointing to some of the Prophet Mohammed caricatures published in the past that appeared to associate Islam with terrorism. The idea is not to publish anything, it's to publish everything that makes people doubt, brings them to reflect, to ask questions.



Connection The FBI has confirmed that the attacker was an ISIS supporter. An ISIS flag was found in his vehicle, and the suspect admitted his allegiance in videos posted online.

President Joe Biden vowed to act against ISIS and similar groups. "We are going to relentlessly pursue ISIS and other terrorist organisations where they are, and they will find no safe harbour here," he said.

On the potential link between the New Orleans attack and the Las Vegas Cybertruck explosion, Biden said investigations are ongoing but no evidence of a connection has been found so far.

in Las Vegas, a Tesla Cybertruck exploded outside the Trump International Hotel, killing one person and injuring seven. Both vehicles in the incidents were rented through the car rental platform 'Turo,' prompting authorities to investigate possible links, CNN reported.

Ahead Of Trump's Inauguration, Debate On H1B Visas Intensifies

Washington. Three weeks ahead of Trump's inauguration here on January 20, the debate on foreign guest workers visas for highly skilled professionals, the H-1B, has intensified which has literally created divisions in both the Democratic and the Republican parties. Indians are the main beneficiaries of the H-1B visas, which bring in the best of the talent and brains from across the world. Highly skilled professionals from India walk away with the overwhelming number of H-1B visas – which is Congressional mandated 65,0000 every year and another 20,000 for those who received higher education from the US. President-elect Donald Trump, who will be sworn in as the 47th President of the United States on January 20 in front of the US Capitol, has come out in support of the H-1B, so has two of his close confidants, Tesla owner Elon Musk and entrepreneur Vivek Ramaswamy, both of whom have been tasked to head the newly created Department of Government Efficiency.

"I've always liked the visas, I have always been in favour of the visas. That's why we have them," Trump told the New York Post over the weekend. I've always felt we have to have the most competent people in our country. We need competent people, we need smart people coming into our country, we need a lot of people coming in. We're going to have jobs like we've never had before," Trump told reporters at a New Year's Eve party hosted by him at Mar-a-Lago. Both Musk and Ramaswamy have argued that H-1B visas are essential to attract the best of the talent, as the US falls short in many of the specialised fields. They have been joined by Indian American Democratic lawmakers including Ro Khanna, Raja Krishnamoorthi and Shri Thanedar who have come out in support of H-1B visas, after a sudden backlash against it as soon as Trump appointed Sriram Krishnan as his Senior Policy Advisor for Artificial Intelligence. Such a backlash initially



came from the supporters of Trump who argued that this is eating away at the jobs of Americans. Both Musk and Ramaswamy immediately weighed in and supported the H-1B visas. On Thursday, influential Democratic Senator Bernie Sanders asserted that the two close confidants of Trump are wrong. "Elon Musk and a number of other billionaire tech company owners have argued that this federal programme is vital to our economy because of the scarcity of highly skilled American

engineers and other tech workers. I disagree. "The main function of the H-1B visa programme and other guest worker initiatives is not to hire 'the best and the brightest', but rather to replace good-paying American jobs with low-wage indentured servants from abroad. The cheaper the labour they hire, the more money the billionaires make," Sanders said on Thursday. His own party colleague Congressman Raja Krishnamoorthi

disagreed on Monday. "The number one competitive advantage America has is our workforce. The H-1B programme attracts the best and brightest talent from around the world and strengthens that advantage as we also invest in American workers," he told CNN as he supported Musk and Ramaswamy in the debate. "The reason I'm in America along with so many critical people who built SpaceX, Tesla, and hundreds of other companies that made America strong is because of H1B.

Honour equally belongs

to team: Salima Tete

CHENNAI. For her contribution to Indian hockey, women's team captain Salima Tete was named amongst the Arjuna Awardees in the National Sports Awards 2024 list

The 23-year-old took over captaincy from Savita Punia last year and was instrumental

in India defending their Asian Champions

Trophy title in Rajgir, Bihar.lways a team

player, Tete dedicated the award to her team.

"I believe this is my team's award. It has my

name on it but, truly this honour equally belongs to my team. You cannot simply do

all things by yourself in the team game so I would like to thank my team first. I know this

award will work as a motivation for

everyone," she told TNIE. One of the players

from the famous Simdega hockey nursery,

Tete made her debut for the national side in

2017 and has 122 caps so far. She was part of

the side that came close to winning the

country's first-ever women's hockey medal

when Rani Rampal led the side to fourth-

place finish in Tokyo. Known for her speed

and precision, Tete was given the responsibility of leading the side ahead of the

ACT last year. With the Women's Hockey

India League approaching soon, Tete was at

practice with her Soorma Hockey Club

teammates when her former captain and

Arjun Awardee herself, Rani Rampal, told

her the happy news. "I was at the practice and

it was Rani di who told me that I had received

the award. I could not believe it at first and

All of my teammates were hugging me and

congratulating me so it felt really good to

celebrate it with them. The first thought that

came to my mind was that I should call my

family and let them know, but they knew

T would like to thank my coahes including national coach Harinder Singh, teammates,

and family. I wouldn't have achieved this

Double Olympian Swimmer Sajan Prakash

was also named in the list for the Arjuna

Award."This national Award will help me in

my endeavour to do well in the future. I

applied but was not sure whether I would be

without their support," Tete added.

Award motivates athletes: Swimmer Sajan

couldn't put my emotions into words.

before I could tell them."

announced on Thursday.

Saturday, 04 January 2025

SCG pitch has excessive grass, but no former Indian player is complaining: Gavaskar

Ground, adding that former Indian players have refrained from criticising the challenging surfaces in Australia.

New Delhi. Former India captain Sunil Gavaskar referred to the unusually grassy pitch at the Sydney Cricket Ground while adding how former Indian players have refrained from criticising the challenging surface despite its apparent difficulty. The SCG wicket proved treacherous for the visiting Indian team, which struggled to adapt to the green surface. India were precariously placed at 134 for seven in the final session of Day 1, with their batting lineup once again failing to deliver. Openers KL Rahul and Yashasvi Jaiswal fell cheaply, with Shubman Gill, replacing the rested skipper Rohit Sharma, and Virat Kohli also dismissed before making substantial contributions. Amidst the collapse, Rishabh Pant stood tall, absorbing the brunt of Australia's relentless bowling attack.Pant endured a series of painful blows, including



hits on the biceps, helmet, and abdomen, necessitating frequent visits from the team physio. Despite his discomfort, Pant Pant's valiant knock, however, ended on 40 off showcased his characteristic grit and flair. A straight six off debutant Beau Webster and a cheeky cutoff Nathan Lyon highlighted his

aggressive intent, even as he focused on survival.

98 deliveries when Scott Boland's welldirected short-pitched delivery induced a mistimed shot. Pat Cummins completed the catch at short cover, ending a hard-fought 48-run partnership between Pant and Ravindra Jadeja, which had consumed

151 deliveries. Boland compounded India's woes by dismissing debutant Nitish Kumar Reddy

for a golden duck the very next ball.

Gavaskar, never one to mince words, was taken aback by the pitch's grass cover. Speaking on Star Sports, he noted, "I haven't seen so much grass on a Sydney pitch in the past. Probably, the grass cover is on the higher side compared to other pitches in the Border-Gavaskar Trophy 2024-25. The batting is tough, and the visiting batters are not able to connect the bat with the ball."The SCG wicket drew comparisons to some of the toughest pitches seen in recent cricket. Gavaskar praised Rishabh Pant for his bravery and adaptability, noting the stark difference between the challenges posed by this wicket and those from the previous Test.

"Rishabh Pant is putting his body on the line for India, and that's exactly what you need to do on a pitch like this, where tough questions will be asked. It's easy to underestimate how challenging it is. Look at the previous Test-this one is nastier,"

Edged and gone, again: Virat Kohli booed at SCG, dismissed for 17

Sydney. Senior India batter Virat Kohli once again edged the ball to the slips in the Border-Gavaskar Trophy. This was the 6th time out of 7 innings that Kohli got out edging the ball outside off stump.Senior India batter Virat Kohli once again edged the ball to the slips in the Border-Gavaskar Trophy. This was the 6th time out of 7 innings that Kohli got out edging the ball outside off stump. This was the 6th time that Kohli got out by edging the ball outside off stump. The Indian No.4 has been



challenged in the corridor of uncertainty throughout the series, and has managed to edge the ball every time despite looking set.Kohli's exploits in series as follows: 5,

The only time Kohli did not edge the ball to the slips was when he remained unbeaten in the second innings of the opening innings at Perth.n other note, Virat Kohli's love-hate relationship with Australia continued after the batter was booed by the SCG crowd on Friday, January 3. Kohli got jeered by the crowd while entering the arena.

100*, 7, 11, 3, 36, 5 and now 17.

The batter has been targetted by the crowd ever since bumping into Sam Konstas in the first innings of the Melbourne Test match. Kohli had rammed into the young Australia batter at the MCG when the youngster took on Jasprit Bumrah in the Boxing Day Test match. At the time of writing, India were 100/4 with Ravindra Jadeja and Rishabh Pant rebuilding for India. The team had lost Yashasvi Jaiswal, KL Rahul, Shubman Gill and Virat Kohli so

Sam Konstas built for Athis stage: Watson praises Australia opener's showmanship

New Delhi. Sam Konstas' explosive batting debut in Melbourne didn't surprise his mentor, Shane Watson; however, the 19year-old's showmanship during the Boxing Day Test did catch the former Australian allrounder off guard. Konstas stunned Jasprit Bumrah-led Indian bowlers with his breathtaking strokeplay, showcasing ramps, reverse scoops, pulls, and powerful drives through the covers. The young teenage opener even took the attack to Bumrah, arguably the best bowler of his generation.Sam Konstas' explosive batting debut in Melbourne didn't surprise his mentor, Shane Watson; however, the 19year-old's showmanship during the Boxing Day Test did catch the former Australian allrounder off guard. Konstas stunned Jasprit Bumrah-led Indian bowlers with his breathtaking strokeplay, showcasing ramps, reverse scoops, pulls, and powerful drives through the covers. The young teenage opener even took the attack to Bumrah, arguably the best bowler of his generation.Reflecting on his experience mentoring Konstas, Watson added: "My

experience working with Sam has shown me a very quiet, reserved personality — a deep thinker and certainly not an extrovert. But what we saw in the Test match is that he's a showman, rising to the occasion without



being overawed."I know from my own debut experience that you put a lot of pressure on yourself because it's your dream to represent your country and wear the baggy green. But for Sam, it's almost superhuman how he seemed unaffected by that pressure.

You could see it wasn't an act — that's just who he is. And honestly, I hadn't seen that side of him before. It just shows he's built for the big stage, where most players take time to adjust. Sam thrives on it."However, Konstas faced the harsh realities of Test cricket in the second innings, with Bumrah dismissing him for just 8 runs with a superb inswinger. Watson remains confident in Konstas' abilities, highlighting his technical soundness and adaptability as key to succeeding in red-ball cricket."Now, it's going to be a different challenge for him. He's shown what his plan B is, and we already saw in that second innings that field positions were adjusted accordingly. This will be a good test of his evolution — how he can continue to take the game on against the world's best bowlers. But he's certainly got all the gears and the skills to make those adjustments quickly."He's technically very correct and waits for loose balls. But he's also got the ability to hit the ball down the ground. Of course, when the field is set with a fine third man and a fine leg, the ramp shot might be off the table. Then again, I didn't think he'd play the ramp shot in the first couple of overs, and he did! Sam will trust his instincts, and that's something truly special that sets him apart."

Bumrah captains in Sydney, India opts to bat first

YDNEY. While it seemed clear that Rohit Sharma will not play, there was a sense of anticipation to see who would walk out of the Indian dressing room donning the India blazer in front of a sell out crowd at the Sydney Cricket Ground on Friday. At about 9.58 AM, whatever doubts were there were castled. Jasprit Bumrah walked out of the pavilion with the team sheet in hand joining Australia captain Pat Cummins and Ravi Shastri in the middle. Two minutes later, he won the toss and opted to bat first. Shubman Gill had come in for Rohit Sharma while Prasidh Krishna replaced injured Akash

"Our captain has opted out of this game, it shows his leadership and that there is no selfishness in the team. Two changes, Rohit misses and Akash Deep is out due to injury, replaced by Prasidh (Krishna)," said Bumrah

Mohun Bagan start year with win over Hyderabad FC

CHENNAI. Mohun Bagan Super Giant started the New Year with a 3-0 victory over Hyderabad FC at the Vivekananda Yuba Bharati Krirangan in Kolkata in the Indian Super League (ISL) 2024-25 season.

Jose Molina's men were on the offensive, and went ahead courtesy of an own goal from Stefan Sapic followed by a superb goal from Tom Aldred in the first half. Early in the second half, Jason Cummings scored the third as they secured their 10th win of this season of the competition.

The hosts were rewarded in the ninth minute when they grabbed the lead courtesy of an own goal conceded by Stefan Sapic. Their efforts bore fruit in the 41st minute when Aldred doubled the lead with a diving header following Liston's pinpoint delivery inside the box. The move was initiated by Sahal's corner, marking MBSG's 15th set-

Despite resting Rohit Sharma, India

a heap of trouble on Day 1 of the New Year's

Test match in Sydney. After opting to bat first

on a spicy Sydney Cricket Ground deck,

India were bowled out for just 185 runs. Big names - Virat Kohli, Shubman Gill, KL

Rahul failed to put up resistance as Australia

pacers rolled over the visitors by making use

of the full 7mm of grass left on the pitch. The

green tinged wicket mixed with overcast

conditions made it perfect conditions for the

pitch.



The hosts continued their dominance into the second half with Cummings getting into the scoresheet in the 51st minute. Cummings brought down a long pass from the right

flank and released Maclaren in space. The Australian served it back on a plate to Cummings, who beat Arshdeep in goal with a first-time finish.



when asked about Sharma.

The Indian captain had been in poor form averaging 6.2 with the bat while losing two of the three Tests he captained since arriving in Australia. With tensions mounting within the team — especially captain and head coach Gautam Gambhir — speculations and murmurs started doing rounds after the loss in Melbourne. Instead of putting them to rest, Gambhir added fuel to fire when he did not confirm Sharma's spot in the playing XI. Later, it was confirmed that Sharma will not be taking part in the must-win contest.As things stand, India trail 1-2 and need to win the fifth and final Test to retain the Border-Gavaskar Trophy and have a chance at qualifying for the World Test Championship

All-round Bumrah sparks India's hopes after batters fail in grassy Sydney team, taking the upper hand in the **▲IND** vs AUS, SCG Test: Jasprit Bumrah final Test match of the series. Some semblance of balance was brought kept India in the hunt once again despite back into the encounter very late in a team facing a torrid time for the larger the day when stand-in captain Jasprit Bumrah not only added a crucial 37 part of Day 1 at the SCG Test on Friday. runs with Prasidh Krishna and

India with a terrific 2-over-spell in the batters were a no-show once again in final minutes on Friday. The Indian team returned to bowl only 3 the ongoing series and were bowled out overs late in the day, and perhaps gave an idea of how this Test match is going for just 185 runs on a spicy Sydney to pan out. Jasprit Bumrah bowled India's two of three overs and made Usman Khawaja skip and hop throughout his short spell. Bumrah, managed to hand India the New Delhi Jasprit Bumrah's India were left in

breakthrough of Usman Khawaja in the last ball of Day 1 - something that the team desperately needed for a mental boost after a tough day. Some semblance of balance was brought back into the encounter very late in the day when stand-in captain Jasprit Bumrah not only added a crucial 37 runs with Prasidh Krishna and Mohammed Siraj, but also fired up India with a terrific 2-over-

Mohammed Siraj, but also fired up

spell in the final minutes on Friday. Australian quartet to dominate the India The Indian team returned to bowl only 3 overs



late in the day, and perhaps gave an idea of how this Test match is going to pan out. Jasprit Bumrah bowled India's two of three overs and made Usman Khawaja skip and hop throughout his short spell. Bumrah, managed to hand India the breakthrough of Usman Khawaja in the last ball of Day 1 something that the team desperately needed for a mental boost after a tough day. That however, does not take away the fact that the visitors reeled under pressure for the better part of the day in Sydney.

IND vs AUS, 5th Test: Day 1 Highlights

IND vs AUS, SCG Test Day 1: As It Happened

India were put on the backfoot at the toss itself after Jasprit Bumrah opted to bowl first on a greenish wicket at the SCG under overcast conditions. While India cannot be berated for opting to bat at the SCG, a track that is expected to break as the game goes on, but India could have taken the call based on more visual evidence than historical data. India chose to once again play 2

spinners on the track, that had 7mm of grass left on it. The result, as it turned out, was a horrible one for India - as

they were bowled out for just 185 runs.India batters, already low on confidence, found it difficult to bat on in the seaming conditions and lost two wickets in the first 10 overs of the game (7.4 overs). Pegged back, India dropped anchor with Virat Kohli and Shubman Gill to bring up a steady partnership that lasted till the final over of the morning session.

Arjun Kapoor, Rakul Preet Singh And

Bhumi Pednekar Starrer Mere Husband



rjun Kapoor, Rakul Preet Singh, and Bhumi Pednekar will soon be seen in a romantic comedy film titled Mere Husband Ki Biwi. The makers have released a quirky motion poster and also announced the release date. The film is all set to hit the theatre on February 21, 2025. Fans have also reacted to it. Taking to their Instagram handles, Pooja Entertainment shared the motion poster and caption reads, "Yahaan pyaar ki geometry thodi twisted hai—kyunki ye love triangle nahi, pura circle hai! #MereHusbandKiBiwi In Cinemas 21st February, 2025." Directed by Mudassar Aziz, known for his work on films like Pati Patni Aur Woh, Happy Bhag Jayegi, and Khel Khel Mein, the film promises to deliver a fresh and entertaining story.

One of the fans wrote, "Can't waittttttt". Another wrote, "It would be Damnn beautiful Chemistry between Arjun Kapoor and rAkul preet." Mere Husband Ki Biwi is produced by Vashu Bhagnani, Jackky Bhagnani, and Deepshikha Deshmukh.

On the work front, Arjun Kapoor was last seen in Singham Again. Singham Again showcased a parallel narrative to that of the mythological epic Ramayana. The story focuses on Bajirao Singham, who ventures into a new journey to save his wife Avni along with his team, which includes Tiger Shroff, Akshay Kumar and Ranveer Singh. Rohit Shetty's recent release is the third in the Singham film franchise and the fifth instalment in his Cop Universe after Singham, Singham Again, Simmba and Sooryavanshi.

Rakul Preet Singh will be next seen in De De Pyaar De 2. Unlike the first part, which was helmed by Akiv Ali, the sequel will be helmed by Anshul Sharma, known for the film Saare Jahaan Se Mehnga.Bhumi will be making her web series debut with Daldal in which she will be seen playing a cop. Filming of the series is already completed. It will be released on Prime Video next year. Apart from this, she also has another web show titled The Royals opposite Ishaan Khatter. The show also features celebs like Nora Fatehi, Chunky Panday, Sakshi Tanwar, Dino Morea and Milind Soman.

Divyenndu Sharma's Beard Game Is Strong As He Steps Out In Style In Black



ivyenndu Sharma is known for his portrayal of Munna Tripathi aka Munna Bhaiya in the popular series Mirzapur. Backed by Farhan Akhtar, the show was a big hit and gained him widespread recognition. On Wednesday night, the actor grabbed the audience's attention with his dashing look as he was spotted leaving a restaurant.

Several pictures and videos of the actor surfaced on social media.In one such video, the Madgaon Express actor is seen striking a pose at the restaurant entrance. As the clip moves forward, the actor is also seen interacting and clicking pictures with the paps stationed outside.

Divyenndu looked handsome as he opted for an allblack formal look. He wore a shirt and teamed with matching pants. He was seen with a heavy beard look. Fans were quick to share their reactions on social media. An Instagram user wrote, "Hottie." Another one wrote, "Hero h hero apna munna bhaiya." One of them commented, "Stunning

Meanwhile, on the work front, the actor first gained recognition with his performance in the comedy film Pyaar Ka Punchnama which was released in 2011. The film also starred Kartik Aaryan, Nushrratt Bharuccha and Ishita Sharma in leads.

Post that he went on to feature in big-budgeted films like Toilet: Ek Prem Katha, Batti Gul Meter Chaalu and others. His career shot to fame after he appeared in Farhan Akhtar's web series Mirzapur. He was part of the show's season 1, which was released in 2018 and season 2, which premiered in

After the grand success of Mirzapur, the makers recently announced a film based on the web series. Notably, the original cast including Pankaj Tripathi, Ali Fazal, Abhishek Banerjee and Divyenndu will be seen reuniting for the project. Created by Puneet Krishna and directed by Gurmmeet Singh, the Mirzapur film is scheduled for release in 2026.

He was last seen in the film Agni which premiered on the OTT giant Prime Video. Helmed by Rahul Dholakia, known for Raees, and produced by Farhan Akhtar, the film also featured Pratik Gandhi and Siyami Kher in the lead roles.



Smiles Bright As She Jets Off From Jamnagar With Vedang Raina

hushi Kapoor and Vedang Raina's rumoured relationship is nothing unknown to their fans. They are often spotted hitting parties together and going on vacations with their close ones. Recently, they celebrated their New Year's Eve at Jamnagar, and were papped at the airport while jetting off from there. In a video shared by a paparazzo on Instagram, Khushi Kapoor and Vedang Raina were spotted entering the Jamnagar airport. The rumoured couple were also joined by Sky Force actor Veer Pahariya.In the clip, Janhvi Kapoor's sister was seen smiling brightly while posing for the shutterbugs stationed outside the airport. Her joyful mood reflected the fun and festivities of their gala New Year's Eve celebration in Jamnagar in the presence of her loved ones. Khushi even took a moment to pose after being approached by some of her fans for a selfie.

For the day, Khushi wore a black-hued tank top teamed with an olive green sweater and loose-fitted denim pants. She also opted for a middle-parted open hairdo, subtle makeup, a

pair of white sneakers, minimal accessories and a pink handbag to amp up her uber-cool look. On the other hand, Vedang sported a black T-shirt paired with a matching leather jacket and denim pants. Veer looked handsome in an all-black ensemble.Khushi Kapoor, being an avid social media user, gave lovely glimpses of her New Year's Eve celebrations at Jamnagar. In a sweet Instagram post, Boney Kapoor was seen affectionately wrapping his hands around her as they posed for the lens. In the background, we got a sneak peek into the starry lights-filled decoration, which looked simply stunning. She captioned the photos as "Happy 2025." Before that, Khushi Kapoor maximised the festive spirit

with her rumoured

boyfriend Vedang Raina in cute, cosy pictures for Christmas. In the

photos, the actress wore a green sweater teamed with a short mini skirt and a red purse. In one of the frames, she was seen posing for a mirror selfie with the Jigra actor, who looked handsome in a reindeer-printed blue sweater. Khushi's Christmas special carousel also featured their close friend, Orry. Sharing it, she wrote, "A cute ugly Christmas sweater party."

On the work front, Khushi Kapoor will be next seen in the upcoming romantic comedy Loveyapa alongside Aamir Khan's son, Junaid Khan. Directed by Advait Singh Chandan, the film will hit the theatres on February 7.

Disha Patani

Goes Out On Lunch In Mumbai, Looks Glam In A Floral Dress

day after welcoming the New Year with a bash, Disha Patani stepped out for lunch in Mumbai. In a clip posted by a celebrity photographer on Instagram, the actress was seen entering the Mizu restaurant in Pali. Disha, a trueblue fashion icon, slipped into a floral mini-dress for the day out. Her OOTD featured flowy sleeves and a ruffled hem. Minimal jewellery and open hair sealed her avatar. She teamed up her pretty outfit with a furry pink sling bag. The clip showed Disha Patani getting out of her car and greeting the paparazzi. She smiled at the shutterbugs and posed briefly before entering the restaurant. Fans reacted to the video by dropping red hearts and fire emojis. A few also called her "beautiful."

Disha Patani celebrated New Year's Eve with BFF Mouni Roy and her husband Suraj Nambiar. Mouni suffered a mini accident as she was exiting the venue. The actress tripped on the stairs and fell while on her way out. Disha was seen helping Mouni by holding her hand. Suraj also rushed to his wife's aid. Take a look at the video here:

Workwise, Disha Patani was last seen in Kanguva. Directed by Siva, the film is led by Suriya. The action drama also starred Bobby Deol as the antagonist. The film was released in Telugu, Kannada, Malayalam, Hindi, and English on November 14, 2024. Jagapathi Babu, Prakash Raj, Yogi Babu, KS Ravikumar, Harish Uthaman, Kovai Sarala, Vasundhara Kashyap and Anandraj

played supporting roles. Kanguva is produced by KE Gnanavelraja and Vamsi Pramod under the banners Studio Green and UV Creations.

Up next, Disha Patani will next be seen in Welcome To The Jungle. Helmed by Ahmed Khan, the upcoming film revolves around two police officers — Jay Bakshi and Sandhya who have



been assigned the task of tracking down a notorious criminal, Raj Solanki. Things take a turn for the worse after Jay learns that his partner Sandhya is related to the criminal.Besides Disha Patani, Welcome To The Jungle features a cast ensemble of Akshay Kumar, Sanjay Dutt, Suniel Shetty, Jacqueline Fernandez and Rajpal Yadav among others.

